www.hindmatamirror.com • वर्ष: 12 • अंक: 204 • ठाणे, शनिवार 18 अप्रैल, 2026 • पेज: 8 • मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

पेज 8

क्या बॉलीवुड में कमबैक की तैयारी कर रहीं सेलिना?

आईपीएल 2026 में अब तक सर्वाधिक छक्के जड़ने वाले टॉप-5 बैटर

8 पेज

सुप्रभात

जो प्राणियों की हिंसा करता है, दूसरों से कांपता है या हिंसा करनेवालों का अनुमोदन करता है, वह संसार में अपने लिए वैर बढ़ाता है। - **महावीर स्वामी**

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (18 अप्रैल) 6:57 बजे, सूर्योदय (19 अप्रैल) 6:19 बजे, **तापमान: 32 डिग्री से. (बादल छाए रहेंगे।)**

शॉर्ट स्टोरी

मुख्यमंत्री राहत कोष से 333 करोड़ की मदद

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री राहत कोष से पिछले वित्तीय वर्ष 40 हजार से अधिक मरीजों को लगभग 333 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई। एक अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच कुल 40, 776 मरीजों को 333 .06 करोड़ रुपए की सहायता दी गई। बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री राहत कोष से 20 गंभीर रोगों के लिए चिकित्सा सहायता प्रदान की जाती है, जिनमें दो से छह वर्ष की आयु के बच्चों के लिए कॉक्लियर इम्प्लांट, हृदय, यकृत, गुर्दा और फेफड़ों आदि के प्रतिरोपण, बोन मैरो प्रतिरोपण, जोड़ों का प्रतिरोपण, कैंसर सर्जरी, डायलिसिस, तंत्रिका तंत्र से जुड़े रोग, नवजात शिशुओं की गंभीर बीमारियां आदि शामिल हैं।

पालघर, बारामती सहित बनाए जाएंगे 9 नए जेल

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

प्रदेश में पालघर, अहिल्यानगर के नारायणडोह, पुणे के बारामती, येरवडा क्रमांक 02, क्रमांक 03, गोंदिया, हिंगोली, जलगांव के भुसावल, बीड़ के अंबाजोगाई में कुल मिलाकर 9 नया सेंट्रल और जिला जेल का निर्माण किया जाएगा। इन सभी 9 जेलों में कैदियों की क्षमता 12 हजार 258 होगी। एक अधिकारी ने बताया कि पालघर जेल का काम 18%, अहिल्यानगर के नारायणडोह जेल का काम 35% और बारामती जेल का काम 60% पूरा हुआ है। पुणे के येरवडा सेंट्रल जेल, येरवडा खुला जेल, येरवडा महिला खुला जेल, नागपुर सेंट्रल जेल, बुलढाणा जिला जेल, यवतमाल जिला जेल और वर्धा जेल में अतिरिक्त बैरक बनेंगे।

बांग्लादेशी महिला पुलिस हिरासत से फरार

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

भारत में अवैध रूप से रहने के आरोप में गिरफ्तार बांग्लादेश की एक महिला पुलिस हिरासत से फरार हो गई। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि मीरजान बेगम इस्माइल शेख उर्फ नसरीन (36) को अन्य बांग्लादेशी नागरिकों के साथ कुर्ला स्थित पुलिस क्वार्टर में पकड़ा गया था। गुरुवार तड़के नसरीन ड्यूटी पर तैनात महिला कांस्टेबल से अनुमति लेकर शौचालय गई जिसके बाद जब वह काफी देर तक वापस नहीं लौटी तो उसकी तलाश की गई लेकिन वह नहीं मिली। सीसीटीवी फुटेज में वह अपने पति मनीष बलदेव राजभर उर्फ इस्माइल शेख के साथ परिसर से फरार होती दिखाई दी।

लोकल में वेंडर एंट्री से सुरक्षा पर सवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

आने वाले दिनों में रेलवे के लोकल ट्रेन में यात्रियों को मुसीबत का सामना करना पड़ सकता है। रेल विभाग ने लोकल के सामान्य और एसी ट्रेनों के अलावा दूरदराज के बिना पेंट्रीकार वाले मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों में फेरीवालों को सामान बेचने के लिए अधिकृत कर दिया है। जानकारी के अनुसार अब तक तकरीबन 89 लोगों को लाइसेंस दे दिया गया है, जिससे अब फेरीवाले मुंबई लोकल ट्रेन में खुलेआम सामान बेचते नजर आएंगे। मुंबई लोकल ट्रेन के महिला डिब्बों में पुरुष वेंडर समान बेचने लगे हैं, जिससे माहिलाओं की सुरक्षा पर भी सवाल उठने लगा है। हालांकि रेलवे प्रशासन ने 2023 में ही इसकी तैयारी कर ली थी।

मोदी सरकार बिल पास कराने में पहली बार नाकाम

महिला आरक्षण से जुड़ा बिल 54 वोट से गिरा

■ पास होने के लिए चाहिए थे 352, मिले 298, विपक्ष में पड़े 230 वोट

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली/ मुंबई

लोकसभा में महिला आरक्षण बिल आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका और प्रारंभिक चरण में ही खारिज हो गया। सदन की कार्यवाही के दौरान ओम बिरला ने बताया कि मत विभाजन में 298 सदस्यों ने समर्थन में और 230 ने विरोध में मतदान किया, जो बिल पारित करने के लिए पर्याप्त नहीं था। यह विधेयक आवश्यक बहुमत नहीं जुटा पाया, इसलिए इस पर आगे की प्रक्रिया नहीं बढ़ाई जा सकी और यह विचार स्तर पर ही समाप्त हो गया। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने भी घोषणा की कि अन्य दो प्रस्तावित विधेयकों को फिलहाल आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। सरकार जानती थी कि उसके पक्ष में लोकसभा में नंबर नहीं है, इसीलिए सरकार बार-बार सभी सांसदों से समर्थन की मांग कर रही थी। पीएम नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू समेत बीजेपी और एनडीए के तमाम सांसदों और नेताओं ने विपक्ष से बिल को सपोर्ट करने की अपील की।

केंद्र सरकार के पास अब पांच विकल्प बचे

सरकार के पास कई व्यावहारिक रास्ते हैं, लेकिन सबमें समय और राजनीतिक सहमति लगेगी:

1. **बिल फिर से पेश करना:** अब सरकार अगले सत्र (मॉनसून सत्र या बजट सत्र) में बिल को दोबारा लोकसभा में पेश किया जा सकता है। फिर से पूरी प्रक्रिया यानी परिचय, चर्चा और मतदान किया जाएगा।
2. **संशोधन करके दोबारा लाना:** अगर विपक्ष की दक्षिण राज्यों का अनुपात बनाए रखने जैसी कुछ मांगें मान ली जाएं, तो बिल में बदलाव करके फिर से पेश किया जा सकता है।
3. **राज्यसभा में भी बहुमत जुटाना:** लोकसभा पास होने के बाद राज्यसभा में भी विशेष बहुमत चाहिए। अगर राज्यसभा में अटकता है, तो फिर से चर्चा या संशोधन का रास्ता खुला है।
4. **विपक्ष से बातचीत:** सरकार पहले ही कह चुकी है कि महिला आरक्षण सभी दल चाहते हैं। अगर सहमति बनी तो पास होना आसान हो जाएगा, लेकिन फिलहाल विपक्ष (खासकर दक्षिण के दल) परिसीमन को लेकर चिंतित है।
5. **कोई छोटा संशोधन:** कुछ एक्सपर्ट्स सुझाव देते हैं कि बिना परिसीमन बढ़ाए, सिर्फ महिला आरक्षण को 2029 से लागू करने के लिए अलग छोटा संशोधन लाया जा सकता है, लेकिन सरकार का मौजूदा प्लान सीटें बढ़ाने का है।

बिल 54 वोट से गिर गया

महिला आरक्षण बिल से जुड़ा संविधान (131वां) संशोधन बिल सरकार लोकसभा में पास नहीं करा पाई। इसमें संसद की 543 सीटों से बढ़ाकर 850 सीटें करने का प्रावधान था। 21 घंटे की चर्चा के बाद इस पर वोटिंग हुई। लोकसभा में 528 सांसदों ने वोट डाले। पक्ष में 298, विपक्ष में 230 वोट पड़े। लोकसभा में मौजूदा सांसदों की संख्या 540 है, तीन सीटें खाली हैं। बिल को पास कराने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी। 528 का दो तिहाई 352 होता है। इस तरह ये बिल 54 वोट से गिर गया।

इससे जुड़े दो बिल पेश नहीं किए

पहला- परिसीमन संशोधन संविधान बिल 2026। दूसरा- केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल 2026। सरकार ने इन पर वोटिंग कराने से इनकार कर दिया। कहा कि ये बिल एक-दूसरे से लिंक है इसलिए वोटिंग की जरूरत नहीं है।

बारह साल में पहली बार मोदी सरकार नाकाम

12 साल के शासन में यह पहला मौका जब मोदी सरकार सदन में कोई बिल पास नहीं करा पाई। इससे पहले अमित शाह ने एक घंटा स्पीच दी थी। कहा कि अगर ये बिल पास नहीं होते हैं तो इसकी जिम्मेदारी विपक्ष की होगी। देश की महिलाएं देख रही हैं कि उनकी राह का रोड़ा कौन है।

शाह ने कहा- महिलाएं माफ नहीं करेंगी

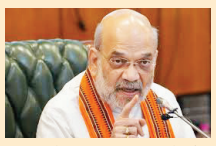

17 अप्रैल लोकसभा में अमित शाह ने कहा कि इस देश की महिलाएं देख रही हैं कि उनके रास्ते का रोड़ा कौन है। यहां पर तो शोर शराबा करके बच जाओगे लेकिन माताओं -बहनों का आक्रोश बाहर पता चलेगा। जब चुनाव में वोट मांगने जाएंगे तो मातृशक्ति हिसाब मांगेगी।

बिल गिरने के बाद विपक्ष ने कहा- हमने हरा दिया

राहुल गांधी ने कहा- हमने संविधान पर हुए हमले को हरा दिया है। हमने साफ तौर पर कहा है कि यह महिला आरक्षण बिल नहीं है, बल्कि यह भारत की राजनीतिक संरचना को बदलने का एक तरीका है।

प्रियंका ने कहा- यह हमारे लोकतंत्र और हमारे देश की एकता के लिए एक बड़ी जीत है। जैसा कि मैंने अंदर कहा, यह संविधान पर हमला था, और हमने इसे विफल कर दिया है, जो कि एक अच्छी बात है।

शशि थरूर ने कहा- हमने हमेशा कहा है कि हम महिला आरक्षण का पूर्ण समर्थन करते हैं और आज भी इसके पक्ष में मतदान करने को तैयार हैं। हालांकि, इसे परिसीमन से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

एमके स्टालिन ने कहा- 23 अप्रैल को हम दिल्ली का अहंकार और उस अहंकार का समर्थन करने वाले गुलामों को हराएंगे।

विपक्ष की लक्ष्मण रेखा को पार नहीं कर सके- अखिलेश यादव

सपा चीफ अखिलेश यादव ने कहा कि जो हमारा पक्ष तो उसको हमने बिल्कुल साफ रखा है। लगता तो है कि गाड़ी थमी रह गई, लगता है कोशिश में कोई कमी रह गई होगी। हम महिला आरक्षण के पक्ष में हैं। महिलाओं को आरक्षण मिले, उनको सुरक्षा मिले, उनका सम्मान बढ़े, उनको स्थान मिले और लोकतंत्र में उनको जो स्थान मिलना चाहिए उसके हम पक्ष में हैं। संसद परिसर में मीडिया से बातचीत में अखिलेश यादव ने आगे कहा कि समाजवादी पार्टी या विपक्ष में किसी ने भी महिला आरक्षण का विरोध नहीं किया, लेकिन उसके साथ जो महिलाओं के हक-अधिकार का जो हरण करना चाहते थे, वो लक्ष्मण रेखा विपक्ष ने ऐसी खींची कि वो उस रेखा के बाहर नहीं आ पाए। वहीं अपने एक्स पोस्ट में उन्होंने कहा, "इनकी फरेबी गाड़ी फिर से थमी ही रह गई। अब कहेंगे हमारी कोशिशों में कमी रह गई।

धमकियां देना बंद करें प्रधानमंत्री: संजय राऊत

शिवसेना (यूबीटी) के कद्दावर नेता और सांसद संजय राऊत साफ शब्दों में कहा कि भाजपा महिलाओं का दिल नहीं जीत रही, बल्कि सरकारी खजाने का इस्तेमाल कर उनके वोट खरीद रही है। प्रधानमंत्री को विपक्ष को डराना बंद कर देना चाहिए। ये धमकियां मत दीजिए कि अगर समर्थन नहीं किया तो नुकसान होगा। लोकतंत्र में जनता मालिक होती है और धमकियां काम नहीं आतीं। राऊत का यह बयान पीएम मोदी के उस भाषण के जवाब में आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि महिला आरक्षण का विरोध करने वालों को देश की नारी शक्ति कभी माफ नहीं करेगी।

केंद्र सरकार की सत्ता पर हमेशा काबिज रहने की कोशिश: राज ठाकरे

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार महिला आरक्षण विधेयक की आड़ में परिसीमन जैसे उपायों के माध्यम से सत्ता पर स्थायी रूप से काबिज रहने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत और पश्चिम बंगाल, पंजाब, ओडिशा, पूर्वोत्तर राज्यों, महाराष्ट्र और गोवा जैसे अन्य राज्यों, जिनकी अपनी विशिष्ट संस्कृति, भाषा और लिपियां हैं, का हिंदीकरण करने का प्रयास इसी प्रक्रिया के साथ होगा। ठाकरे ने दावा किया कि केंद्र सरकार लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन और महिला आरक्षण विधेयक जैसे उपायों के माध्यम से सत्ता पर अपनी चिरस्थायी पकड़ सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है।

संसद परिसर में बीजेपी की महिला सांसदों का प्रोटेस्ट

महिला आरक्षण से जुड़े तीन बिल मतदान के दौरान गिर गए। इस बिल के लोकसभा में गिर जाने के बाद अब भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की महिला सांसदों ने विपक्ष के खिलाफ प्रोटेस्ट किया। संसद के मकर द्वार से यह प्रोटेस्ट शुरू हुआ। अब बीजेपी और एनडीए में शामिल दलों के कार्यकर्ता 18 अप्रैल से इंडिया ब्लॉक से जुड़ी पार्टियों के नेताओं के घर के बाहर प्रोटेस्ट करेंगे।

समृद्धि महामार्ग पर भीषण हादसा

हादसा या साजिश?

■ अशोक खरात के करीबी जितेंद्र शेलके की मौत, शिवसेना ने उठाए सवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ नाशिक

महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर जेल में बंद स्वयंभू बाबा अशोक खरात के एक करीबी सहयोगी और उसकी पत्नी की कार एक खड़े कंटेनर ट्रक से टकरा गई, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान जितेंद्र शेल्के (55) और उसकी पत्नी अनुराधा (50) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि शेल्के, खरात का करीबी सहयोगी था। उन्होंने बताया कि शेल्के खरात का व्यापारिक साझेदार होने के साथ-साथ स्वयंभू बाबा द्वारा स्थापित शिवनिका ट्रस्ट का उपाध्यक्ष भी था। खरात को बलात्कार और धोखाधड़ी समेत अन्य आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना दोपहर लगभग 12 बजे पश्चिमी महाराष्ट्र के कोपरगांव पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र में आने वाले धोत्रे गांव के निकट हुई, जो मुंबई से लगभग 250 किलोमीटर दूर है।

कार से ठाणे आ रहे थे

शेल्के, उसकी पत्नी और बेटा छत्रपति संभाजीनगर से मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेसवे होते हुए कार से ठाणे आ रहे थे। उन्होंने बताया कि जैसे ही कार धोत्रे के निकट पहुंची, उसने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे खड़े एक कंटेनर ट्रक से टकरा गई। दुर्घटना में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गये और उन्हें तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां शेल्के और उनकी पत्नी को मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि दंपति के बेटे का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि कोपरगांव पुलिस थाने में आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया गया है। अहिल्यानगर के पुलिस अधीक्षक सोमनाथ घरगे ने बताया कि आरटीओ और वाहन विशेषज्ञों जैसे अधिकारियों की मदद से पुलिस दुर्घटना का विश्लेषण करके इसके कारणों का पता लगाएगी।

शिवसेना ने जताया मौत पर संदेह

इस बीच, हादसे के बाद राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) की नेता सुषमा अंधारे ने इस मौत पर संदेह जताया है। उन्होंने कहा कि जितेंद्र शेलके की मौत की खबर चौंकाने वाली है। कई लोगों ने यह अंदेशा जताया था कि खरात या उनके करीबियों की जान को खतरा है। अनगिनत लोगों ने अपनी बात रखी थी। अब इस घटना का होना कहीं न कहीं उन सभी बातों को सच साबित कर रहा है। इस बहाने खरात की जान की सुरक्षा का सवाल खड़ा हो गया है।

ताड़देव में 16 मंजिला इमारत में लगी भीषण आग

नवी मुंबई में धू-धू कर जला थिएटर

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

दक्षिण-मध्य मुंबई के ताड़देव इलाके में शुक्रवार को एक रिहायशी इमारत में आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, 16 मंजिला साई लीला कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी की तीसरी मंजिल पर शुक्रवार दोपहर आग भड़क उठी। नगर निकाय अधिकारियों के अनुसार, यह घटना दोपहर 12 बजकर 44 मिनट पर एमपी मिल कंपाउंड स्थित साई लीला इमारत में हुई। शुरुआती जानकारी मिलते ही मुंबई अग्निशमन दल तुरंत हरकत में आया। हालांकि तब तक इमारत के रहवासी सुरक्षित बाहर निकल आए थे। घटना के बाद इमारत और आसपास के इलाके में दहशत फैल गई।

नवी मुंबई में जला थिएटर

नवी मुंबई के ऐरोली इलाके में शुक्रवार एक नवनिर्मित थिएटर में आग लग गई। आग लगने के बाद कुछ कर्मचारी थिएटर की छत पर चले गए और वहीं फंस आगे। उन्हें बाद में दमकल कर्मियों की मदद से रेस्क्यू किया गया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। नवी मुंबई नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ (आरडीएमसी) के प्रमुख सचिन कदम ने बताया कि ऐरोली सेक्टर 4 स्थित थिएटर में आग लगने की सूचना दोपहर 12:50 बजे मिली। दमकल विभाग की गाड़ियां, पुलिस और नगर निगम कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। एक घंटे के भीतर ही आग पर काबू पा लिया गया। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

महाराष्ट्र एमएलसी चुनाव में एमवीए की परीक्षा

क्या उद्धव ठाकरे बनेंगे सर्वसम्मति उम्मीदवार या होगा सीधा मुकाबला?

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र में विधान परिषद यानी एमएलसी की 9 खाली सीटों के लिए 13 मई को चुनाव होने हैं, लेकिन इससे पहले ही सियासी खेल शुरू हो गया है। सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति के लिए 8 सीटें जीतना लगभग तय माना जा रहा है। बची हुई एक सीट के लिए विपक्षी गठबंधन एमवीए यानी महा विकास आघाडी में जबरदस्त उठापटक है। एमवीए के अंदर यह तय नहीं हो पा रहा कि उम्मीदवार कौन होगा। कांग्रेस ने साफ कह दिया है कि अगर उद्धव ठाकरे उम्मीदवार नहीं बने तो वो अपना रुख बदल सकती है।

एमएलसी चुनाव क्या होता है?

महाराष्ट्र विधान परिषद, राज्य की ऊपरी सदन है। जैसे देश में लोकसभा और राज्यसभा होती है, उसी तरह राज्यों में विधानसभा और विधान परिषद होती है। इस बार विधान परिषद की 9 सीटें खाली हुई हैं और इन्हें भरने के लिए 13 मई को चुनाव होंगे। इन सीटों के लिए वोट आम जनता नहीं डालती, बल्कि विधानसभा के चुने हुए विधायक वोट डालते हैं। अब महाराष्ट्र विधानसभा में महायुति यानी बीजेपी, शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी का बहुमत है। इसलिए गणित साफ है कि 9 में से 8 सीटें महायुति के पास जाएंगी और एमवीए के लिए सिर्फ एक सीट बचती है।

एमवीए में एक सीट के लिए क्यों मच रहा है बवाल?

जब सिर्फ एक सीट मिलनी है तो एमवीए के तीनों दलों यानी कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी और शरद पवार की एनसीपी में से किसी एक को यह सीट देनी होगी. और यहीं से उलझन शुरू होती है। कांग्रेस ने एक बड़ी शर्त रख दी है। कांग्रेस नेता हर्षवर्धन सपकाल ने साफ कहा कि वो एमवीए के उम्मीदवार को तभी समर्थन देंगे जब उम्मीदवार उद्धव ठाकरे हों। अगर उद्धव ठाकरे नहीं आए तो कांग्रेस अपना फैसला बदल सकती है यानी कांग्रेस ने एमवीए की एकजुटता को उद्धव ठाकरे के नाम से जोड़ दिया है। यह एक बड़ा दबाव है।

उद्धव ठाकरे नहीं आए तो कौन होंगे उम्मीदवार?

अगर उद्धव ठाकरे खुद चुनाव लड़ने से मना कर दें तो शिवसेना यूबीटी की तरफ से अंबादास दानवे, सुषमा अंधारे, विनायक राउत, राजन विचारे, वैभव नाईक या सूरज चव्हाण में से कोई एक नाम सामने आ सकता है। कांग्रेस की तरफ से बालासाहेब थोरात, हर्षवर्धन सपकाल, सचिन सावंत, राजेश राठोड और मुजफ्फर हुसैन के नाम चर्चा में हैं। लेकिन दिक्कत यह है कि जब तक उद्धव ठाकरे का फैसला नहीं आता, बाकी सब कुछ अधर में है।

महायुति की 8 सीटें कैसे बंटेंगी?

महायुति में यह बंटवारा पहले से काफी हद तक तय माना जा रहा है। बीजेपी को 8 में से 6 सीटें मिलेंगी। शिंदे की शिवसेना को 1 सीट और अजित पवार की एनसीपी को 1 सीट मिलेगी। बीजेपी की तरफ से केशव उपाध्ये, माधवी नाईक, रणजीत सिंह निंबालकर, राम सतपुते, संदीप जोशी, दादाराव केचे और संजय केनेकर के नाम चर्चा में हैं। शिंदे की शिवसेना से नीलम गोरहे का नाम लगभग तय माना जा रहा है। इनके साथ मनीषा कायंदे, शाइना एनसी और शीतल म्हात्रे भी दावेदार हैं। अजित पवार की एनसीपी से अमोल मिटकरी, आनंद परांजपे, समीर भुजबल, सूरज चव्हाण, उमेश पाटील और अनिकेत तटकरे के नाम सामने हैं।

क्या चुनाव बिना लड़ाई के भी हो सकता है?

अगर एमवीए और महायुति दोनों मिलकर 9 उम्मीदवार तय कर लें और कोई अतिरिक्त उम्मीदवार न हो तो चुनाव बिना वोटिंग के यानी निर्विरोध हो सकता है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक बीजेपी एक बड़ा दांव खेल सकती है। खबर है कि बीजेपी अजित पवार के गुट के जरिए नौवां उम्मीदवार उतार सकती है। इसका मकसद होगा शरद पवार के गुट के विधायकों का वोट तोड़ना यानी महायुति अपनी 8 सीटें पक्की रखते हुए एमवीए की एकमात्र सीट भी छीनने की कोशिश कर सकती है। अगर ऐसा हुआ तो एमवीए के हाथ एक भी सीट नहीं आएगी। यह पूरा मामला 13 मई से पहले और दिलचस्प होता जाएगा। अभी सबकी नजर उद्धव ठाकरे के फैसले पर है कि वो चुनाव लड़ेंगे या नहीं। उनके एक फैसले से एमवीए की पूरी रणनीति तय होगी।

हिंदमाता एंकर: नाशिक टीसीएस विवाद में अब तक नौ एफआईआर दर्ज, आठ लोग गिरफ्तार, आरोपी निदा खान नौकरी से सस्पेंड, कंपनी ने दफ्तर आने पर भी लगाई पाबंदी

नाशिक टीसीएस कांड में आया नया मोड़, निदा खान के वकील का खुलासा- एफआईआर में धर्मांतरण का नाम तक नहीं

हिंदमाता नेटवर्क @ नाशिक

नाशिक स्थित आईटी के बीपीओ यूनिट में यौन उत्पीड़न और जबरन धर्मांतरण के आरोपों के बीच नया मोड़ आया है। आरोपी निदा खान के वकील और उनके परिजनों ने आरोपों को राजनीतिक बताते हुए फर्जी करार दिया है। इस मामले में अब तक कुल 9 एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं और पुलिस अब तक 8 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। फिलहाल सुरक्षा को देखते हुए कंपनी के कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम की सुविधा दे दी गई है।

वकील और परिवार का पक्ष

निदा खान के वकील बाबा सैय्यद ने स्पष्ट किया कि एफआईआर में जबरन धर्म परिवर्तन का कोई जिक्र नहीं है, बल्कि केवल धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप है। उन्होंने यह भी साफ किया कि निदा एचआर हेड नहीं, बल्कि एक प्रोसेस एसोसिएट थीं। वहीं, निदा के पिता और चाचा ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उनकी बेटी को किसी अन्य मामले को दबाने के लिए फंसाया जा रहा है।

आरोपी निदा खान नौकरी से सस्पेंड

इस मामले की मुख्य आरोपी और कंपनी की कथित पूर्व एचआर एग्जीक्यूटिव निदा खान के खिलाफ पुलिस और कंपनी प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। टीसीएस ने आधिकारिक तौर पर निदा खान को नौकरी से निलंबित कर दिया है। निदा के निलंबन लेटर में लिखा गया है कि कंपनी को आपके खिलाफ दर्ज एक रिपोर्ट के बारे में जानकारी मिली है, जिसमें बताया गया है कि आप इस समय न्यायिक या पुलिस हिरासत में हैं। रिपोर्ट किए गए मामले की गंभीरता को देखते हुए, और यह देखते हुए कि आप इस समय अपने आधिकारिक कर्तव्यों का पालन करने में असमर्थ हैं, कंपनी ने आपको तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का निर्णय लिया है; यह निलंबन इस मामले पर आगे की सूचना और अंतिम निर्णय आने तक जारी रहेगा।

बजरंग दल का विरोध प्रदर्शन

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने नाशिक में टाटा कंसलटेंसी (टीटीएस) के एक कार्यालय में कथित धर्मांतरण और यौन उत्पीड़न के मामले पर शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया और इसमें शामिल लोगों को कड़ी सजा देने की मांग की। हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर इकट्ठा हुए और घटना की निंदा करते हुए नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कंपनी में कथित जबरन धर्मांतरण और उत्पीड़न रैकेट में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

टीसीएस में यौन उत्पीड़न की शिकायतों में 5 गुना उछाल

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2020-21 से 2024-25 के बीच यौन उत्पीड़न की शिकायतों में पांच गुना की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2025 तक यह आंकड़ा बढ़कर 125 मामलों तक पहुंच गया है। टीसीएस सूत्रों का कहना है कि यह वृद्धि वास्तव में आंतरिक रिपोर्टिंग सिस्टम में हुए सुधार और 'पॉश' ढांचे के प्रति महिला कर्मचारियों के बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। शिकायतों का अनुपात 2023-24 के 0.05% से बढ़कर 2024-25 में 0.06% हो गया है।

गर्भवती है आरोपी निदा

निदा भिवंडी में अपने ससुराल में हैं और वह गर्भवती हैं। पिता ने दावा किया कि निदा ने कभी किसी के धर्म के बारे में गलत नहीं कहा और वह सभी धर्मों का सम्मान करती हैं। पुलिस ने निदा के पति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, जो निदा के उनके साथ रह रहे थे। दूसरी ओर, पुलिस का कहना है कि यह मामला केवल धार्मिक नहीं बल्कि कार्यस्थल पर उत्पीड़न का भी है।

केडीएमसी अधिकारी पर कोर्ट सख्त

पुनर्वास मामले में आयुक्त सहित 7 पर जमानती वारंट

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण-डोंबिवली

कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) के अधिकारियों की लापरवाही पर कल्याण न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाया है। पुनर्वसन मामले में बार-बार कोर्ट में अनुपस्थित रहने पर मनपा आयुक्त सहित 7 अधिकारियों के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया गया है। सभी को 17 अप्रैल को अदालत में अनिवार्य रूप से पेश होने के आदेश दिए गए हैं। मामला डोंबिवली के राजाजीपथ क्षेत्र का है, जहां सड़क चौड़ीकरण के दौरान एक नागरिक का घर प्रभावित हुआ था। आरोप है कि प्रभावित परिवार को अब तक न तो पुनर्वसन दिया गया और न ही कोई आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई।

लगातार शिकायतों के बाद भी केडीएमसी अधिकारी पर कोई कार्रवाई नहीं

लगातार शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई न होने पर पीड़ित इंद्रमणि उपाध्याय ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। सुनवाई के दौरान संबंधित अधिकारी लगातार अनुपस्थित रहे, जिसे न्यायालय ने गंभीरता से लिया। उनका घर सड़क चौड़ीकरण में चला गया, लेकिन न तो पुनर्वास हुआ और न ही कोई सहायता दी गई। बार-बार गुहार लगाने के बाद भी सुनवाई नहीं हुई, जिसके बाद उन्हें अदालत का सहारा लेना पड़ा।

लगातार अनुपस्थित रहने से नाराज हुआ न्यायालय

इसके बाद अदालत ने केडीएमसी आयुक्त अभिनव गोयल, अतिरिक्त आयुक्त 2 योगेश गोडसे, उपायुक्त वंदना गुलवे, उपायुक्त प्रसाद बोरकर, शहर अभियंता अनिता परदेशी और मुख्य नगर रचनाकार संतोष डोईफोडे सहित कुल 7 अधिकारियों के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया, न्यायालय ने सभी अधिकारियों को 17 अप्रैल को हर हाल में उपस्थित रहने का स्पष्ट आदेश दिया है। अदालत ने संकेत दिया है कि मामले में लापरवाही को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मीरा-भायंदर में बयानबाजी पर विवाद

सरनाईक ने विधायक मेहता को लिखा खुला पत्र

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा-भायंदर

मीरा-भायंदर की राजनीति में बयानबाजी को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। हाल ही में विधायक नरेंद्र मेहता के एक बयान के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। पूर्वेश प्रताप सरनाईक ने विधायक नरेंद्र मेहता को खुला पत्र लिखकर सार्वजनिक बयानों में संयम और जिम्मेदारी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने मेहता को चुनाव जीतने पर बधाई देते हुए जनता के फैसले को सर्वोपरि बताया।

'ड्राइवर' वाले बयान पर आपत्ति

विवाद उस समय बढ़ा जब मेहता ने एक बयान में कहा था कि यदि उनके पास उतनी जमीन होती, तो प्रताप सरनाईक उनके ड्राइवर होते। इस बयान को पूर्वेश सरनाईक ने राजनीतिक शिष्टाचार के खिलाफ बताते हुए इसकी आलोचना की है।

मीरा-भायंदर की जमीन को लेकर बयानबाजी

दरअसल, मंत्री प्रताप सरनाईक ने हाल ही में कहा था कि मीरा-भायंदर की लगभग 30 प्रतिशत जमीन मेहता की है और उन्हें काशीगांव मेट्रो स्टेशन के पास कुछ जमीन दान करनी चाहिए। इसी पर प्रतिक्रिया देते हुए मेहता ने यह विवादित टिप्पणी की थी।

राजनीतिक स्तर पर बढ़ा तनाव

इस बयान के बाद दोनों पक्षों के बीच सियासी तनाव बढ़ गया है। पूर्वेश सरनाईक ने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधियों को व्यक्तिगत टिप्पणी से बचते हुए विकास और जनसमस्याओं पर ध्यान देना चाहिए।

राजनीतिक शिष्टाचार पर उठे सवाल

इस पूरे घटनाक्रम ने स्थानीय राजनीति में संवाद के स्तर और शिष्टाचार को लेकर बहस छेड़ दी है। जानकारों का मानना है कि इस तरह की बयानबाजी से जनता के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं और राजनीतिक माहौल अनावश्यक रूप से तनावपूर्ण हो जाता है।

विकास कार्यों की समीक्षा समयसीमा तय

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

मनपा आयुक्त और अतिरिक्त आयुक्त ने शहर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का स्थल निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान संबंधित विभागों के इंजीनियर और अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण को मानसून से पहले परियोजनाओं को पूरा करने के लिहाज से अहम माना जा रहा है। निरीक्षण के दौरान उल्हासनगर-1 के रीजेंसी एंटिलिया कॉम्प्लेक्स में आयुक्त आवास, शाहद में पीएमई बस योजना के तहत बस डिपो, रेलवे स्टेशन के सामने स्काईवॉक के पास बस डिपो, उल्हासनगर-3 में चोपड़ा कोर्ट के पास पुल निर्माण, चंदीबाई कॉलेज परिसर में कार्य, उल्हासनगर-5 में टाउन हॉल और प्रभात क्षेत्र में सब्जी मंडी जैसी परियोजनाओं का जायजा लिया गया। आयुक्त ने लोक निर्माण विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि सभी परियोजनाएं तय समयसीमा में, खासकर मानसून से पहले पूरी की जाएं। कार्यकारी और उप अभियंताओं को समन्वय बनाकर काम करने तथा कनिष्ठ अभियंताओं को नियमित निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि निरीक्षण के बाद रुकी हुई परियोजनाओं को गति मिलने की उम्मीद है। इस दौरान नगर अभियंता और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

वसई-विरार में ड्रग्स माफिया पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

• तीन आरोपी गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ वसई-विरार

वसई-विरार शहर में नशे के काले कारोबार के खिलाफ पुलिस ने 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाते हुए बड़ी स्ट्राइक की है। क्राइम ब्रांच यूनिट 2 और एंटी नारकोटिक्स सेल की टीमों ने दो अलग-अलग ऑपरेशंस में ड्रग्स तस्करों के नेटवर्क को ध्वस्त करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से इलाके के ड्रग्स माफियाओं में हड़कंप मच गया है। क्राइम ब्रांच यूनिट-2 को गुप्त सूचना मिली थी कि राजस्थान से नशे की एक बड़ी खेप वसई लाई गई है। सूचना के आधार पर पुलिस निरीक्षक अविराज कुराडे के मार्गदर्शन में एपीआई सोपान पाटील और उनकी टीम ने जाल बिछाकर दो संदिग्धों को धर दबोचा। पकड़े गए आरोपियों की पहचान भवर पटेल (25) और राकेश पटेल (26) के रूप में हुई है। ये दोनों मूल रूप से राजस्थान के जोधपुर के निवासी हैं और फिलहाल वसई-विरार के भोईपाड़ा इलाके में छिपे हुए थे। 505 ग्राम एमडी ड्रग्स एक स्कूटी कुल कीमत स्थानीय बाजार में लगभग 15.95 लाख रुपए जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करोड़ों में आंकी जा रही है।

वसई-विरार में और भी ऑपरेशन चलाए जाएंगे

एंटी नारकोटिक्स सेल ने नवजीवन इलाके में छापेमारी कर नशे के सौदागरों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। पुलिस निरीक्षक ऋषिकेश पवडे के नेतृत्व में टीम ने देशराज यादव (50) नामक शख्स को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ है।

बरामदगी 15 किलो गांजा कीमत

लगभग 7.60 लाख रुपए पेल्हार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर पुलिस आगे की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है। पुलिस अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि वसई-विरार की युवा पीढ़ी को नशे की गर्त में धकेलने वाले गिरोहों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हमारी टीमें लगातार इनपुट पर काम कर रही है। आने वाले दिनों में और सख्त ऑपरेशन चलाए जाएंगे।

तलाक के विवाद में हैवानियत!

कमरे में ले जाकर पति ने पत्नी पर पेट्रोल डालकर लगाई आग

हिंदमाता नेटवर्क @ सोलापूर

सोलापूर शहर से एक दिल दहला देने वाली वारदात पेश आई है, जहां एक पति ने अपनी पत्नी पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। यह घटना सोलापूर शहर के लोकमान्य नगर इलाके में घटी है, जिसमें महिला गंभीर रूप से झुलस गई है और अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। आरोपी की पहचान फैजान जावेद शेख के रूप में हुई है, जबकि पीड़िता की पहचान नर्गिस फैजान शेख के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, नर्गिस और फैजान दोनों की शादी साल 2024 में हुई थी, लेकिन शादी के सिर्फ 2-3 महीने बाद ही दोनों के रिश्ते में तनाव शुरू हो गया। धीरे धीरे ये तनाव विवाद में बदल गया और विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों अलग-अलग रहने लगे थे। तलाक को लेकर पिछले कुछ दिनों से दोनों के बीच लगातार झगड़े हो रहे थे।

बात करने के बहाने कमरे में ले जाकर वारदात

मिली जानकारी के अनुसार, 15 तारीख यानी बुधवार रात करीब 10 बजे के आसपास आरोपी फैजान नर्गिस के घर पहुंचा। उसने पत्नी और सास को भरोसे में लेकर कहा कि मुझे नर्गिस से बात करनी है और उसे एक कमरे में ले गया। इसके बाद उसने अपने साथ लाए पेट्रोल को नर्गिस के शरीर पर डाल दिया और लाइटर से आग लगा दी। आग लगते ही जलती हुई अवस्था में ही नर्गिस चीखती हुई बाहर भागी। शोर सुनकर और घर में आग लगी देखकर पपड़ोसी और परिवार वाले मौके पर पहुंचे और किसी तरह आग बुझाकर नर्गिस को बचाने की कोशिश की।

शादी के कुछ महीनों बाद ही बढ़ने लगे थे विवाद

बताया जा रहा है कि शादी के शुरूआती 2-3 महीने दोनों की जिंदगी काफी खुशहाल थी, लेकिन उसके बाद दोनों की बीच तनाव बढ़ने लगा। तलाक को लेकर दोनों के बीच अक्सर लड़ाई होता रहता था। घटना वाले रात भी दोनों के बीच इस बात को लेकर कहासुनी हुई, जिसके बाद आरोपी ने गुस्से में आकर इस खौफनाक वारदात को अंजाम दे दिया। इस घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

परिवार वालों ने गंभीर रूप से झुलसी नर्गिस को तुरंत सोलापुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पीड़िता की हालत काफी नाजुक बताई जा रही है। इस मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस टीम फरार आरोपी की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही हैं।

भिवंडी में आधुनिक सफाई व्यवस्था को बढ़ावा

7 नई रोड स्वीपिंग मशीनों का उद्घाटन

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

शहर की स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। घनकचरा प्रबंधन विभाग के तहत कुल 7 अत्याधुनिक आरसीसी सड़क सफाई मशीनें नगर निगम को प्राप्त हो रही हैं, जिनका आज विधिवत उद्घाटन किया गया। इनमें से 3 मशीनें केंद्र सरकार की स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत तथा 4 मशीनें जिला नियोजन एवं विकास समिति निधि से उपलब्ध कराई गई हैं। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, इन मशीनों के माध्यम से शहर की आरसीसी सड़कों की सफाई अब पूरी तरह यांत्रिक पद्धति से की जाएगी। इससे कम समय में अधिक क्षेत्र की सफाई संभव होगी और सड़कों पर जमी धूल व मिट्टी को प्रभावी ढंग से हटाया जा सकेगा। इसके परिणामस्वरूप शहर में वायु प्रदूषण में कमी आएगी और वायु गुणवत्ता में सुधार होगा। नगर निगम ने इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से अपील की है कि वे शहर की स्वच्छता में सक्रिय भागीदारी निभाएं। विशेष रूप से कचरे को गीले और सूखे रूप में अलग-अलग करके ही घंटागाड़ी में डालें, सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फैलाएं और भिवंडी को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में नगर निगम का सहयोग करें।

173 साल की हुई भारतीय रेल

रेलमंत्री ने शेयर की पहले रेल ब्रिज की तस्वीर

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

गुरुवार को भारतीय रेल 173 साल की हो गई। भारतीय रेलवे के इतिहास में 16 अप्रैल का दिन बेहद खास होता है, क्योंकि 1853 में 16 अप्रैल को ही देश में पहली पैसेंजर ट्रेन मुंबई के बोरीबंदर से ठाणे के बीच चली थी। भाप के इंजिन वाली वह 33 किमी की यात्रा आज देश के कोने कोने को जोड़ते हुए सेमी हाई स्पीड ट्रेन तक पहुंच गई है। आज भारतीय रेलवे का नेटवर्क दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। आज शताब्दी, राजधानी से लेकर वंदे भारत और नमो भारत जैसी ट्रेन भारत के विकसित रेल नेटवर्क का हिस्सा हैं। रोजाना तकरीबन 2.5 करोड़ लोग ट्रेन में सफर करते हैं।

'सफर जारी है' रेल मंत्री का विशेष ट्वीट

भारतीय रेल के 173 वर्ष पूरे होने पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेल के इतिहास एवं वर्तमान को दर्शाते हुए ठाणे के पहले ट्रेन ब्रिज की असली तस्वीर शेयर की है। भारतीय रेलवे की विरासत में रुचि रखने वालों व इतिहासकारों के दिलों को छू लेने वालों में इस दृश्य की चर्चा हो रही है। भारतीय रेलवे की असली विरासत को बचाने में लगे लोगों ने इसका स्वागत किया है। भारतीय रेल इतिहास में ठाणे ब्रिज का खास स्थान है। रेलवे मामलों के विशेषज्ञ और इतिहासकार राजेंद्र बी. अकलेकर ने कहा कि रिकॉर्ड के मुताबिक, पुल पर ट्रेन की जो पहले तस्वीर चल रही थी, वह असली पुल नहीं थी। मंत्री के असली तस्वीर के इस्तेमाल ने सालों की गलत कहानी को सही किया है। आखिरकार रिकॉर्ड को सही किया है। यह भारतीय रेलवे के 173 साल पुराने इतिहास को डॉक्यूमेंटेड करने में बहुत मदद करेगा।

ठाणे में यात्रियों ने काटा केक

भारतीय रेल की 173 वीं सालगिरह ठाणे स्टेशन पर मनाई गई। रेल प्रवासी संघ के अध्यक्ष नंदकुमार देशमुख की अगुवाई में यात्रियों ने रेल अधिकारियों के साथ मिल कर केक काटा। इस अवसर पर यात्री संगठन के सलाहकार एड दयाशंकर मिश्र,विकास मिश्र, शेषमणि मिश्र के साथ बड़ी संख्या में यात्रियों ने इकट्ठे होकर जश्न मनाया। ठाणे स्टेशन पर यात्रियों के साथ जश्न मनाने विद्यायक संजय केलकर एवं अन्य पदाधिकारी भी पहुंचे। उल्लेखनीय है कि ठाणे स्टेशन की ऐतिहासिकता के जतन के लिए पुराना रेल इंजन भी यहां रखा गया है।

संस्कृति संवर्धन प्रतिष्ठान की रामकथा बोध प्रतियोगिता

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

'हर घर रामायण - जन जन रामायण' की संकल्पना के अंतर्गत इस्कॉन, चिन्मय मिशन तथा श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के सहयोग से संस्कृति संवर्धन प्रतिष्ठान' द्वारा देशव्यापी ऑनलाइन रामकथा बोध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। प्रतिष्ठान द्वारा चार भाषाओं में होनेवाली यह प्रतियोगिता पूर्णरूप से निःशुल्क है, जिसमें लगभग 10 लाख लोगों को जोड़ने का ध्येय रखा गया है। इसमें भाग लेने के लिए प्रतिष्ठान की संयोजिका नम्रता पुंडे ने आव्हान किया है। प्रतिष्ठान की संयोजिका नम्रता पुंडे द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर का निर्माण हो चुका है, लेकिन देश में रामराज्य की स्थापना के लिए प्रत्येक भारतीय के मन में राम का जागरण आवश्यक है। इसी उद्देश्य से प्रथम चरण में 10 लाख लोगों को रामकथा से जोड़ा जाएगा। प्रतियोगिता मराठी, हिंदी, अंग्रेजी एवं गुजराती भाषाओं में उपलब्ध होने के साथ ही इसमें कोई आयु सीमा नहीं है। यह परीक्षा आगामी 19 अप्रैल से 3 मई 2026 के बीच किसी भी सुविधाजनक दिन दी जा सकती है। परीक्षा की अवधि केवल 20 मिनट होगी, जिसमें 30 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रतियोगिता में उत्तीर्ण होने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को आकर्षक प्रमाणपत्र दिया जाएगा। साथ ही प्रत्येक शहर के श्रेष्ठ 100 प्रतिभागियों को श्री राम लला की छोटी मूर्ति तथा अयोध्या के श्रीराम मंदिर का प्रसाद भेंट स्वरूप प्रदान किया जाएगा। प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रश्नोत्तर स्वरूप में अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई गई है। अधिक जानकारी एवं पंजीकरण हेतु www.sanskrutisamvardhan.org वेबसाइट और किसी भी समस्या के 9004593846, 9422696127, 9820344490, 9820228511 या 9004337757 पर संपर्क किया जा सकता है।

रंजीत सुखदेव सिंह की भारतीय मोर्चा के अध्यक्ष पद पर वापसी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

भाजपा के तेज तर्रार और युवा नेता जो पिछले २२ वर्षों से भाजपा पार्टी की सेवा करते आ रहे है ऐसे रंजीत सुखदेव सिंह को पार्टी ने एक बार फिर से भाजपा दक्षिण मुंबई उत्तर भारतीय मोर्चा के अध्यक्ष पद पर वापसी की है। इस पद को दुबारा पाने के बाद सिंह ने महाराष्ट्र कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा का आभार व्यक्त किया है। साथ ही मुंबई भाजपा महामंत्री आचार्य पवन त्रिपाठी और भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के मुंबई अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा और दक्षिण मुंबई जिला अध्यक्षा श्रीमती शलाका सालवी जी का भी मन से आभार व्यक्त किया।

अर्नाला वॉटर पार्क हादसे में एक किशोर की मौत

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

विरार के अर्नाला क्षेत्र में वॉटर पार्क में घायल हुए 15 वर्षीय किशोर की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान आर्यन कानोकिया के रूप में हुई है, जो मुंबई के गोरेगांव स्थित आरे कॉलोनी का निवासी था। वह 20 मार्च को परिवार के साथ अर्नाला समुद्र तट के पास एक रिसॉर्ट में छुट्टियां मनाने आया था। जानकारी के अनुसार, दोपहर के समय आर्यन वॉटर पार्क में स्लाइड से उतरते वक्त संतुलन खो बैठा और जोर से गिर गया। हादसे में उसकी रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट आई। परिजन उसे तत्काल मुंबई के केईएम अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां कई दिनों तक इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। इस मामले में पहले भोईवाड़ा पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया था, जिसे बाद में अर्नाला सागरी पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है और जिम्मेदार पाए जाने वालों पर कार्रवाई की बात कही है। इधर, दर्ज रिपोर्ट में संबंधित रिसॉर्ट का नाम शामिल न होने से पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच जारी है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अग्निशमन दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

अग्निशमन सेवा दिवस के अवसर पर भिवंडी में शहीद अग्निशमन जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और जनजागरूकता अभियान चलाया गया। यह दिवस 1944 के बॉम्बे डॉक विस्फोट में शहीद हुए जवानों की स्मृति में हर वर्ष 14 अप्रैल को मनाया जाता है। भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका के अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग ने शहर के विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए। 15 अप्रैल को नारपोली स्थित जैनम ग्रीन सोसायटी और 16 अप्रैल को शांतीनगर के टोरेंटो पावर हाउस परिसर में नागरिकों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने आग लगने की स्थिति में बचाव के उपाय बताए और अग्निशमन उपकरणों का प्रात्यक्षिक भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रमुख अग्निशमन अधिकारी नितीन चव्हाण सहित विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि आगे भी शहर में ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि नागरिक आपात स्थिति में सतर्क रहकर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें।

शॉर्ट स्टोरी

विधायक वरुण सरदेसाई ने काटा रिबन

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

केडीएमसी में उद्धव सेना के नेता व विधायक वरुण सरदेसाई ने नगरसेवकों की निष्ठा को लेकर तीखा बयान दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव से लेकर सत्ता स्थापना तक उनके नगरसेवक एकनिष्ठ रहे, जिस पर 'नेटफ्लिक्स का शो बन सकता है।' यह बात उन्होंने कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में गटनेता उमेश बोरगावकर के कार्यालय के उद्घाटन के दौरान कही, जहां उन्होंने फीता काटकर शुभारंभ किया। सरदेसाई ने केडीएमसी चुनाव को 'धनशक्ति बनाम जनशक्ति' की लड़ाई बताते हुए आरोप लगाया कि चुनाव में पैसों और प्रलोभनों का इस्तेमाल हुआ। उन्होंने कहा कि ऐसे माहौल में भी उनके 10 नगरसेवकों ने पार्टी के प्रति निष्ठा बनाए रखी, जो उल्लेखनीय है। विधान परिषद चुनाव के संदर्भ में उन्होंने कहा कि शिवसैनिक चाहते हैं कि उद्धव ठाकरे ही नेतृत्व करें और उम्मीदवार का अंतिम निर्णय भी उन्हीं का होगा। महाविकास आघाड़ी के सहयोगी दलों से चर्चा के बाद ही उम्मीदवार घोषित किया जाएगा। मधुर म्हात्रे के शिंदे गुट में जाने पर सरदेसाई ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्होंने मतदाताओं और पार्टी दोनों के साथ 'दगा' किया है। कार्यक्रम में विभिन्न दलों के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

मनपा के बाहर भूख हड़ताल, भ्रष्टाचार के आरोप

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

हिंदू जोड़ो यात्रा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जायसवाल ने शुक्रवार से उल्हासनगर मनपा मुख्यालय के सामने आमरण भूख हड़ताल शुरू कर दी है। उन्होंने सहायक आयुक्त अजय साबले पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। जायसवाल का कहना है कि शांतिनगर के पारस औद्योगिक परिसर में चल रही एक अवैध एक्रिलिक फोटो फ्रेम फैक्ट्री के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई, जबकि उसके पास जरूरी लाइसेंस और अनुमतियां नहीं हैं। जायसवाल ने आरोप लगाया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के बावजूद संबंधित फाइल को दबाया गया और यह सब वित्तीय स्वार्थ के चलते हुआ। उन्होंने यह भी दावा किया कि कुछ फेरीवालों से रिश्वत लेने की शिकायतें भी सामने आई हैं। जायसवाल ने स्पष्ट किया कि जब तक संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका अनशन जारी रहेगा। वहीं सहायक आयुक्त अजय साबले ने सभी आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि फरवरी में ही संबंधित व्यवसायी को नोटिस जारी किया गया था और जांच में पाया गया कि कारखाना 20-25 वर्षों से संचालित है। आवश्यक दस्तावेज भी प्रशासन को उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने जायसवाल से अनशन समाप्त कर सहयोग करने की अपील की है।

सिंध राज्य अभियान से युवाओं को जोड़ने की पहल

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

सिंधी कम्युनिटी ऑफ इंडिया ट्रस्ट द्वारा 17 से 19 अप्रैल तक आयोजित 'चट जो सिंधी मेला' के माध्यम से 'सिंध राज्य' अभियान को गति दी जा रही है। इस अभियान के तहत सिंधी समुदाय की स्वतंत्र पहचान और अधिकारों की मांग को लेकर विशेष फॉर्म भरवाने की प्रक्रिया चलाई जा रही है। आयोजकों के अनुसार, विभाजन के बाद विस्थापित होने के बावजूद सिंधी समाज ने अपनी भाषा और संस्कृति को सहेजकर रखा है। अब इस विरासत को मजबूत करने और नई पीढ़ी को जागरूक करने के उद्देश्य से यह अभियान शुरू किया गया है, जिसमें युवाओं की भागीदारी पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी कड़ी में शिवसेना नगरसेवक व महाराष्ट्र राज्य सिंधी साहित्य अकादमी के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष महेश सुखरामानी के कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। इसमें ट्रस्ट के न्यासी किशोर ग्रिंगलानी (अहमदाबाद) विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। महेश सुखरामानी ने अभियान को अपना पूर्ण समर्थन देते हुए कहा कि सिंधी समाज को अपने अधिकारों के लिए एकजुट होना होगा। उन्होंने समाज के लोगों से बड़ी संख्या में अभियान से जुड़ने और इसे सफल बनाने की अपील की।

वाढवण बंदर पर मछुआरों के हितों की मांग

हिंदमाता संवाददाता @ पालघर

प्रस्तावित वाढवण बंदर परियोजना को लेकर स्थानीय मछुआरों के हितों की रक्षा का मुद्दा उठाया गया है। पालघर के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सवरा ने केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल से मुलाकात कर मछुआरों और स्थानीय नागरिकों की चिंताओं को सामने रखा। उन्होंने कहा कि परियोजना से पारंपरिक आजीविका और समुद्री पर्यावरण पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है, जिसे दूर करने के लिए संतुलित विकास जरूरी है। सांसद ने मांग की कि बंदर संचालन के प्रभाव पर वैज्ञानिक अध्ययन और तकनीकी रिपोर्ट पारदर्शिता से साझा की जाए। साथ ही मछुआरों को नावों के आधुनिकीकरण, सुरक्षित नेविगेशन और संचार सुविधाओं के लिए सब्सिडी व कम ब्याज ऋण उपलब्ध कराया जाए। आय सुरक्षा के लिए कोल्ड स्टोरेज और सोलर सुविधाओं को भी बढ़ावा देने की बात कही गई। उन्होंने स्थानीय युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम चलाकर बंदरगाह से जुड़े क्षेत्रों में रोजगार देने पर जोर दिया। शिक्षा के स्तर को सुधारने और संस्थानों में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी मांग रखी गई। इसके अलावा पर्यावरण संरक्षण, तटीय क्षेत्रों में वृक्षारोपण, कटाव रोकने के उपाय और सड़कों के विकास पर भी ध्यान देने की बात कही गई, ताकि क्षेत्र का समावेशी विकास सुनिश्चित हो सके।

भिवंडी में अतिक्रमण हटाकर सड़क खाली

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका ने प्रभाग समिति क्रमांक 2 के अंतर्गत बड़ी कार्रवाई करते हुए वर्षों पुराने अतिक्रमण को हटाकर सड़क को मुक्त कराया। यह कार्रवाई शांति नगर स्थित केजीएन चौक के पास नगर निगम स्कूल क्रमांक 81 और 83 के आसपास की गई, जहां लंबे समय से अवैध कब्जा बना हुआ था। जानकारी के अनुसार, हाथगाड़ी पर व्यवसाय करने वाले कुछ लोगों ने स्कूल की दीवार से सटाकर टिन शेड डालकर अनधिकृत मंडी बना ली थी। इससे क्षेत्र में भारी भीड़भाड़ रहती थी और विद्यार्थियों को स्कूल आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस मुद्दे को लेकर स्थानीय नागरिकों, शिक्षकों और अभिभावकों ने बार-बार शिकायतें की थीं। महानगरपालिका आयुक्त के निर्देश पर प्रभाग अधिकारी विनोद मनोरे ने 17 अप्रैल 2026 को बिना पुलिस बंदोबस्त के जेसीबी मशीन की मदद से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। कार्रवाई के बाद मार्ग पूरी तरह से यातायात के लिए खुल गया है। इससे स्थानीय नागरिकों, शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों ने राहत की सांस ली है और प्रशासन के कदम का स्वागत किया है।

मिश्रा बने परिवहन समिति सदस्य

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा भायंदर

मीरा-भायंदर महानगरपालिका की परिवहन समिति के नए सदस्यों को महापौर और आयुक्त ने नियुक्ति पत्र सौंपे। 12 सदस्यीय समिति में एडवोकेट राजकुमार मिश्रा सहित काजल सक्सेना, आदेश अग्रवाल, राशिद अनवर, सुरेश दुबे, प्रकाश जैन, कुलदीप सिंह, भरत बोहरा, आशीष लोढ़ा, ऑस्टिन मेनेजेस, सद्दाम कुरैशी और प्रशांत केलकर का समावेश है। नियुक्ति के बाद राजकुमार मिश्रा ने कहा कि उन पर जताए गए विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने विधायक नरेंद्र मेहता, महापौर डिंपल मेहता सहित अन्य पदाधिकारियों का आभार जताया। मिश्रा और राशिद अनवर को पूर्व में भी परिवहन समिति में कार्य करने का अनुभव है। उनकी नियुक्ति पर समर्थकों ने खुशी जताते हुए उनका स्वागत किया।

गर्मियों की छुट्टियों में एसटी बस का सफर हुआ महंगा

10% किराया बढ़ा, आपकी जेब पर कब तक पड़ेगा बोझ

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

गर्मियों की छुट्टियां शुरू होते ही अपने पैतृक गांव या पर्यटन स्थलों पर जाने की योजना बना रहे आम यात्रियों को महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम ने बड़ा झटका दिया है। एसटी प्रशासन ने 15 अप्रैल से 15 जून तक के लिए बस किराए में 10 प्रतिशत की वृद्धि लागू कर दी है। केवल इतना ही नहीं, अब यात्रियों को प्रत्येक टिकट पर 2 रुपए का 'स्वच्छता सरचार्ज' भी अलग से देना होगा। बुधवार से यह किराया बढ़ोतरी लागू होने के बाद कई यात्रियों ने अपनी नाराजगी जाहिर की है। आलोचकों का कहना है कि चूंकि एसटी निगम पहले ही किराया बढ़ा चुका था, इसलिए किराए में इस अतिरिक्त सीजनल बढ़ोतरी की कोई जरूरत नहीं थी।

15 जून तक लागू रहेगी बढ़ोतरी

पुणे में स्वारगेट और शिवाजीनगर डिपो से बड़ी संख्या में एसटी बसें चलती हैं। जो राज्य के अलग-अलग हिस्सों को जोड़ती हैं। गर्मियों की छुट्टियों के दौरान अपने पैतृक गांवों की यात्रा करने वाले पर्यटन के लिए निकलने वाले या तीर्थ यात्रा पर जाने वाले लोगों की संख्या में भारी बढ़ोतरी होती है। यात्रियों की इस बढ़ी हुई संख्या को देखते हुए एसटी निगम ने किराए में यह सीजनल बढ़ोतरी लागू की है। किराए में यह बढ़ोतरी 15 अप्रैल से 15 जून तक लागू रहेगी।

कुछ महीने पहले ही बढ़ा था किराया

एसटी महामंडल ने कुछ महीने पहले ही किराया बढ़ाया था। नतीजतन किराए में इस अतिरिक्त मौसमी बढ़ोतरी से आम नागरिक पर भारी बोझ पड़ने की आशंका है। इस बढ़ोतरी का सबसे ज्यादा असर लंबी दूरी की यात्राओं पर पड़ेगा। इससे एक साथ यात्रा करने वाले परिवारों का बजट बिगड़ सकता है। एसटी प्रशासन के अनुसार, ईंधन की बढ़ती कीमतों, रखरखाव के खर्चों और यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को संभालने में आने वाली लागत की भरपाई के लिए किराए में यह बढ़ोतरी जरूरी मानी गई है।

आम यात्रियों की जेब पर बोझ

गर्मियों की छुट्टियों के दौरान यात्रियों की संख्या बढ़ने से एसटी निगम को बस किराए में इस बढ़ोतरी से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। यह भी माना जा रहा है कि यह कदम कुछ हद तक पिछले साल हुए राजस्व घाटे की भरपाई करने का एक प्रयास है, जब दिवाली के त्योहार के दौरान किराए में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई थी। कुल मिलाकर यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए लिया गया यह फैसला भले ही निगम के लिए आर्थिक रूप से फायदेमंद साबित हो, लेकिन यह निस्संदेह आम यात्रियों पर एक अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रहा है।

किराया बढ़ा, सुविधाएं कहां

दरअसल एसटी निगम आमतौर पर छुट्टियों के दौरान किराए में सीजनल बढ़ोतरी लागू करता है। हालांकि एसटी निगम से यह उम्मीद की जाती है कि वह किराए में बढ़ोतरी के साथ-साथ यात्रियों को बेहतर सुविधाएं भी मुहैया कराएगा, लेकिन कई जगहों पर बसों की साफ-सफाई, समय पर चलना और यात्रा में आराम को लेकर शिकायतें अभी तक बनी हुई हैं। नतीजतन यात्री यह सवाल उठा रहे हैं कि किराया तो बढ़ गया है लेकिन सुविधाएं कहां हैं?

आईआईटी बॉम्बे दर्शन सोलंकी मामला में बड़ा मोड़

● सहपाठी पर आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप तय

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

आईआईटी-बॉम्बे के प्रथम वर्ष के छात्र दर्शन सोलंकी की मौत के करीब तीन साल बाद इस बहुचर्चित मामले में कानूनी प्रक्रिया ने अहम मोड़ ले लिया है। मुंबई की एक विशेष अदालत ने सोलंकी के सहपाठी अरमान खत्री के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने और आपराधिक धमकी के आरोप तय कर दिए हैं। अदालत में आरोप तय होने के बाद अब आईआईटी बॉम्बे दर्शन सोलंकी मामला में नियमित सुनवाई शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है। अरमान खत्री ने खुद को निर्दोष बताया है, लेकिन अदालत ने भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है।

आईआईटी बॉम्बे दर्शन सोलंकी मामला की जांच में सामने आए अहम तथ्य

विशेष जांच दल के अनुसार, एक कथित विवाद के बाद खत्री ने सोलंकी को 'पेपर कटर' से धमकाया था। जांच के दौरान सोलंकी के कमरे से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ, जो फरवरी 2023 का बताया गया है। इसी दौरान 18 वर्षीय छात्र ने पवई स्थित छात्रावास की आठवीं मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी थी।

पहले विवादों में रही थी जांच

घटना के बाद आईआईटी-बॉम्बे की आंतरिक जांच में जाति आधारित भेदभाव के आरोपों को खारिज कर दिया गया था। हालांकि, सोलंकी के परिवार ने लगातार निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग जारी रखी, जिसके बाद मामले ने व्यापक ध्यान आकर्षित किया।

आगे की सुनवाई पर टिकी नजर

साल 2023 में गिरफ्तारी और जमानत मिलने के बाद अरमान खत्री ने अपनी पढ़ाई जारी नहीं रखी। अब गवाहों के बयान और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अदालत में सुनवाई शुरू होगी, जो इस मामले में न्याय की दिशा तय करेगी।

न्याय की उम्मीद

यह मामला न केवल एक छात्र की दुखद मौत से जुड़ा है, बल्कि शैक्षणिक संस्थानों में सुरक्षा और संवेदनशीलता के मुद्दों को भी सामने लाता है। आने वाले दिनों में अदालत की कार्यवाही पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी।

मुंबई में पालतू पशुओं के लिए आधुनिक दहन सुविधा शुरू

ऑनलाइन बुकिंग उपलब्ध

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

बीएमसी ने शहर में छोटे पशुओं और पक्षियों के अंतिम संस्कार के लिए आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल दहन सुविधाएं शुरू कर दी हैं। यह पहल देवनार पशुवधगृह और महालक्ष्मी स्थित पशु अस्पताल परिसर में लागू की गई है। इन सुविधाओं का संचालन 1 अप्रैल 2026 से शुरू हो चुका है, जिससे अब शहर, पूर्व और पश्चिम उपनगरों में अलग-अलग स्थानों पर यह सेवा उपलब्ध हो गई है। इस संबंध में अतिरिक्त मनपा आयुक्त (शहर) डॉ.अश्विनी जोशी ने बताया कि हाई कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में यह कदम उठाया गया है।

पालतू जानवरों का अंतिम संस्कार के लिए बीएमसी की तैयारी

इससे नागरिकों को अपने पालतू या मृत छोटे पशुओं के सम्मानजनक और वैज्ञानिक तरीके से अंतिम संस्कार की सुविधा मिल सकेगी। देवनार स्थित दहन केंद्र में 500 किलोग्राम तक वजन वाले पशुओं का अंतिम संस्कार किया जा सकता है। यह सुविधा पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) पर आधारित है, जो स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल मानी जाती है।

ऑनलाइन बुकिंग शुरू

महालक्ष्मी केंद्र में 50 किलोग्राम तक के छोटे पशुओं और पक्षियों के लिए पूरी तरह इलेट्रिक दहन व्यवस्था उपलब्ध है, मालाड में वर्ष 2023 से ही ऐसी सुविधा चालू है, जिससे अब मुंबई के तीनों प्रमुख हिस्सों में यह सेवा उपलब्ध हो गई है। बीएमसी के पशु चिकित्सकीय स्वास्थ्य विभाग ने इन सेवाओं के लिए ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा भी शुरू की है। नागरिक https://vhd.mcgm.gov. in/incineration-booking लिंक पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं और निर्धारित समय पर दहन केंद्र में अंतिम संस्कार कर सकते हैं। यह पहल न केवल स्वच्छता को बढ़ावा देगी, बल्कि पशुओं के सम्मानजनक अंतिम संस्कार की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

ऑनलाइन ठगी के मामला

कॉल सेंटर घोटाले में अफसरों की मिलीभगत

सीबीआई जांच पर उठे सवाल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

ऑनलाइन ठगी के मामले हर जगह तेजी से बढ़ रहे हैं और 'जामताड़ा' रैकेट इसके लिए कुख्यात है। लेकिन 'जामताड़ा' की तरह ही महाराष्ट्र में भी फर्जी कॉल सेंटरों के माध्यम से दुनिया भर के नागरिकों को ठगकर सैकड़ों करोड़ रुपए का गोरखधंधा चल रहा है। यह गंभीर आरोप लगाते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने दावा किया कि इस मामले में आईपीएस अधिकारी दत्ता कराले और दो पुलिस अधीक्षकों की भी संलिप्तता है। उन्होंने यह भी कहा कि मंत्रालय की छठी मंजिल से संरक्षण मिले बिना इतने बड़े पैमाने पर फर्जी कॉल सेंटर और धन की हेराफेरी संभव नहीं है।

हर्षवर्धन सपकाल ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

■ गुरुवार को गांधी भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए सपकाल ने आगे कहा कि तथाकथित ढोंगी तांत्रिक अशोक खरात के साथ आईपीएस अधिकारी एवं वर्तमान में नाशिक के डीआईजी दत्ता कराले के संबंधों के वीडियो हाल ही में मीडिया में सामने आए हैं।

■ हमें जानकारी मिली है कि कराले और पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटिल तथा सोमनाथ घार्गे का भी इस फर्जी कॉल सेंटर रैकेट से संबंध है। सीबीआई द्वारा 8 अगस्त 2025 और 11 सितंबर 2025 को दर्ज एफआईआर के अनुसार, नाशिक और इगतपुरी में छापेमारी कर इस रैकेट को चलाने वालों को गिरफ्तार किया गया। बड़ा सवाल यह है कि सीबीआई को इगतपुरी में चल रहे फर्जी कॉल सेंटर की जानकारी मिली और उसने कार्रवाई की, लेकिन महाराष्ट्र पुलिस को इसकी भनक क्यों नहीं लगी। इसका जवाब महाराष्ट्र पुलिस के मुखिया को देना चाहिए।

क्या सीएम लेंगे गंभीर संज्ञान?

■ सपकाल ने कहा कि सीबीआई महाराष्ट्र फर्जी कॉल सेंटर मामले की जांच कर रही है। मेरा सवाल यह है कि राज्य के मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस क्या इस मामले में सीबीआई से जानकारी लेकर उच्चस्तरीय जांच कर संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई करेंगे या हमेशा की तरह 'क्लीन चिट' देंगे, इससे पहले कराले सहित ये दोनों अधिकारी ठाणे, पालघर और रायगढ़ जिलों में कार्यरत थे। उस समय भी वहां ऐसे कॉल सेंटर चल रहे थे।

■ पुलिस ने छापा मारकर संदीप सिंह और विशाल यादव नामक आरोपियों पर मामूली कार्रवाई कर उन्हें छोड़ दिया। बाद में जब इन तीनों अधिकारियों की पोस्टिंग नाशिक क्षेत्र में हुई, तब इन्हीं आरोपियों की मदद से फिर से कॉल सेंटर शुरू किए जाने की जानकारी मिली है। खास बात यह है कि ये सभी आरोपी ठाणे, रायगड और पालघर क्षेत्र के निवासी है।

सपकाल के सवाल

■ सीबीआई मुंबई की एंटी करप्शन ब्रांच के अधीक्षक अमित वसावा द्वारा 11 सितंबर 2025 को दर्ज एफआईआर के अनुसार, फर्जी कॉल सेंटर को सुचारू रूप से चलाने के लिए आरोपी गणेश कामनकर और उसके भाई द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को नकद, सोना और क्रिप्टो करेंसी के रूप में भारी रिश्वत दी जा रही थी, राज्य सरकार को इसकी पूरी जानकारी होने के बावजूद इन अधिकारियों पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

■ ढोंगी तांत्रिक अशोक खरात, आईपीएस दत्ता कराले और इस रैकेट से जुड़े काले धन की पूरी जांच जरूरी है। खरात प्रकरण में जो धन का लेन-देन हुआ, वह पैसा किसका था। क्या यह पैसा कॉल सेंटर रैकेट से जुड़ा है। क्या इस माध्यम से काले धन को सफेद किया गया। इन सभी सवालों की गहन जांच होनी चाहिए। कराले और उनके सहयोगी पुलिस अधिकारियों की जहां-जहां पोस्टिंग होती है, वहां इस तरह के रैकेट सक्रिय हो जाते हैं। इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

धमकी मत दो, हिम्मत है तो...

संजय राऊत ने किस बात पर पीएम मोदी को ललकारा?

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

देश में महिला आरक्षण बिल को लेकर सियासत एक बार फिर गरमा गई है। शिवसेना के कद्दावर नेता और सांसद संजय राऊत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान पर तीखा प्रहार किया है, जिसमें उन्होंने विपक्ष को महिलाओं की नाराजगी झेलने की चेतावनी दी थी। राऊत ने साफ शब्दों में कहा कि भारतीय जनता पार्टी महिलाओं का दिल नहीं जीत रही, बल्कि सरकारी खजाने का इस्तेमाल कर उनके वोट खरीद रही है।

'धमकियां देना बंद करें प्रधानमंत्री'

संजय राऊत ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को विपक्ष को डराना बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा, 'ये धमकियां मत दीजिए कि अगर समर्थन नहीं किया तो नुकसान होगा। लोकतंत्र में जनता मालिक होती है और धमकियां काम नहीं आतीं।' राऊत का यह बयान पीएम मोदी के उस भाषण के जवाब में आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि महिला आरक्षण का विरोध करने वालों को देश की नारी शक्ति कभी माफ नहीं करेगी।

लाडकी बहिन योजना के पैसे देना बंद करें: राऊत

संजय राऊत ने महाराष्ट्र की 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' और अन्य राज्यों की इसी तरह की योजनाओं पर सवाल उठाए। उन्होंने प्रधानमंत्री को खुली चुनौती देते हुए कहा कि अगर आपमें इतनी ही हिम्मत है, तो चुनाव से पहले महिलाओं के खातों में जो पैसे भेजे जा रहे हैं, उन्हें बंद करके दिखाएं। महाराष्ट्र में 2-2 हजार रुपए और अन्य राज्यों में जो 10 हजार रुपए की 'खुराक' दी जा रही है, उसे रोकिए और फिर चुनाव मैदान में उतरिए। तब आपको पता चलेगा कि कितनी महिलाएं आपको अपने मन और दिल से वोट देती हैं। राऊत ने आगे कहा कि पूरे देश में महिलाओं के वोट खरीदने का एक पैटर्न चल रहा है। चाहे बिहार हो या महाराष्ट्र, हर जगह सरकारी पैसे के दम पर चुनावी वैतरणी पार करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने इसे पैसों का खेल करार दिया।

प्रधानमंत्री मोदी का रुख क्या था?

गौरतलब है कि गुरुवार को लोकसभा में चर्चा के दौरान पीएम मोदी ने महिला आरक्षण बिल पर विपक्ष को आड़े हाथों लिया था। प्रधानमंत्री ने कहा था कि जब भी चुनाव आते हैं, महिलाएं उन दलों को सबक सिखाती हैं जो उनके अधिकारों (आरक्षण) में बाधा बनते हैं। पीएम ने स्पष्ट किया था कि नारी शक्ति को उनका हक देना हमारी जिम्मेदारी है और यदि इसमें देरी होती है, तो इसका पूर्ण उत्तरदायित्व विपक्ष का होगा। अब संजय राऊत के इस तीखे पलटवार ने महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक की राजनीति में हलचल मचा दी है। शिवसेना का आरोप है कि बीजेपी नीतिगत बदलावों के बजाय 'कैश-फॉर-वोट' मॉडल पर काम कर रही है। अब देखना यह है कि बीजेपी इस चुनौती का क्या जवाब देती है।

मुंबई का शहरी विकास मॉडल बना मिसाल

एमएमआरडीए की कार्यप्रणाली अपनाने की तैयारी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई महानगर क्षेत्र के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में अहम भूमिका निभाने वाले मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के मॉडल को अब अन्य राज्य भी अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसी क्रम में आंध्र प्रदेश के 18 नवस्थापित शहरी विकास प्राधिकरणों के अधिकारियों के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने एमएमआरडीए का दौरा कर यहां की कार्यप्रणाली का अध्ययन किया। इस प्रतिनिधिमंडल में संयुक्त कलेक्टर स्तर के अधिकारी और विभिन्न प्राधिकरणों के उपाध्यक्ष शामिल थे। यह दौरा आंध्र प्रदेश के नगर प्रशासन एवं शहरी विकास विभाग के क्षमता-विकास कार्यक्रम का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य अधिकारियों को शहरी नियोजन, परियोजना वित्त, भूमि प्रबंधन और बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा विकास की सर्वोत्तम प्रक्रियाओं से परिचित कराना है।

एमएमआरडीए के महानगर आयुक्त ने किया संबोधन

एमएमआरडीए के महानगर आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी ने प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए विकास मॉडल के प्रमुख पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने मजबूत भूमि अभिलेख प्रणाली, विकास नियंत्रण नियम, डेटा-आधारित निर्णय प्रक्रिया, एसेट मैपिंग और सशक्त वित्तीय ढांचे के महत्व को रेखांकित किया। साथ ही, सार्वजनिक-निजी भागीदारी, भूमि मूल्यवर्धन और डिस्काउंटेड कैश फ्लो आधारित परियोजना नियोजन जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। दौरे के दौरान एमएमआरडीए द्वारा लगभग 6,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में किए जा रहे एकीकृत क्षेत्रीय नियोजन, विस्तृत मेट्रो नेटवर्क और 200 किलोमीटर से अधिक लंबाई के टनल प्रोजेक्ट्स को प्रस्तुत किया गया। भूमि उपयोग और परिवहन के समन्वय, अंतिम माइल कनेक्टिविटी और टिकाऊ विकास मॉडल पर विशेष जोर दिया गया।

महाराष्ट्र में अघोरी विद्या का काला खेल

विजय वडेट्टीवार का सत्तापक्ष पर बड़ा हमला

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने राज्य की मौजूदा महायुति सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब से 'धर्मांध शक्तियां' सत्ता में आई हैं, महाराष्ट्र में अघोरी विद्या, कर्मकांड और बुवाबाजी (पाखंडी बाबाओं) का प्रभाव तेजी से बढ़ा है। वडेट्टीवार ने कहा कि जिस राज्य ने समाज सुधारकों की विरासत संभाली है, वहां आज अंधविश्वास के नाम पर मासूमों का शोषण हो रहा है। उन्होंने सरकार पर ऐसे तत्वों को संरक्षण देने और कानून को ठंडे बस्ते में डालने का गंभीर आरोप लगाया है।

चंद्रपुर में रोंगटे खड़े कर देने वाला 'अघोरी खेल'

वडेट्टीवार ने चंद्रपुर जिले का उदाहरण देते हुए एक सनसनीखेज खुलासा किया। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों से जिले में 'पैसों की बारिश' करने और 'गुप्त धन' खोजने के नाम पर खौफनाक अघोरी प्रथाएं चल रही हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इन तांत्रिक अनुष्ठानों में कछुए और उल्लू जैसे दुर्लभ वन्यजीवों के साथ-साथ नाबालिग लड़कियों और विधवा महिलाओं का इस्तेमाल किया जा रहा है। वडेट्टीवार ने आशंका जताई है कि इस अघोरी खेल की आड़ में महिलाओं का बड़े पैमाने पर यौन शोषण भी हुआ है, जो बेहद शर्मनाक है।

दाभोलकर का बलिदान और कानून की अनदेखी

दिवंगत नरेंद्र दाभोलकर को याद करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्होंने अंधविश्वास के खिलाफ लड़ते हुए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। उनके बलिदान के बाद महाराष्ट्र में 'अंधश्रद्धा निर्मूलन कानून' तो बना, लेकिन सरकार इसे लागू करने में पूरी तरह विफल रही है। वडेट्टीवार ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि बजट सत्र के दौरान भी मैंने यह मुद्दा उठाया था और इस कानून के लिए नियमावली बनाने की मांग की थी। लेकिन सरकार गहरी नींद में है। क्या प्रशासन और भी मासूमों की बलि चढ़ने का इंतजार कर रहा है?

कठोर कार्रवाई और नियमावली बनाने की मांग

विजय वडेट्टीवार ने सरकार से सवाल किया कि आखिर कितने और शोषण के मामलों के बाद राज्य में सख्त नियमावली तैयार की जाएगी? उन्होंने मांग की कि चंद्रपुर सहित पूरे राज्य में सक्रिय ऐसे पाखंडी बाबाओं और तांत्रिकों के खिलाफ 'अंधश्रद्धा निर्मूलन कानून' के तहत तत्काल आपराधिक मामले दर्ज किए जाएं। वडेट्टीवार ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस मामले में कठोर कदम नहीं उठाए, तो कांग्रेस इस सामाजिक बुराई के खिलाफ सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेगी। इस बयान ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक नई बहस छेड़ दी है।

ठाणे-डोंबिवली में मेगा ब्लॉक, लोकल सेवाएं प्रभावित

प्लेटफॉर्म विस्तार कार्य के लिए 19 अप्रैल को 10 घंटे का ट्रैफिक व पावर ब्लॉक

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मध्य रेल, मुंबई मंडल द्वारा ठाणे के प्लेटफॉर्म क्रमांक 3 व 4 तथा डोंबिवली के प्लेटफॉर्म 1अ, 1 व 2 के विस्तार कार्य के लिए 18/19 अप्रैल 2026 की रात विशेष ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक 19 अप्रैल को रात 12 बजे से सुबह 10 बजे तक मुलुंड-ठाणे और दीवा-डोंबिवली के बीच अप व डाउन स्लो लाइनों पर लागू रहेगा।

ट्रेनों का डायवर्जन

ब्लॉक के दौरान कई उपनगरीय ट्रेनों को स्लो लाइन से फास्ट लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा। अप स्लो सेवाएं कल्याण-मुलुंड के बीच फास्ट लाइन पर चलेंगी और ठाकुर्ली व कोपर स्टेशन पर नहीं रुकेंगी। इसी तरह डाउन स्लो सेवाएं भी मुलुंड-कल्याण के बीच डायवर्ट रहेंगी।

अतिरिक्त ठहराव की सुविधा

यात्रियों की सुविधा के लिए अप और डाउन फास्ट लाइन की कुछ ट्रेनों को दीवा, मुंब्रा और कलवा स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव दिया जाएगा। इसके बावजूद सभी लोकल ट्रेनों में औसतन 15 मिनट की देरी रहने की संभावना है।

मेल/एक्सप्रेस पर असर

ब्लॉक अवधि में सीएसएमटी/दादर की ओर आने वाली मेल व एक्सप्रेस ट्रेनें छठी लाइन पर तथा जाने वाली ट्रेनें पांचवीं लाइन पर विद्याविहार-कल्याण के बीच डायवर्ट की जाएंगी, जिससे लंबी दूरी की सेवाओं पर भी आंशिक असर पड़ेगा।

शॉर्ट टर्मिनेशन व ओरिजिनेशन

18 व 19 अप्रैल को कुछ लोकल ट्रेनों का शॉर्ट टर्मिनेशन कुर्ला, ठाणे और कल्याण स्टेशन पर किया जाएगा, जबकि कुछ सेवाएं कुर्ला, ठाणे, मुंब्रा व कल्याण से शॉर्ट ओरिजिनेट होंगी। इससे यात्रियों को बीच के स्टेशनों पर ट्रेन बदलनी पड़ सकती है।

यात्रियों से अपील

रेलवे प्रशासन ने बताया कि यह मेगा ब्लॉक आधारभूत संरचना के रखरखाव और सुरक्षा के लिए आवश्यक है। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा से पहले समय-सारिणी की जानकारी लेकर सहयोग करें और संभावित असुविधा के लिए तैयार रहें।

हिंदमाता एंकर: छात्रों ने किया डांस, अब पुलिस ने लिया एक्शन

सरकारी हॉस्टल में खूंखार नक्सली हिडमा का महिमामंडन!

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

महाराष्ट्र की सांस्कृतिक राजधानी पुणे से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां विश्रांतवाड़ी स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सरकारी छात्र छात्रावास में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर शीर्ष नक्सली कमांडर माडवी हिडमा का महिमामंडन किया गया। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 'बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन' की पढ़ाई कर रहे दो छात्रों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में गूंजे नक्सली गीत

पुणे पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह घटना 11 अप्रैल की है। छात्रावास के छात्रों ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया था। आरोप है कि इस दौरान छात्रों ने एक ऐसे गीत पर नृत्य किया, जिसमें कुख्यात नक्सली माडवी हिडमा की प्रशंसा की गई थी और उसके कृत्यों को सराहा गया था। जब इस घटना का वीडियो और जानकारी प्रशासन तक पहुंची, तो हड़कंप मच गया।

पुणे पुलिस ने दर्ज किया मामला

पुणे की विश्रांतवाड़ी पुलिस ने गुरुवार को बताया कि दोनों छात्रों पर विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देने और सार्वजनिक शांति भंग करने के इरादे से जुड़े आरोपों के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या इन छात्रों का संबंध किसी प्रतिबंधित संगठन से है या वे किसी बाहरी प्रभाव में आकर ऐसा कर रहे थे।

कौन था माडवी हिडमा?

माडवी हिडमा (51) भारत के सबसे खूंखार नक्सली नेताओं में से एक था। वह पिछले दो दशकों में सुरक्षा बलों पर हुए कई बड़े और घातक हमलों का मास्टरमाइंड था। हिडमा पर सरकार ने 1 करोड़ रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। लंबे समय तक सुरक्षा बलों की आंखों में धूल झोंकने के बाद, नवंबर 2025 में आंध्र प्रदेश के जंगलों में एक भीषण मुठभेड़ के दौरान वह मारा गया था। पुणे पुलिस अब छात्रावास के अन्य छात्रों और आयोजकों से भी पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि कार्यक्रम की रूपरेखा किसने तैयार की थी और क्या यह कोई सुनियोजित प्रोपेगंडा का हिस्सा था।

फिर जबरन कराया गर्भपात

प्यार के नाम पर धोखा! युवती के साथ 2 साल तक किया शोषण

हिंदमाता नेटवर्क @ सोलापूर

सोलापूर जिले के बारशी से एक हैरान कर देने वाला वाक्या पेश आया है, जहां एक युवती को शादी का झांसा देकर उसके साथ लंबे समय तक शारीरिक शोषण किया गया और बाद में जबरदस्ती उसका गर्भपात कराया गया। इस मामले में बारशी शहर पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता की शिकायत के मुताबिक, आरोपी सोहेल बाबू शेख (निवासी पनवेल, नवी मुंबई) ने मई-जून 2024 से लेकर 2 मार्च 2026 तक उसे शादी का झांसा देकर अपने जाल में फंसा लिया। इसके बाद उसने बारशी के एक लॉज में ले जाकर कई बार उसकी इच्छा के विरुद्ध शारीरिक संबंध बनाए।

इच्छा के विरुद्ध बार-बार शारीरिक संबंध

मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी सोहेल बाबू शेख ने धीरे धीरे युवती से नजदीकियां बढ़ाईं और फिर शादी का झांसा देकर उसके साथ संपर्क में रहा। इसके बाद उसका फायदा उठाकर उसने अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर बार-बार उसे लॉज में बुलाकर उसके साथ शोषण किया। पीड़िता ने आगे बताया कि यह सिलसिला करीब दो सालों से चलता आ रहा। साथ ही आरोप है कि आरोपी ने उसे भावनात्मक रूप से नियंत्रित करते हुए उसके साथ संबंध बनाया।

जबरदस्ती करवाया गर्भपात

इस संबंध के बाद पीड़िता दो महीने की गर्भवती हो गई। पीड़िता ने जब इस बात की जानकारी आरोपी को दी तो वह उसे अपने साथ पुणे ले गया। वहां उसने धोखे से उसे गर्भपात की दवाएं दे दीं और इतना ही नहीं इसके बाद आरोपी ने जबरदस्ती उसका गर्भपात करा दिया। हालांकि, जब पीड़िता को अपने साथ हुए धोखाधड़ी का एहसास हुआ, तो उसने काफी हिम्मत जुटाकर बारशी शहर के पुलिस से संपर्क किया और अपनी आपबीती कहानी सुनाई। पीड़िता की बात सुनने के बाद पुलिस ने तुरंत कारवाई की और आरोपी सोहेल शेख के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विचार प्रवाह

मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि हमारे देश की प्रमुख समस्याएं गरीबी, अशिक्षा, बीमारी, कुशल उत्पादन एवं वितरण सिर्फ समाजवादी तरीके से ही की जा सकती है।

- सुभाष चंद्र बोस

संपादकीय

नाशिक यौन उत्पीड़न मामले से सुरक्षा खामियां उजागर

देश की एक प्रमुख आईटी कंपनी की नासिक शाखा में यौन उत्पीड़न और जबरन धर्म परिवर्तन के प्रयासों के चौंकाने वाले आरोप परेशान करने वाले हैं। निस्संदेह, यह प्रकरण बेहद गंभीर है और इन आरोपों ने कार्यस्थल की सुरक्षा जैसे नजरअंदाज किए जा रहे महत्वपूर्ण मुद्दे पर फिर देश का ध्यान आकर्षित किया है। यह आरोप है कि पुरुष कर्मचारियों का एक समूह महिला सहकर्मियों को निशाना बनाने के लिए एक 'संगठित गिरोह' की तरह काम कर रहा था। निश्चित रूप से यह घटनाक्रम कंपनी प्रबंधन की उस घोर लापरवाही को ही उजागर करता है जिस के चलते समय रहते इस तरह के यौन उत्पीड़न व धर्म परिवर्तन की कोशिशों पर अंकुश नहीं लग सका। यह विडंबना ही है कि मानव संसाधन प्रबंधक ने कथित तौर पर पीड़िता को शिकायत दर्ज कराने से यह कहकर रोका कि – 'ऐसी चीजें होती रहती हैं।' आक्षेप लगाया गया है कि इस प्रकरण में आरोपी का ही पक्ष लिया गया। निश्चित तौर पर यह दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम कॉर्पोरेट जगत में व्याप्त विद्रूपताओं और एक गहरी तथा व्यापक विफलता की ओर ही इशारा करता है। जबकि दावा यह किया जाता रहा है कि कॉर्पोरेट जगत की प्राथमिकता कर्मचारियों की सुरक्षा और गरिमा को सुनिश्चत करना है। इसमें दो राय नहीं है कि जब यौन उत्पीड़न रोकथाम ढांचे को लागू करने के लिये जिम्मेदार उच्च पदों पर आसीन व्यक्तियों पर दुर्व्यवहार को सामान्य या मामूली बात समझने का आरोप लगता है, तो सारे संस्थागत सुरक्षा उपाय ध्वस्त हो जाते हैं। निर्विवाद रूप से यह एक दुर्भाग्यपूर्ण प्रवृत्ति है, जब पीड़ित महिला कर्मचारी को न केवल अपराधियों द्वारा बल्कि उनकी सुरक्षा का दायित्व संभालने वालों द्वारा भी चुप कराने के प्रयास किये जाते हैं। एक बार फिर से पुलिस के हस्तक्षेप और परामर्श के बाद ही कई पीड़ित महिला कर्मचारियों ने आगे आने का साहस जुटाया है। जिसके बाद ही मामले में प्राथमिकी दर्ज हो पायी है। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण प्रकरण को लेकर एक असहज करने वाला प्रश्न यह उठता है कि क्यों भय, सामाजिक कलंक अथवा संस्थागत उदासीनता के कारण देश भर के विभिन्न कार्यस्थलों में ऐसे कितने ही यौन उत्पीड़न के मामले उजागर नहीं हो पाते हैं? इसमें दो राय नहीं कि इस मामले में जांच बिना किसी पुर्वाग्रह के आगे बढ़नी चाहिए। निर्विवाद रूप से आईटी कंपनी के नासिक प्रकरण में सांप्रदायिक या राजनीतिक रंग देने का प्रयास इस संकट की मूल चिंताओं को धूमिल करने का जोखिम जरूर पैदा कर सकता है। निस्संदेह, ऐसी घटनाओं को धार्मिक या वैचारिक नजरिये से देखना कॉर्पोरेट जवाबदेही और लैंगिक संवेदनशीलता वाले सुधारों की तत्काल आवश्यकता से ध्यान भटका सकता है। इस संवेदनशील विषय पर नजर रखने वाले तर्क देते हैं कि उत्पीड़न को संप्रदाय विशेष के अपराध के रूप में देखने के बजाय, इसे एक अधिकारी द्वारा अपने अधिकार के दुरुपयोग के रूप में देखा जाना चाहिए, जो किसी भी संस्थान में पारदर्शिता और प्रवर्तन की कमी वाले वातावरण में ही पनपता है। इस विचलित करने वाले प्रकरण में अधिकारियों की प्रतिक्रिया, जिसमें एक विशेष जांच दल का गठन भी शामिल है, स्वागत योग्य है। वहीं दूसरी ओर इस मामले में महिला आयोग द्वारा भी एक स्वतंत्र जांच की जा रही है, जो कि एक सराहनीय कदम कहा जा सकता है। हालांकि, कॉर्पोरेट जगत से जुड़े कार्यालयों में स्थायी परिवर्तन तभी संभव होगा जब कंपनियां ऐसे मामलों में 'शून्य सहिष्णुता' की घोषणा करेंगी। इसके साथ ही जरूरत इस बात की भी कि कार्यालयों में ऐसा निर्भयतापूर्ण वातावरण तैयार किया जाए कि कोई भी महिला कर्मचारी बिना डर के बोलने के लिये सशक्त बन सके। उन्हें सशक्त बनाने के लिये आंतरिक तंत्र को सक्रिय रूप से मजबूत बनाने की जरूरत है। इसके अलावा यह भी जरूरी है कि कंपनियों का शीर्ष प्रबंधन गाहे-बगाहे यह पड़ताल करता रहे कि सर्वाधिकार प्राप्त कोई अधिकारी असीमित अधिकारों की आड़ में उत्पीड़न के अपवित्र खेल में शामिल तो नहीं है। एक पारदर्शी व सतर्क व्यवस्था भविष्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगा सकती है।

आज का इतिहास

■ 1955 - बांडुंग में अफ्रीकी-एशियाई सम्मेलन; प्रसिद्ध वैज्ञानिक अलबर्ट आइंस्टाइन का देहावसान।

■ 1994 - वेस्टइंडीज के बल्लेबाज ब्रायन लारा ने 375 रन बनाकर टेस्ट मैच की एक पारी में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकार्ड बनाया।

■ 1999 - ब्रिटेन की प्रमुख उपन्यासकार, जीवनीकार और सम्पादक मैरी बुलिंस का 90 वर्ष की आयु में निधन।

■ 2001 - भारतीय सीमा में घुस आई बांग्लादेश की सेना की गोलीबारी से भारत के 16 जवान शहीद।

■ 2002 - 1973 से इटली में निवास कर रहे अफगानिस्तान के पूर्व शासक मोहम्मद जहीर शाह काबुल लौटे।

■ 2005 - भारत मुंबई स्थित जिन्ना हाउस पाकिस्तान को देने पर सहमत।

■ 2006 - राबिन हुड का शहर नाटिंघम लूटग्रस्त शहर घोषित।

■ 2008 -इंफोसिस टैक्नोलाजी ने विकास एवं मरम्मत सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए अमेरिका की कॉनसेको के साथ पांच वर्ष के लिए करार किया। अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने जानलेवा इंजेक्शन के जरिये सजा-ए-मौत को वैध ठहराया। पाकिस्तान ने भारतीय कैदी सबरजीत सिंह की फांसी की सजा को एक महीने के लिए टाला। भारत और मैक्सिको ने नागरिक उड्डयन व ऊर्जा के क्षेत्र में नये समझौते किए।

■ 1621 - गुरु तेग बहादुर - सिक्खों के नौवें गुरु।

■ 1858 - धोंडो केशव कर्वे - आधुनिक भारत का सबसे बड़ा समाज सुधारक और उद्धारक माना जाता है।

■ 1928 - दुलारी - भारतीय सिनेमा की जानीमानी अभिनेत्री थीं।

■ 1901 - चंदेश्वर प्रसाद नारायण सिंह, भारत के राजनीतिज्ञ थे।

■ 1916 -ललिता पवार, हिन्दी फिल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री

■ 1961 - पूनम ढिल्लों - बालीवुड अभिनेत्री

■ 2021 - अनुपमा पंचीमांडा - भारत की पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी अंपायर थीं।

■ 2021 - बची सिंह रावत - उत्तराखंड से भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज राजनीतिज्ञ थे।

■ 1859 - तात्या टोपे - वीर पुरुष और 'प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम' में भाग लेने वाले प्रमुख व्यक्ति।

■ 1955 - अलबर्ट आइंस्टाइन प्रसिद्ध वैज्ञानिक

■ 1959 - बारींद्र कुमार घोष - भारत के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी तथा पत्रकार थे।

■ 1972 - पांडुरंग वामन काणे - महान भारतीय संस्कृतज्ञ और विद्वान पंडित।

बिहार की राजनीति में नया समीकरण

राजनीतिक बदलाव और जातीय समीकरण

हिंदमाता नेटवर्क @ बिहार

बिहार की राजनीति सीधी रेखा में चलने वाली नहीं है। सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री बनना केवल एक व्यक्ति का सत्ता में आना नहीं, बल्कि कई स्तरों पर चल रही राजनीतिक गणनाओं का परिणाम है। इसे समझने के लिए केवल घटना को नहीं, उसके पीछे के समीकरणों को भी देखना होगा। बिहार में समीकरण कभी साधारण नहीं होते। सबसे पहले बात आती है जातीय संरचना की, जो बिहार की राजनीति की रीढ़ है। भाजपा लंबे समय से बिहार में अपने आधार को केवल ऊंची जातियों तक सीमित नहीं रखना चाहती थी। पिछड़ी जातियों, विशेषकर कुर्मी, कोइरी और अन्य ओबीसी समूहों में अपनी पकड़ मजबूत करना उसकी रणनीति का हिस्सा रहा है। इस संदर्भ में सम्राट चौधरी का चयन एक सोचा-समझा कदम है। वे खुद एक प्रभावशाली पिछड़े वर्ग से आते हैं और उनके माध्यम से भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि वह सामाजिक प्रतिनिधित्व के मामले में पीछे नहीं है। यह निर्णय एक तरह से उस राजनीतिक रिक्तता को भरने की कोशिश भी है, जो लंबे समय से क्षेत्रीय दलों के पास रही है।

सामाजिक न्याय की राजनीति और भाजपा की चुनौती

बिहार में सामाजिक न्याय की राजनीति का नेतृत्व लालू यादव और बाद में नीतीश कुमार जैसे नेताओं ने किया। भाजपा के सामने हमेशा यह चुनौती रही कि वह इस सामाजिक आधार में अपनी जगह कैसे बनाए। सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री बनना उसी रणनीति का विस्तार है-एक संकेत कि भाजपा अब केवल 'ऊपर से' नहीं, 'नीचे से' भी राजनीति करना चाहती है। यह उल्लेखनीय है कि सम्राट भाजपा में आने के पहले अन्य दलों में भी रहे हैं। उनकी पृष्ठभूमि आरएसएस की नहीं। भाजपा एक ऐसी पार्टी है, जो नेतृत्व को केवल लोकप्रियता के आधार पर नहीं, बल्कि संगठनात्मक संतुलन के आधार पर तय करती है।

संगठन, अनुशासन और गठबंधन की राजनीति

सम्राट चौधरी पार्टी में लंबे समय से सक्रिय रहे हैं और विभिन्न स्तरों पर काम कर चुके हैं। उनका चयन यह भी दिखाता है कि भाजपा अपने कार्यकर्ताओं को यह संदेश देना चाहती है कि संगठन में काम करने वालों को अवसर मिल सकता है। यह आंतरिक अनुशासन और निष्ठा बनाए रखने की रणनीति का हिस्सा है, लेकिन मामला इतना सीधा भी नहीं है। बिहार में सत्ता गठबंधन की राजनीति के तहत चलती रही है। ऐसे में मुख्यमंत्री का चयन केवल पार्टी का निर्णय नहीं, बल्कि सहयोगी दलों के साथ संतुलन का भी प्रश्न होता है। सम्राट चौधरी का चेहरा इस संतुलन को कैसे साधेगा? यह भी देखना होगा कि बिहार की राजनीति में गठबंधन जितनी जल्दी बनते हैं, उतनी ही जल्दी टूटते भी हैं।

स्थानीय नेतृत्व, जोखिम और प्रशासनिक कसौटी

भाजपा को यह समझ आ गया है कि केवल राष्ट्रीय मुद्दों के आधार पर बिहार में स्थायी बढ़त बनाना मुश्किल है। यहां स्थानीय नेतृत्व और जातीय समीकरण, दोनों निर्णायक भूमिका निभाते हैं। सम्राट चौधरी का उभार आने वाले चुनावों को ध्यान में रखकर भी देखा जा सकता है। यह एक तरह से भविष्य के नेतृत्व का संकेत है, जिससे मतदाताओं को एक स्पष्ट चेहरा दिखाया जा सके। हालांकि इसके साथ जोखिम भी जुड़े हैं। बिहार में नेतृत्व को स्वीकार करना केवल जाति या पार्टी के आधार पर नहीं होता, बल्कि वहां एक प्रकार की राजनीतिक विश्वसनीयता भी जरूरी होती है। सम्राट चौधरी को यह साबित करना होगा कि वे केवल एक समीकरण का हिस्सा नहीं, बल्कि एक सक्षम प्रशासक भी हैं। प्रशासनिक अनुभव, निर्णय लेने की क्षमता और संकट प्रबंधन-ये सब ऐसे क्षेत्र हैं, जहां उनकी परीक्षा होगी।

विपक्ष की चुनौती और राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य

विपक्ष सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाए जाने को भाजपा का एक राजनीतिक प्रयोग कहकर सवाल उठा सकता है, लेकिन इसी के साथ उन्हें अपने सामाजिक आधार को मजबूत करने की जरूरत भी महसूस होगी। इससे बिहार की राजनीति में प्रतिस्पर्धा और तेज हो सकती है, जो लोकतांत्रिक दृष्टि से सकारात्मक ही होगा। इसके अलावा इसमें राष्ट्रीय राजनीति का एक व्यापक परिप्रेक्ष्य भी है। भाजपा विभिन्न राज्यों में अपने नेतृत्व को इस तरह गढ़ रही है, ताकि वह क्षेत्रीय पहचान और राष्ट्रीय एजेंडे के बीच संतुलन बना सके।

विकास, प्रशासन और नेतृत्व की असली परीक्षा

सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री बनना इसी रणनीति का हिस्सा हो सकता है, जहां पार्टी स्थानीय चेहरों के माध्यम से अपनी जड़ों को मजबूत करना चाहती है, बिना अपने केंद्रीय नेतृत्व की छवि को कमजोर किए। आर्थिक और प्रशासनिक दृष्टि से भी यह बदलाव महत्वपूर्ण है। बिहार लंबे समय से विकास, रोजगार और बुनियादी ढांचे की चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे में नए नेतृत्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती इन मुद्दों पर ठोस काम करने की रहने वाली है। केवल राजनीतिक समीकरणों से सरकार बन सकती है, लेकिन उसे चलाने के लिए प्रशासनिक दक्षता जरूरी होती है। अगर यह संतुलन नहीं बना तो सबसे मजबूत सामाजिक समीकरण भी ज्यादा दिन टिक नहीं पाते।

बहुस्तरीय संकेत और भविष्य की दिशा

सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री बनना बहुस्तरीय घटना है। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि एक संकेत है-भाजपा की बदलती रणनीति का, बिहार की राजनीति के नए चरण का और उस निरंतर संघर्ष का, जिसमें जाति, विकास, नेतृत्व और विचारधारा सब एक साथ उलझे रहते हैं। अब देखना यह है कि यह प्रयोग बिहार की जटिल राजनीति में कितनी दूर तक जाता है, क्योंकि केवल शुरूआत महत्वपूर्ण नहीं होती, अंत तक टिके रहना ही असली परीक्षा होती है।

आंखनदेखी

जर्मनी के फ्रैंकफर्ट शहर में मेन नदी के शांत जल में तैरता हंसों का एक परिवार। प्राकृतिक सुंदरता और सुकून भरे इस दृश्य में पक्षियों की सहज गतिविधियां मन मोह लेती हैं।

महिला आरक्षण पर विरोध की राजनीति

● नारी शक्ति वंदन विधेयक को लेकर बदलते तर्क और राजनीतिक नीयत पर सवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक को लेकर एक बार फिर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। जैसे ही इसे लागू करने की दिशा में पहल हुई, विपक्षी दलों के सुर बदलते नजर आए। यह वही विपक्ष है, जिसने 2023 में विधेयक पारित होने के समय इसे तत्काल लागू करने की मांग की थी। लेकिन अब जब इसे आगामी चुनावों में लागू करने की संभावना बनी है, तो विरोध के नए तर्क सामने रखे जा रहे हैं। यह स्थिति विरोध के लिए विरोध की राजनीति को ही उजागर करती है।

परिसीमन के बहाने टालने की कोशिश

विपक्षी दल अब यह दलील दे रहे हैं कि महिला आरक्षण से जुड़े परिसीमन को 2011 की जनगणना के बजाय नई जनगणना के आधार पर किया जाना चाहिए। देखने में यह तर्क तार्किक लग सकता है, लेकिन इसके पीछे की राजनीतिक मंशा पर सवाल उठते हैं। यदि नई जनगणना के आंकड़ों का इंतजार किया जाता है, तो यह प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से लंबी खिंचेगी और महिला आरक्षण का क्रियान्वयन 2029 के बजाय 2034 तक टल सकता है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह मांग वास्तव में सुधार के लिए है या फिर देरी की रणनीति का हिस्सा।

आरक्षण के भीतर आरक्षण की नई बहस

कुछ विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण के भीतर आरक्षण की मांग को भी प्रमुखता से उठाया है। यह मुद्दा सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन सवाल यह है कि जब 2023 में यह विधेयक सर्वसम्मति से पारित हुआ था, तब इस मांग पर जोर क्यों नहीं दिया गया? उस समय यदि यह मुद्दा उठाया जाता, तो शायद एक व्यापक और सर्वसमावेशी समाधान निकल सकता था। अब इसे अचानक प्रमुख मुद्दा बनाना राजनीतिक रणनीति अधिक प्रतीत होता है, न कि वास्तविक सामाजिक सरोकार।

सीट बढ़ोतरी को लेकर भ्रम

विपक्ष का एक और तर्क यह है कि महिला आरक्षण के साथ प्रस्तावित सीटों की बढ़ोतरी से कुछ राज्यों, खासकर दक्षिण भारत के राज्यों को नुकसान होगा। हालांकि उपलब्ध आंकड़े इस आशंका की पुष्टि नहीं करते। सीटों की बढ़ोतरी का फार्मूला ऐसा है, जिसमें विभिन्न राज्यों को संतुलित रूप से लाभ मिलेगा। उदाहरण के तौर पर, बिहार और तमिलनाडु दोनों में समान रूप से सीटें बढ़ने की संभावना है। इसी प्रकार गुजरात, आंध्र प्रदेश और राजस्थान में भी लगभग समान वृद्धि होगी। ऐसे में क्षेत्रीय असंतुलन का तर्क ठोस आधार से रहित नजर आता है।

प्रतिनिधित्व और प्रभावशीलता का पहलू

यह भी ध्यान देने योग्य है कि दक्षिण भारत के कई राज्यों में जनसंख्या अपेक्षाकृत कम है, जिससे वहां एक सांसद कम आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। इसका सीधा अर्थ है कि वह अपने क्षेत्र में अधिक प्रभावी ढंग से काम कर सकता है। ऐसे में यह कहना कि महिला आरक्षण से दक्षिण भारत को नुकसान होगा और उत्तर भारत को लाभ, एक सरलीकृत और भ्रामक तर्क प्रतीत होता है। इस तरह के तर्क राजनीतिक बहस को कमजोर ही करते हैं।

राजनीतिक लाभ-हानि का प्रश्न

विपक्षी दल यह भी आरोप लगा रहे हैं कि महिला आरक्षण के मौजूदा स्वरूप से सत्तारूढ़ दल को राजनीतिक लाभ मिलेगा। हालांकि यह दावा भी ठोस आधार पर खरा नहीं उतरता। यह मान लेना कि नई सीटों पर किसी एक दल की स्वत: जीत सुनिश्चित हो जाएगी, लोकतांत्रिक प्रक्रिया की जटिलताओं को नजरअंदाज करना है। चुनावी परिणाम कई कारकों पर निर्भर करते हैं, जिनमें स्थानीय मुद्दे, उम्मीदवार की छवि और मतदाताओं की प्राथमिकताएं शामिल होती हैं।

वास्तविक प्रतिबद्धता की कसौटी

यदि विपक्षी दल वास्तव में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो उन्हें अपने रुख में स्थिरता दिखानी होगी। 2023 में जिस एकजुटता के साथ इस विधेयक का समर्थन किया गया था, उसी भावना को बनाए रखना जरूरी है। यदि कोई सुधार आवश्यक है, तो उसे रचनात्मक सुझावों के माध्यम से सामने लाया जाना चाहिए, न कि विरोध के माध्यम से प्रक्रिया को बाधित किया जाए।

मजबूत तर्कों की आवश्यकता

लोकतंत्र में असहमति का अपना महत्व है, लेकिन वह तभी सार्थक होती है जब उसके पीछे ठोस तर्क और स्पष्ट दृष्टि हो। महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर कमजोर और विरोधाभासी तर्क न केवल राजनीतिक विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि सामाजिक सुधार की प्रक्रिया को भी धीमा करते हैं। आज जरूरत इस बात की है कि सभी दल मिलकर इस ऐतिहासिक पहल को प्रभावी और समयबद्ध तरीके से लागू करने की दिशा में काम करें, ताकि देश की आधी आबादी को उसका उचित प्रतिनिधित्व मिल सके।

प्रेरक प्रसंग

बच्चा और पेड़

एक समय की बात है। एक छोटे से गांव में नामू नाम का एक बालक अपनी मां के साथ रहता था। वह बहुत सरल, जिज्ञासु और संवेदनशील स्वभाव का था। एक दिन उसकी मां ने उसे जंगल में जाकर काढ़ा बनाने के लिए पलाश के पेड़ की छाल लाने को कहा। मां की आज्ञा मानते हुए नामू कुल्हाड़ी लेकर जंगल की ओर चल पड़ा। जंगल में पहुंचकर उसने काफी देर तक पलाश का पेड़ ढूंढ़ा। काफी खोजबीन के बाद उसे एक पलाश का पेड़ दिखाई दिया। उसने बिना अधिक सोचे-समझे कुल्हाड़ी से पेड़ की छाल उतार ली और उसे लेकर घर की ओर चल पड़ा। लेकिन लौटते समय उसके मन में कई तरह के विचार उठने लगे-क्या पेड़ को दर्द होता होगा? क्या उसे भी चोट लगती होगी? घर पहुंचकर उसने छाल अपनी मां को दे दी और घर के बाहर नीम के पेड़ के नीचे खाट पर बैठकर गहरी सोच में डूब गया। थोड़ी देर बाद उसकी मां ने उसे भोजन के लिए बुलाया। जब नामू उठकर अंदर जाने लगा, तो उसकी मां की नजर उसके पैर पर पड़ी। उसके पैर से खून बह रहा था। मां घबरा गई और तुरंत उसका पायजामा ऊपर उठाकर देखा। उसके पैर की चमड़ी छिली हुई थी। मां ने आश्चर्य से पूछा, 'यह क्या हुआ?' नामू ने शांत स्वर में कहा, 'मैंने खुद ही अपने पैर की चमड़ी कुल्हाड़ी से छील दी। मां क्रोधित और चिंतित होकर बोली, 'तू कितना मूर्ख है! कोई अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी चलाता है? इससे तेरे पैर में गंभीर घाव हो सकता है, यहां तक कि सड़न भी लग सकती है।

■ तब नामू ने बड़ी मासूमियत से कहा, 'मां, आपने ही तो मुझे पेड़ की छाल उतारने को कहा था। जब मुझे अपनी चमड़ी छीलने पर इतना दर्द हुआ, तो उस पेड़ को भी जरूर दर्द हुआ होगा। क्या पता वह पेड़ सूख जाए या उसे काटना पड़े। अपने बेटे की यह करुणा और संवेदना भरी बात सुनकर मां की आंखों में आंसू आ गए। उसने नामू को गले लगाते हुए कहा, 'बेटा, तू बहुत महान बनेगा।

■ कहते हैं कि यही नामू आगे चलकर महान संत भक्त नामदेव के नाम से प्रसिद्ध हुआ। सीख : हमें यह समझना चाहिए कि पेड़-पौधे और जीव-जंतु भी संवेदनशील होते हैं। उन्हें भी चोट पहुंचाने पर दर्द होता है, इसलिए हमें प्रकृति और सभी जीवों के प्रति दया और करुणा रखनी चाहिए।

राशिफल

मेष- नौकरी में कार्यभार रहेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आय में निश्चितता रहेगी। जोखिम न लें। एकाएक स्वास्थ्य खराब हो सकता है, लापरवाही न करें। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। व्यर्थ दौड़धूप होगी। विवाद से स्वाभिमान को चोट पहूंच सकती है।

वृषभ-व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। लाभ देगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि में जल्दबाजी न करें।

मिथुन- दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नए काम करने का मन बनेगा। फिजूलखर्ची ज्यादा होगी। शत्रु भय रहेगा। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। दूर यात्रा की योजना बनेगी। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में चैन रहेगा। जोखिम न लें।

कर्क- व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ने के योग हैं। कोई बड़ी समस्या का अंत हो सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। लेन-देन में सावधानी रखें। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

सिंह- स्वयं के काम पर ध्यान दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यापार ठीक चलेगा। कार्यकुशलता कम होगी। कोई बड़ा खर्च एकाएक सामने आएगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। कुसंगति से बचें।

कन्या- व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी न करें। घर के छोटे सदस्यों संबंधी चिंता रहेगी।

तुला-सुख के साधन जुटेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। धनहानि हो सकती है। सावधानी आवश्यक है।

वृश्चिक- तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। किसी जानकार व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय सताएगा। चिंता तथा तनाव

धनु- भागदौड़ होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। लाभ के लिए प्रयास करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मकर- व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि अपमान हो। व्यापार-व्यवसाय अनुकूल रहेगा। निवेश सोच-समझकर करें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। नौकरी में चैन रहेगा।

कुंभ- भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधी चिंता बनी रहेगी। आशंका व कुशंका रहेगी। कार्य में बाधा संभव है। उत्साह बना रहेगा। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। सुख के साधन जुटेंगे।

मीन-यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक का प्रयोग करें। समस्याएं कम होंगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा।

दैनिक हिंदमाता मिरर पैनी नजर, पुख्ता खबर

धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं देंगेः अमित शाह

परिसीमन का विरोध एससी-एसटी सीटों का विरोध, मुझे लगा विपक्ष बिल का समर्थन देगा इसलिए लाए

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

लोकसभा में परिसीमन और महिला आरक्षण पर शुक्रवार को जारी बहस के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने चर्चा का जवाब दिया। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि, इस संशोधन विधेयक का विपक्ष विरोध कर रहा है। इससे पहले लोकसभा के विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सरकार को घेरते हुए कहा था कि पार्टी महिलाओं के मुद्दे के पीछे छिपकर देश के चुनावी नक्शे को बदलने की कोशिश कर रही है। महिलाओं को आरक्षण देने की बजाय असली मुद्दों से ध्यान भटकाया जा रहा है।

एससी-एसटी की सीटें बढ़ाने का भी विरोध कर रहा विपक्ष

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बोलने के समय सबने कहा कि हम पक्ष में हैं। इंडी अलायंस के सदस्यों ने अगर-मगर, किंतु-परंतु करके महिला आरक्षण का विरोध किया है। मुझे लगा कि इम्प्लीमेंटेशन के तरीके का विरोध हो है, लेकिन नहीं। केवल और केवल महिला आरक्षण का विरोध है। ये तरीकों का नहीं, बिल का विरोध है। बिल का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण है। किसी किसी संसदीय क्षेत्र में 39 लाख वोटर हैं। संविधान में इसका अधिकार सरकार के पास है। जो सीटें बढ़ाने का विरोध कर रहे हैं, वह ये ध्यान में रखें कि एससी-एसटी की सीटें बढ़ाने का भी विरोध कर रहे हैं। संविधान में परिसीमन का प्रावधान है। अमित शाह ने कहा कि देश की जनता निर्णय करती है। जनता चुनकर सदन में भेजती है। परिसीमन के दौरान रोड, रेलवे आदि की स्थिति को भी सदन में बताया जाएगा। मोदी जी के नेतृत्व में सरकार यह संविधानिक सुधार लेकर आई है। साल 1971 में कांग्रेस सरकार थी। उस वक्त सीटों को फ्रीज कर दी गई थी। 71 से अबतक सीटों की संख्या अब तक फ्रीज रही। 127 सीटें ऐसी हैं जहां 20 लाख से ज्यादा मतदाता हैं। कोई मुझे बताए कि कोई भी सांसद इतने मतदाताओं वाले लोकसभा सीट को कैसे ठीक से देख सकता है।

परिसीमन को लेकर भ्रम फैला रहा है- शाह

अमित शाह ने विपक्ष के आरोपों पर सफाई देते हुए कहा, परिसीमन आयोग और संवैधानिक सुधारों को लेकर यह भ्रामक नैरेटिव (फैलाया जा रहा है, जबकि सच्चाई यह है कि इससे किसी भी राज्य का नुकसान नहीं होगा। वर्तमान में कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों की सदन में कुल 129 सीटें हैं, जो परिसीमन और सुधारों के बाद बढ़कर 195 हो जाएंगी। प्रतिशत की दृष्टि से देखें तो यह हिस्सेदारी 23.76% से बढ़कर 23.87% हो जाएगी। इसमें किसी के अहित की कोई गुंजाइश नहीं है। यदि विपक्ष को '50 फीसदी' का प्रावधान लिखित में चाहिए, तो मैं प्रस्ताव देता हूं कि सदन की कार्यवाही एक घंटे के लिए स्थगित की जाए। मैं इस विधेयक को आवश्यक सुधारों के साथ पुनः प्रस्तुत करने के लिए तैयार हूं। शाह ने कहा कि केसी वेणुगोपाल ने 50 प्रतिशत आरक्षण और 50 प्रतिशत सीटों की बात कही है। मैं इसके लिए पूरी तरह तैयार हूं; सदन की कार्यवाही को एक घंटे के लिए स्थगित किया जाए, मैं अभी इसमें सुधार कर सकता हूं। हमें न तो कोई चोरी करनी है और न ही कुछ लूटना है, इसलिए हमें इस पर कोई आपत्ति नहीं है। दूसरी शर्त के झांसे में नहीं आऊंगा। यह बिल को फिर से टालना चाहते हैं। विपक्ष वोट नहीं देगा तो बिल गिर जाएगा। देश की महिलाएं देख रही हैं कि उनकी राह का रोड़ा कौन है।

इस पर अखिलेश यादव ने पलटवार करते हुए कहा: अब तक का हमारा अनुभव यह रहा है कि यदि भाजपा लिखित में यह भी दे दे कि वे किसी महिला को प्रधानमंत्री बनाएंगे, तब भी हमें उन पर भरोसा नहीं होगा।

अमित शाह ने उत्तर दिया- राहुल गांधी ने जो प्रस्ताव रखा है, उस पर मैं कहना चाहता हूं कि महिला आरक्षण 2029 से पहले ही लागू होना चाहिए। इस देश की महिलाएं भली-भांति देख रही हैं कि उनके अधिकार के रास्ते में रोड़ा कौन अटका रहा है। आप शोर मचाकर आज तो बच सकते हैं, लेकिन चुनाव में माताएं और बहनें आपका हिसाब करेंगी।

मोदी सरकार ने महिलाओं को आगे बढ़ाया

अमित शाह ने आगे कहा कि वर्ष 1947 से लेकर 2014 तक विपक्ष ने निरंतर ओबीसी हितों का विरोध किया। लेकिन जब प्रधानमंत्री मोदी ने ओबीसी समाज को उनका वास्तविक हक दे दिया, तब आपको लगा कि चुनाव जीतने के लिए यह अनिवार्य है; इसीलिए अब आप ओबीसी के नाम की माला जप रहे हैं। इतिहास गवाह है कि जब एच.डी. देवेगौड़ा प्रधानमंत्री थे, तब 81वें संविधान संशोधन के लिए एक समिति बनी थी। जब उस समिति की रिपोर्ट आई, तो सदन में उसका कड़ा विरोध हुआ। विपक्ष ने बार-बार आरक्षण के मार्ग में बाधाएं उत्पन्न कीं और आज एक बार फिर सदन में महिला आरक्षण का विरोध शुरू हो गया है। जब ये लोग चुनाव में जाएंगे, तब इन्हें महिलाओं के भारी आक्रोश का सामना करना पड़ेगा और तब इन्हें भागने के लिए रास्ता भी नहीं मिलेगा। शाह ने कहा कि हमने सदैव महिला सशक्तिकरण का अनुसरण किया है। अखिलेश जी कह रहे थे कि हमने केवल एक महिला मुख्यमंत्री दी, जबकि सुषमा स्वराज और आनंदीबेन पटेल जैसी विभूतियों को मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी भाजपा ने ही दी थी। पिछले 70 वर्षों में कांग्रेस ने कई राज्यों में कभी किसी महिला को मुख्यमंत्री बनने का अवसर नहीं दिया, जबकि हमने इसे धरातल पर उतारा। हमारी सरकार ने ही देश की पहली आदिवासी महिला, माननीय द्रौपदी मुर्मू जी को महामहिम राष्ट्रपति बनाया। विपक्ष ने पहले भी इस बिल का विरोध किया था और आज भी कर रहे हैं। आज गर्व का विषय है कि देश में 14 लाख महिलाएं जनप्रतिनिधि के रूप में पंचायतों में सफलतापूर्वक कार्य कर रही हैं।

50 वर्षों तक देश की जनता को जनसंख्या के अनुपात में अधिकार नहीं मिला : शाह

गृह मंत्री ने आगे कहा कि 1976 में कांग्रेस पार्टी ने ही परिसीमन से जनता को वंचित रखा था। अब भी कांग्रेस ही जनता को इससे वंचित कर रही है। 50 वर्षों तक देश की जनता को जनसंख्या के अनुपात में अधिकार नहीं मिला। परिसीमन आयोग का एक नियम है, हर लोकसभा सीट पर जाकर एक-एक जनता से जानकारी लेती है। इसलिए इसमें समय लग सकता है। ये जरूरी है कि 2029 के लोकसभा चुनाव के दौरान ही इसे लागू किया जाए। 2029 में महिला आरक्षण देना है तो परिसीमन देना जरूरी है। गृह मंत्री ने कहा कि 1976 में देश की आबादी थी 56.79 अब आबादी काफी बढ़ गई है। सरकार का दायित्व है सदन के सदस्यों की संख्या बढ़े। अगर 2011 की जनगणना को आधार बनाया जाए तो हम 50 फीसदी हर राज्य में सीटें बढ़ाने की बात कर रहे हैं। कोरोना के कारण जनगणना नहीं हो पाया। कोरोना समाप्त होने के बाद देश को काफी समय लगा इससे उबरने में। 2024 लोकसभा चुनाव के बाद कई लोगों ने कहा कि जाति के आधार पर ही जनगणना कराया जाए। सरकार ने साल 2025 में कहा कि हम जाति जनगणना कराएंगे। आने वाले समय में जाति की गणना भी होगी। अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी ने कैबिनेट में जातिगत जनगणना का प्रस्ताव पास कर दिया है। विपक्ष को जातिगत जनगणना से कोई लेना-देना नहीं है, वे बस सदन में बाधा डालना चाहते हैं। मोदी जी की कैबिनेट ने 2026 की जनगणना जाति के साथ कराने का निर्णय लिया है; इसमें अब कोई 'किंतु-परंतु' नहीं है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार जातिगत जनगणना को टालने के लिए यह संशोधन लेकर आई है, जबकि तीन महीने पहले ही इसका पूरा समय-सारणी जारी कर दिया गया था और उसका पहला चरण अभी जारी भी है। फिर विपक्ष ने आरोप लगाया कि इससे दक्षिण भारत की हिस्सेदारी कम हो जाएगी। इस पर मैं कहता हूं कि दक्षिण तो क्या, छोटे-छोटे राज्यों को भी उनका पूरा अधिकार मिलेगा। सदन में बैठने वाला व्यक्ति क्या यह सोचता है कि वह किस राज्य से आता है? जो भी यहां आता है, वह पूरे भारत के लिए शपथ लेता है, किसी खास राज्य या लोकसभा क्षेत्र मात्र के लिए नहीं।

धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं देंगे : अमित शाह

अमित शाह ने कहा कि मैं सरकार की, संविधान की और भाजपा की नीति साफ करना चाहता हूं। संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण स्वीकार नहीं करता। संविधान में कहीं पर भी धर्म के आधार पर आरक्षण की मान्यता नहीं है। इंडी अलायंस ने तुष्टीकरण के कारण मुस्लिम आरक्षण की मांग खड़ी करना चाहते हैं। हमारी सरकार की नीति साफ है कि धर्म के आधार पर आरक्षण न आज देंगे न किसी को देने देंगे। ओबीसी आरक्षण पर- देश में ओबीसी का सबसे बड़ा कोई विरोध पार्टी है तो कांग्रेस है। इन्होंने चौधरी चरण सिंह और सीताराम केसरी, दोनों को कार्यकाल पूरा करने नहीं दिया। 1957 में काकासाहेब समिति के सुझाव आए, कांग्रेस ने सुझाव को ठंडे बस्ते में डाल दिया। इंदिरा सरकार में मंडल आयोग के सुझान को ठंडे बस्ते में डाल दिया। कांग्रेस पर निशान साधते हुए अमित शाह ने कहा कि नेहरू, इंदिरा और राजीव ने जीवन का सबसे लंबा भाषण मंडल आयोग का विरोध करने में दिया। क्योंकि अब मेल नहीं खा रहा है। 15-20 बार चुनाव हार गए तो ओबीसी का हितैशी बन रहे हैं। अति पिछड़ा समाज के व्यक्ति को पीएम बनाया। किसी ओबीसी को पीएम नहीं बनाया। मोदी सरकार में 27 मंत्री ओबीसी समुदाय से हैं, 40 फीसदी हैं। मोदी सरकार ने ओबीसी कमीशन को मान्यता दी। ओबीसी की सूचियों को संशोधित करने का अधिकार राज्यों को दिया।

पूरी तरह से खुल गया होर्मुज स्ट्रेट

लेबनान सीजफायर के बाद ईरान का ऐलान

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया का संकट धीरे-धीरे कम होता नजर आ रहा है। लेबनान और इजरायल के बीच हुए सीजफायर के बाद ईरान ने व्यापारिक जहाजों के लिए होर्मुज स्ट्रेट के दरवाजे खोल दिए हैं। शुक्रवार को ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने इस्लामी सरकार के इस फैसले का ऐलान करते हुए कहा कि सीजफायर की अवधि तक होर्मुज स्ट्रेट सभी व्यापारिक जहाजों के लिए खुला हुआ है। ईरानी विदेश मंत्री के इस ऐलान के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इसकी जानकारी देते हुए धन्यवाद कहा। हालांकि इसके कुछ देर बाद ही ट्रंप ने एक और सोशल मीडिया पोस्ट करते हुए कहा कि जब तक ईरान से शांति समझौता नहीं हो जाता, तब तक होर्मुज पर ईरानी ब्लाकेड जारी रहेगा। ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि लेबनान में हुए सीजफायर को देखते हुए सभी व्यापारिक जहाजों को होर्मुज से सुरक्षित रूप से निकलने की खुली छूट है। यह छूट सीजफायर की बाकी अवधि के लिए दी गई है। इन व्यापारिक जहाजों का पारागमन इस्लामिक गणराज्य के बंदरगाहों और समुद्री संगठन द्वारा पहले से घोषित मार्ग पर ही होगा।

ट्रंप ने किया स्वागत, लेकिन अमेरिकी ब्लाकेड जारी

ईरानी विदेश मंत्री के इस ऐलान के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इसका स्वागत किया। उन्होंने सोशल मीडिया साइट ट्रुथ सोशल पर लिखा कि ईरान ने हाल ही में होर्मुज को पूरी तरह से खोलने का ऐलान किया है। अब यह पूरी तरह से गुजरने के लिए तैयार है। धन्यवाद, इसके बाद एक और पोस्ट करते हुए ट्रंप ने लिखा कि होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह से खुला हुआ है और व्यापार करने के लिए तैयार है। लेकिन अमेरिकी ब्लाकेड तब तक जारी रहेगा, जब तक ईरान के साथ शांति समझौता नहीं हो जाता। हमें उम्मीद है कि यह जल्दी हो जाएगा। क्योंकि ज्यादातर मुद्दों पर बातचीत हो चुकी है। गौरतलब है कि ईरानी विदेश मंत्री की तरफ से यह बयान ऐसे समय में आया है, जब ईरान और अमेरिका एक बार फिर से बातचीत की टेबल पर आते हुए दिख रहे हैं। ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान को एक कठिन और स्मार्ट देश बताते हुए कहा था कि बातचीत का अगला दौर जल्दी ही शुरू हो सकता है।

मजबूर और बेबस हैं मुख्यमंत्री सिद्धारमैया: केएन राजन्ना

हिंदमाता नेटवर्क @ कर्नाटक

कर्नाटक की सत्ताधारी कांग्रेस के भीतर मची रार अब सरेआम हो चुकी है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेहद करीबी माने जाने वाले वरिष्ठ विधायक केएन राजन्ना ने अपनी ही सरकार के मुखिया पर कई आरोप लगाए हैं। राजन्ना का सीधा आरोप है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया इस वक्त एक 'बेबस' स्थिति में हैं और किसी अज्ञात दबाव में काम कर रहे हैं। राजन्ना के मुताबिक, मुख्यमंत्री के करीबियों को चुन-चुनकर निशाना बनाया जा रहा है, लेकिन वे चुप्पी साधे बैठे हैं।

अपनों को बचाने में नाकाम हैं सीएम?

दावणगेरे दक्षिण उपचुनाव के बाद कांग्रेस ने अल्पसंख्यक समुदाय के उन नेताओं पर गाज गिराई थी, जिन्हें सिद्धारमैया का वफादार माना जाता है। इसी कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए पूर्व मंत्री राजन्ना ने कहा कि पार्टी में कुछ स्वार्थी तत्व उन लोगों के खिलाफ साजिश रच रहे हैं जो पार्टी के प्रति वफादार रहे हैं। हमें अपने मुख्यमंत्री से उम्मीद थी कि वे संकट के समय अपने लोगों के साथ मजबूती से खड़े होंगे, लेकिन उनका साथ न देना बेहद दुखद है। जब राजन्ना से पूछा गया कि आखिर सिद्धारमैया को बेबस किसने बनाया है, तो उन्होंने कहा कि मैं नाम नहीं लूंगा, आप खुद समझदार हैं। लोग कह रहे हैं कि सिद्धारमैया के करीबियों को किनारे लगाया जा रहा है। पता नहीं उनकी क्या मजबूरी है, जो वे इस कदर तटस्थता दिखा रहे हैं।

राजन्ना ने बिना नाम लिए डीके शिवकुमार पर साधा निशाना

राजन्ना ने पार्टी के भीतर अनुशासन के नाम पर जारी कार्रवाई को भी कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने बिना नाम लिए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जब कोई नेता राहुल गांधी का अपमान करने वालों के साथ मंच साझा करता है या विपक्षी मुख्यमंत्रियों की तारीफ करता है, तब उसे अनुशासनहीनता क्यों नहीं माना जाता? राजन्ना ने कहा कि शामनूर शिवशंकरप्पा जैसे दिग्गजों ने सार्वजनिक मंच से भाजपा के लिए वोट मांगे, लेकिन तब पार्टी नेतृत्व ने उन्हें एक मौखिक चेतावनी तक नहीं दी। फिर आज सिर्फ सिद्धारमैया के समर्थकों को ही निशाना क्यों बनाया जा रहा है?

दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों को नहीं मिलेगी SC/ST/OBC जैसी छूट

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को एक फैसले में कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के उम्मीदवार केंद्र सरकार की सीधी भर्ती या नौकरियों में एससी एसटी या ओबीसी श्रेणियों के समान आयु में छूट या परीक्षा के अतिरिक्त प्रयास की मांग नहीं कर सकते। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति अमित महाजन की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि ईडब्ल्यूएस वर्ग को होने वाली आर्थिक वंचना को जाति-आधारित भेदभाव के समकक्ष नहीं माना जा सकता। अदालत ने कहा कि ईडब्ल्यूएस को आयु छूट और प्रयासों में छूट न देने की सरकारी नीति दुष्प्रेरित, मनमानी या असंवैधानिक नहीं है।

■ खंडपीठ ने ईडब्ल्यूएस श्रेणी के कुछ उम्मीदवारों द्वारा दायर याचिका खारिज कर दी। याचिकाकर्ताओं ने केंद्र सरकार की भर्तियों में एससी एसटी और ओबीसी उम्मीदवारों को मिलने वाली ऊपरी आयु सीमा में छूट तथा परीक्षा के अतिरिक्त अवसरों के समान लाभ की मांग की थी। अदालत ने अपने फैसले में टिप्पणी की कि विभिन्न आरक्षित श्रेणियों को अलग-अलग छूट देने का नीतिगत फैसला विधायिका और कार्यपालिका के क्षेत्राधिकार में आता है। ईडब्लूएस वर्ग की वंचना जाति-आधारित ऐतिहासिक अन्याय से भिन्न है, इसलिए दोनों श्रेणियों के लिए समान छूट अनिवार्य नहीं है। यह निर्णय केंद्र सरकार की मौजूदा नीति को बरकरार रखता है, जिसमें ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों को सामान्य श्रेणी की तरह ही आयु सीमा और प्रयासों की संख्या लागू होती है।

प्रधानमंत्री आवास के पास व्यापारी के घर नौकर ने की लूटपाट

ले गया 32 लाख के जेवर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री आवास से कुछ दूरी पर एक व्यापारी के घर में सनसनीखेज लूटपाट हुई है। यह घटना 187 गोल्फ लिंक सड़क पर सामने आई है। बताया जा रहा है कि व्यापारी के नौकर ने इस वारदात को अंजाम दिया। उसने अपने दो-तीन साथियों को घर बुलाया था। बदमाशों ने व्यापारी के पिता, पत्नी और बच्चों के साथ मारपीट की। वे घर में रखे 32 लाख से अधिक के जेवर लेकर फरार हो गए।

शराब कारोबारी है पीड़ित

पीड़ित व्यापारी की पहचान अंकित चावला के रूप में हुई है। उनका शराब का कारोबार है। नई दिल्ली जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने इस लूटपाट की पुष्टि की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जांच और कार्रवाई

पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए टीमें गठित की हैं। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार करने का दावा कर रही है। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है।

यूपी के किसानों को कई फसलों के बीज के साथ मिलेंगी 4 लाख मिनी किट

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

कृषि विभाग खरीफ सीजन में हरी खाद के साथ उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए चार लाख मिनी किट के माध्यम से 20 हजार क्विंटल बीज का वितरण करेगा। प्रत्येक मिनीकिट में एक-एक किलो ढैंचा, मक्का व उर्द और आधा-आधा किलो ग्वार, भिंडी, लोबिया व ज्वार के बीज शामिल होंगे। किसानों को 45,000 कुंतल ढैंचा बीज का अलग से भी वितरण किया जाएगा। शुक्रवार को विधान भवन स्थित सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि किसानों की रासायनिक खाद पर निर्भरता को कम करने और हरी खाद के प्रयोग को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित करने की कोशिश तेज की जाए। जिससे मृदा स्वास्थ्य और कृषि उत्पादकता में सुधार हो सके। बीज वितरण लक्ष्य को लेकर बताया गया कि खरीफ-2026 में सभी फसलों के लिए कुल 2,33,177 क्विंटल बीज का वितरण लक्ष्य रखा गया है।

नेपाल में भारतीय वाहनों पर कस्टम लागू

बालेन सरकार के फैसले से सीमा पर आक्रोश; गृहमंत्री को ज्ञापन

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत-नेपाल सीमा पर वर्षों से चले आ रहे सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंधों के बीच अब एक नया विवाद खड़ा होता दिख रहा है। भारतीय नंबर प्लेट वाले वाहनों पर नेपाल में भंसार अनिवार्य करने के खिलाफ सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में सलार्ही जिले के मलंगवा के माध्यम से नेपाल सरकार के गृहमंत्री को एक ज्ञापन भेजा गया है। कोड़ेना गांव पालिका के मेयर रूपेश कुमार के नेतृत्व में ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। इसमें सरकार के हालिया निर्णय पर गहरी चिंता जताई गई है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि भारत और नेपाल के बीच केवल एक अंतरराष्ट्रीय सीमा ही नहीं, बल्कि सदियों पुराना धार्मिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक रिश्ता भी जुड़ा हुआ है। सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों के बीच विवाह, व्यापार और दैनिक आवागमन हमेशा से सहज और निर्बाध रहा है। विशेष रूप से विवाह के दौरान भारतीय नंबर प्लेट वाले वाहन दहेज के रूप में मिलने की परंपरा का भी जिक्र करते हुए कहा गया कि ऐसे वाहनों का सीमित क्षेत्र में उपयोग लंबे समय से होता आया है, जिस पर कभी कोई विवाद नहीं रहा।

'दोनों देशों के नागरिकों पर पड़ेगा फैसले का असर'

मेयर रूपेश कुमार ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि इस निर्णय को वापस नहीं लिया गया, तो इसका असर दोनों देशों के नागरिकों के बीच वैवाहिक संबंधों, सामाजिक सौहार्द और दैनिक जीवन पर नकारात्मक रूप से पड़ेगा। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया कि यह प्रतिबंध केवल वाहनों तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे सीमावर्ती क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था, सामाजिक ताना-बाना और आपसी विश्वास भी प्रभावित होगा। लोगों ने सरकार से अपील की है कि वह जनता की भावनाओं को समझते हुए जल्द सकारात्मक निर्णय ले, ताकि भारत-नेपाल के बीच सदियों से चले आ रहे रिश्तों की गर्माहट बनी रहे। सीमावर्ती इलाकों में उठी यह आवाज अब एक बड़े मुद्दे का रूप लेती जा रही है। इससे पहले, कई पार्टी के नेता भी बैठक कर भारतीय वाहनों पर सख्ती के खिलाफ सरकार को चेतावनी दे चुके हैं। देखना होगा कि नेपाल सरकार इस जनभावना को कितनी गंभीरता से लेती है और क्या इस फैसले में बदलाव की कोई संभावना बनती है या नहीं? ज्ञापन में बताया गया कि सीमावर्ती नागरिक वर्षों से 25 किलोमीटर तक स्वतंत्र रूप से आवागमन करते रहे हैं, जिससे उनकी रोजमर्रा की जरूरतें पूरी होती रही हैं।

हिंदमाता एंकर: करीब 50 दिन बाद अब इस मामले में सदर थाना पुलिस ने देश की एकता, अखंडता, संप्रभुता व सुरक्षा को खतरे में डालने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है...

अंबाला में हाईवे किनारे लगे मिले पाकिस्तानी कैमरे, देश की सुरक्षा खतरे में डालने का केस दर्ज

हिंदमाता नेटवर्क @ अंबाला

राष्ट्रीय राजमार्ग 152- डी पर पुलिस को दो सीसीटीवी कैमरों से देश से जुड़ी जानकारी पाकिस्तान पहुंचाई जा रही थी। यह दोनों सीसीटीवी सोलर सिस्टम से आपरेट किए जा रहे थे जबकि इनमें से एक में सिम भी चल रहा था। इन्हीं संदिग्ध सीसीटीवी कैमरों ने अब सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी है। करीब 50 दिन बाद अब इस मामले में सदर थाना पुलिस ने देश की एकता, अखंडता, संप्रभुता व सुरक्षा को खतरे में डालने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला 26 फरवरी को सामने आया था तब तक पुलिस को यह लग रहा था कि शायद यह कैमरे किसी विभाग ने लगाए होंगे। लेकिन करीब डेढ़ महीने की जांच और पूछताछ के बाद जब किसी भी विभाग द्वारा इन कैमरों की जिम्मेदारी नहीं ली गई तो पुलिस ने इसे गंभीर मानते हुए केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बता दें कि इससे पहले मार्च माह में गांव मलौर में बिजली के खंभे पर सोलर और सिम से आपरेट होने वाले सीसीटीवी कैमरे बरामद हुए थे जिनसे एयरफोर्स स्टेशन बकनौर से जुड़ी जानकारी लीक करने का संदेह जताया गया था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने करीब आठ दिन पहले पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ द्वारा संचालित एक बड़े जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए 11 सदस्यों को गिरफ्तार किया था। अंबाला में भी इसी गैंग ने इन दोनों कैमरों को इंस्टाल किया था। जांच में खुलासा हुआ था कि गिरोह के सदस्य सैन्य ठिकानों, रेलवे स्टेशनों समेत अन्य संवेदनशील स्थानों की लोकेशन, फोटो, वीडियो पाकिस्तान भेज रहे थे। इन लोगों ने दिल्ली कैंट, अंबाला और सोनीपत रेलवे स्टेशन पर सोलर बेस्ड कैमरे भी लगाए थे। इन कैमरों की फीड पाकिस्तान दी गई थी। इस मामले में दिल्ली पुलिस अभी तक 26 से अधिक आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है।

दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल द्वारा पकड़े गए आरोपितों से ही अंबाला में लगे सीसीटीवी कैमरों का कनेक्शन जुड़ा है। दिल्ली पुलिस की पूछताछ खत्म होने के बाद आरोपितों को जल्द ही प्रोडक्शन वारंट पर अंबाला पुलिस लाएगी ताकि आरोपितों से पूछताछ की जा सके।

- अजीत सिंह शेखावत, एसपी अंबाला

ऐसे हुआ खुलासा

जानकारी के अनुसार एएसआइ रविश कुमार, जो उस समय थाना सदर थाने में जांच अधिकारी के तौर पर तैनात थे, 26 फरवरी को एक सड़क हादसे के केस जोकि 15 फरवरी को दर्ज हुआ था की जांच के सिलसिले में गांव देवीनगर के पास नेशनल हाईवे-44 पर पहुंचे। इसी दौरान उन्होंने हाईवे-152 के ओवरब्रिज पर दो कैमरे लगे हुए देखे, जो सामान्य निगरानी सिस्टम से अलग और संदिग्ध लगे। यह लकड़ी के तख्ते के सहारे अटैच किए गए थे। प्राथमिक स्तर पर इन कैमरों की पहचान के लिए उन्होंने टोल प्लाजा प्रबंधन से संपर्क किया। टोल मैनेजर विनोद कुमार ने साफ कहा कि ये कैमरे टोल के नहीं हैं। इसके बाद ट्रैफिक थाना मोहड़ा के एसएचओ जोगिंद्र से बात की गई, उन्होंने भी ऐसे किसी कैमरे से इनकार कर दिया। मामला और गहराया जब नेशनल हाईवे अथारिटी आफ इंडिया (एनएचएआइ) के अधिकारी ललित ने भी इन कैमरों से अपना कोई संबंध होने से इनकार कर दिया। इसके बाद हाईवे पर निर्माण कार्य कर रही एजेंसी के कर्मचारियों और उनके अधिकारी तेजेंद्र पांडे से भी पूछताछ की गई, लेकिन वहां से भी कोई जानकारी नहीं मिली।

दम है तो गोरखपुर से चुनाव लड़कर दिखाएं

स्मृति ईरानी का अखिलेश पर पलटवार

हिंदमाता नेटवर्क @ गोरखपुर

लोकसभा में सपा सांसद अखिलेश यादव के बयान के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि पुराने विषयों को लेकर सवाल उठाना आसान है। अगर इतना ही दम है तो अपने पैतृक क्षेत्र (कन्नौज) को छोड़कर गोरखपुर से चुनाव लड़कर दिखाएं। लेकिन उनमें इतना दम नहीं। हमने तो कांग्रेस अध्यक्ष को उनके गढ़ (अमेठी) में हराया है। ईरानी ने उपरोक्त बातें वाराणसी में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहीं।

अखिलेश यादव का शायराना तंज

इसके बाद सपा मुखिया ने एक बार फिर पलटवार किया। चार लाइन लिखकर उन्होंने स्मृति ईरानी और बीजेपी पर जनता से दूर होने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा-

हर बात से अगर साजिश की बू आई न होती,

यकीन करते लोग अगर बात जुमलाई न होती,

दरअसल अगर अवाम से दोस्ती निभाई होती,

तो इतनी जल्दी विदाई की घड़ी आई न होती।

फिलहाल, दोनों नेताओं के बीच यह जुबानी जंग अब और तेज हो गई है। यूपी चुनाव से पहले इस बयानबाजी ने सूबे का सियासी पारा हाई कर दिया है। अब देखना होगा कि ईरानी के इस बयान के बाद अखिलेश की ओर से क्या रिएक्शन आएगा।

स्मृति ईरानी का पलटवार

दरअसल, संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण बिल पर चर्चा के दौरान अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए स्मृति ईरानी पर 'सास-बहू' सीरियल को लेकर तंज कसा। इस पर पलटवार करते हुए स्मृति ईरानी ने कहा जिन्हें राजनीति विरासत में मिली है, उन्हें उनकी याद आना अच्छा है। उन्होंने अखिलेश को सीरियल छोड़कर संसद के काम पर ध्यान देने और महिला सशक्तीकरण बिल का समर्थन करने की सलाह दी। ईरानी ने कहा कि उन्होंने अपनी पहचान मेहनत से बनाई है। बकौल स्मृति ईरानी- 'मुझ जैसी कामकाजी महिला ने किसी और के गढ़ में जाकर परचम गाड़ा और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष को हराया है। अगर आप इतना ही दमखम रखते हैं तो पैतृक सीट छोड़कर गोरखपुर से लड़कर दिखाएं। कामकाजी महिला पर टिप्पणी करना आसान होता है, खासकर उनके लिए जिन्होंने कभी खुद कहीं नौकरी ना की हो। हम जैसे लोग टैक्स भरते हैं, इसलिए नहीं कि सदन में सास-बहू की बातें हो। संसद में जाकर अपने संसदीय कार्य पर ध्यान दें। हालांकि, इस बात की खुशी भी है कि उनका उत्तर प्रदेश में विपक्ष में रहना सुनिश्चित है। क्योंकि यूपी की राजनीति करने वालों को इतना पता है कि गांव-गांव और पात-पात घूमते-घूमते इतना वक्त बीत जाता है कि सीरियल देखने का टाइम एक गंभीर राजनेता के पास नहीं होता है।' इससे पहले पूर्व मंत्री ने 'एक्स' पर लिखा- 'सुना है आज अखिलेश जी ने संसद में मुझे याद किया। अच्छा है, जिनको राजनीति धरोहर में मिली, वे उनको भी याद करते हैं जो अपने दम पर आसमान में सुराख करते हैं। कामकाजी औरत पर वे टिप्पणी करते हैं जिन्होंने जिंदगी में कभी कोई नौकरी नहीं की। सीरियल से हटाकर संसद पर ध्यान लगाएं, महिलाओं के संबल हेतु अहम बिल पास कराएं।'

यूपी को दहलाने की बड़ी साजिश का पर्दाफाश

पाकिस्तान से साउथ अफ्रीका तक फैला टेरर नेटवर्क

हिंदमाता नेटवर्क @ बिजनौर

उत्तर प्रदेश पुलिस और एटीएस ने राजस्थान से राजूराम गोदारा और बिजनौर से समीर उर्फ रोहान को गिरफ्तार करके एक बड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। ये दोनों आरोपी मेरठ से पहले ही पकड़े जा चुके शाकिब के साथ मिलकर पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स के निर्देश पर काम कर रहे थे। इनका मुख्य उद्देश्य टेलीग्राम और वीडियो कॉल के जरिए युवाओं का ब्रेनवॉश करना और उन्हें हथियार चलाने की ट्रेनिंग देना था। इस नेटवर्क ने रेलवे सिग्नल खराब कर भीड़भाड़ वाली जगहों पर ब्लास्ट और हिंदू नेताओं की रेकी करने की योजना बनाई थी। पुलिस ने जांच में पाया कि विदेश में बैठे आकिब, मैजुल और आजाद इस पूरी साजिश के मुख्य सूत्रधार हैं।

रेलवे ट्रैक और भीड़भाड़ वाले इलाके निशाने पर

दूसरी तरफ, राजस्थान से गिरफ्तार राजूराम गोदारा इस नेटवर्क के टेलीग्राम ग्रुप का एडमिन था। राजूराम ने निमिष रस्तोगी नामक व्यक्ति की गाड़ी जलाकर उसका वीडियो शाकिब को भेजा था। एटीएस ने खुलासा किया है कि शाकिब, अरबाब, विकास और लोकेश के साथ मिलकर ट्रेन सिग्नल सिस्टम को खराब कर बड़े नरसंहार की प्लानिंग कर रहा था। इन आरोपियों का मकसद भीड़भाड़ वाले इलाकों में विस्फोट करके पूरे प्रदेश में अराजकता फैलाना और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ना था।

टेलीग्राम और वीडियो कॉल से रिक्रूटमेंट

इस टेरर मॉड्यूल की संरचना बेहद जटिल है। बिजनौर से पकड़े गए समीर उर्फ रोहान के पास से हथियारों की तस्वीरें और उन जगहों की लोकेशन मिली हैं जहां हिंसा फैलानी थी। समीर वीडियो कॉल के जरिए सऊदी अरब में बैठे आकिब और साउथ अफ्रीका के मैजुल व आजाद को हथियारों का प्रदर्शन करता था। वह बिजनौर में रहकर टेलीग्राम ग्रुप्स के माध्यम से नए युवाओं को जोड़ रहा था ताकि उन्हें राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिए तैयार किया जा सके।

मास्टरमाइंड की खौफनाक मोडस ऑपरेंडी

जांच में सामने आया कि मास्टरमाइंड AK-47 और ग्रेनेड दिखाकर युवाओं को उकसाते थे। ये आरोपी यूपी के महत्वपूर्ण स्थानों की तस्वीरें खींचकर पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स को भेजते थे। एटीएस, एसटीएफ और यूपी पुलिस अब इनके इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के जरिए इस नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। पुलिस का मानना है कि आने वाले दिनों में इस मॉड्यूल से जुड़े कुछ और बड़े चेहरों की गिरफ्तारियां संभव हैं।

शॉर्ट स्टोरी

नीतीश कुमार के सरकारी घर का नया पता, मिली Z प्लस सुरक्षा

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार कल दिल्ली रवाना हो सकते हैं। उनके इस दिल्ली दौरे की सबसे बड़ी चर्चा उनके रहने के नए ठिकाने और उनकी सुरक्षा को लेकर हो रही है। दिल्ली में अब नीतीश कुमार का सरकारी पता बदल गया है, उन्हें सुनहरी बाग स्थित बंगला नंबर 9 आवंटित किया गया है। यह कोई साधारण घर नहीं है, बल्कि 'टाइप-8' कैटेगरी का एक बेहद आलीशान बंगला है, जिसमें तमाम आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। इसके साथ ही, अब दिल्ली में नीतीश कुमार की सुरक्षा का जिम्मा CRPF के हाथों में होगा, जो उन्हें Z प्लस कैटेगरी की सुरक्षा कवर देगी। नीतीश कुमार का यह दिल्ली दौरा काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि वे वहां संसद के विशेष सत्र की कार्यवाही में शामिल हो सकते हैं। लेकिन दिल्ली पहुंचने से पहले ही राजधानी में उनके लिए जिस तरह के खास इंतजाम किए गए हैं, वे उनके सियासी दबदबे की कहानी खुद-ब-खुद बयां कर रहे हैं। उन्हें सुनहरी बाग स्थित बंगला नंबर 9 आवंटित किया गया है, जो टाइप-8 कैटेगरी का एक आलीशान आवास है और इसमें हर तरह की हाई-प्रोफाइल सुविधाएं मौजूद हैं। अब बात करते हैं उनकी सुरक्षा की, जो इतनी कड़ी होगी कि परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा। सुरक्षा की 'येलो बुक' और 'ब्लू बुक' के कड़े नियमों के मुताबिक, नीतीश कुमार के चारों तरफ अब 58 जांबाज कमांडो तैनात रहेंगे। यह Z प्लस सिक्योरिटी का ऐसा घेरा है जिसे भेदना नामुमकिन है।

पोल्ट्री फार्म में आग लगने से करीब 4 हजार मुर्गे जले

ग्रामीणों में मची 'रोस्टेड' चिकन लूटने की होड़

हिंदमाता नेटवर्क @ हमीरपुर

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में कुरारा थाने के कुसमरा गांव में शॉर्ट सर्किट होने से दो पोल्ट्री फार्म में भीषण आग लग गई। इस घटना में आमिर कुरैशी के फार्म हाउस में तैयार करीब चार हजार मुर्गे और चूजे जलकर मर गए। आग बुधवार को खेतों में बने फार्म में लगी, जिससे मालिक को लगभग 10 लाख रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक सब कुछ जल चुका था। घटना के बाद बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीण आग में झुलसे हुए मुर्गों को उठाकर अपने साथ ले गए।

शॉर्ट सर्किट ने मचाई तबाही, लाखों का नुकसान

खालेपुरा निवासी आमिर कुरैशी के कुसमरा गांव स्थित पोल्ट्री फार्म में यह हादसा हुआ। मजदूरों के अनुसार, अचानक हुए शॉर्ट सर्किट ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और दोनों फार्म धू-धूकर जल उठे। इन फार्मों में दो-दो हजार मुर्गे बिक्री के लिए पूरी तरह तैयार थे, जिन्हें जल्द ही ऑर्डर पर भेजा जाना था। आग इतनी तेजी से फैली कि दमकल दस्ते के पहुंचने से पहले ही 10 लाख का माल खाक हो गया।

भुने हुए मुर्गों की मची लूट

हादसे के बाद एक हैरान करने वाला दृश्य सामने आया। जैसे ही आग बुझी, वहां जमा हुए ग्रामीण मरे हुए मुर्गों को लूटने लगे। लोग दो-दो, चार-चार भुने हुए मुर्गे उठाकर भागते दिखाई दिए। पोल्ट्री फार्म मालिक आमिर कुरैशी ने इस पर कोई आपत्ति नहीं जताई। उनका कहना था कि जलकर मरने के बाद वैसे भी इन मुर्गों को फेंकना ही पड़ता, ऐसे में अगर ग्रामीण इन्हें ले गए तो कोई बात नहीं।

मेरी उससे शादी कराओ वरना.. टावर पर जा चढ़ी प्यार में पागल नाबालिग लड़की

हिंदमाता नेटवर्क @ चांदी

तपती धूप, 200 फीट ऊंचा टावर और नीचे सांसें थामे खड़े सैकड़ों लोग! यह कोई फिल्म की शूटिंग नहीं, बल्कि बिहार के भोजपुर में प्यार के जुनून का वो मंजर था जिसने पुलिस और प्रशासन के पसीने छुड़ा दिए। एक नाबालिग लड़की टावर की सबसे ऊंची चोटी पर जाकर बैठ गई और नीचे खड़ी भीड़ बस तमाशा देखती रही, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो चांदी थाना क्षेत्र के बहियारा गांव की है, जो पिछले मंगलवार की बताई जा रही है। दरअसल, यह पूरा मामला चांदी थाना क्षेत्र के बहियारा गांव का है। यहां एक नाबालिग लड़की पर प्यार का ऐसा भूत सवार हुआ कि उसने अपनी जान की भी परवाह नहीं की। करीब 200 फीट ऊंचे BSNL टावर पर चढ़कर वह घंटों तक अपनी जिद पर अड़ी रही। उसकी मांग बस एक थी कि 'मेरी शादी मेरे प्रेमी से कराओ'। गांव वालों ने काफी मिन्नतें कीं, लेकिन ऊपर बैठी लड़की टस से मस नहीं हुई। खबर मिलते ही चांदी थानाध्यक्ष राकेश रौशन और महिला एसआई मधु कुमारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। जब समझाने का दौर शुरू हुआ, तो महिला अफसर ने मनोवैज्ञानिक तरीका अपनाया।

राहुल गांधी पर FIR दर्ज करने का आदेश

दोहरी नागरिकता केस में बढ़ी मुश्किलें

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने एक बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि रायबरेली में कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ FIR दर्ज की जाए। यह मामला उनकी ब्रिटिश नागरिकता से जुड़ा है। यानी सवाल यह है कि क्या राहुल गांधी के पास भारत के साथ-साथ ब्रिटेन की भी नागरिकता है। और अगर है, तो क्या वो भारत के सांसद बन सकते हैं? बीजेपी नेता विग्नेश शिशिर ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में एक याचिका दाखिल की थी। उनकी मांग थी कि राहुल गांधी के खिलाफ FIR दर्ज की जाए क्योंकि उन पर आरोप है कि उनके पास ब्रिटेन की नागरिकता है।

आरोप क्या है राहुल गांधी पर?

आरोप यह है कि राहुल गांधी के पास दोहरी नागरिकता है। यानी वो एक तरफ भारतीय नागरिक हैं, और दूसरी तरफ ब्रिटिश नागरिक भी हैं। भारत का कानून कहता है कि एक व्यक्ति के पास सिर्फ एक देश की नागरिकता हो सकती है। अगर किसी के पास दोहरी नागरिकता है, तो वो भारत में चुनाव नहीं लड़ सकता और न ही सांसद बन सकता है।

केंद्र सरकार की क्या भूमिका रही?

विग्नेश शिशिर ने अपने बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने इस मामले से जुड़ी टॉप सीक्रेट फाइलें कोर्ट के सामने पेश करने की अनुमति दी। उनका कहना है कि इन्हीं फाइलों की वजह से कोर्ट ने यह फैसला दिया।

आगे क्या होगा?

अब CBI इस मामले की जांच करेगी। FIR दर्ज होने के बाद जांच एजेंसी यह पता लगाएगी कि राहुल गांधी के पास सच में ब्रिटिश नागरिकता है या नहीं। विग्नेश शिशिर ने यह भी कहा है कि वो जांच में पुलिस की मदद करेंगे।

रायबरेली से चुनाव जीतने पर उठा सवाल

2024 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी रायबरेली सीट से सांसद चुने गए। इसके बाद विग्नेश शिशिर ने कोर्ट में याचिका लगाई कि अगर राहुल गांधी की ब्रिटिश नागरिकता है, तो उनका सांसद बनना गैरकानूनी है।

कोर्ट ने क्या कहा?

जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की बेंच ने याचिका सुनी और FIR दर्ज करने का आदेश दे दिया। कोर्ट ने रायबरेली थाने को निर्देश दिया कि वो राहुल गांधी के खिलाफ केस दर्ज करे। इसके अलावा कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार की यह मांग भी मान ली कि इस मामले की जांच CBI को सौंपी जाए।

कांग्रेस ने कभी पूरा नहीं किया महिला आरक्षण का वादा

बरसीं मायावती, सपा को भी लपेटा

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने एक बार फिर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर बड़ा हमला बोला है। मायावती का कहना है कि महिला आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस अब जो बड़ी-बड़ी बातें कर रही है, वो महज एक दिखावा है। उन्होंने कांग्रेस को गिरगिट की तरह रंग बदलने वाली पार्टी करार देते हुए साफ कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब उसने कभी SC, ST और OBC के आरक्षण का कोटा पूरा करने की कोशिश नहीं की। मायावती का यह वार सीधे तौर पर कांग्रेस के उस दावे पर है जिसमें वो अब इन वर्गों के हक की बात कर रही है। मायावती ने पुरानी बातों को याद दिलाते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा इन वर्गों के संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के साथ खिलवाड़ किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस जब केंद्र की सरकार चला रही थी, तब उसने कभी भी पिछड़ों या दलितों के कोटे को भरने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया। आज वही पार्टी महिला आरक्षण के बहाने वोट बैंक की राजनीति कर रही है। यही नहीं, मायावती ने इतिहास के पन्नों को पलटते हुए मंडल कमीशन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ओबीसी समाज को जो 27 प्रतिशत आरक्षण मिला, उसे भी कांग्रेस ने लागू नहीं किया था।

जब सरकार में होती है सपा, तो भूल जाती है पिछड़ों का हक

मायावती के निशाने पर सिर्फ कांग्रेस ही नहीं थी, उन्होंने समाजवादी पार्टी को भी जमकर घेरा। उन्होंने यूपी का एक पुराना किस्सा याद दिलाते हुए कहा कि 1994 में जब पिछड़े मुस्लिमों को ओबीसी का फायदा देने की रिपोर्ट आई थी, तो उस वक्त की सपा सरकार ने उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया था। लेकिन जब 1995 में बीएसपी की सरकार बनी, तो इस फैसले को तुरंत लागू कर दिया गया। मायावती ने तंज कसते हुए कहा कि सपा जब सत्ता से बाहर होती है, तो बड़ी-बड़ी बातें करती है, लेकिन सरकार में आते ही इनका रवैया पूरी तरह बदल जाता है।

नोएडा में बनेंगी मेट्रो की तीन और लाइनें

किन इलाकों को होगा फायदा, कब होगी शुरुआत?

हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा

दिल्ली-NCR में तेजी से बढ़ते शहरी विस्तार के बीच नोएडा और ग्रेटर नोएडा में रहने वाले लोगों के लिए एक अच्छी खबर है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट को जोड़ने वाले तीन नए मेट्रो रूट प्रस्तावित हैं। इसमें बॉटनिकल गार्डन लिंक, ग्रेटर नोएडा वेस्ट कनेक्टिविटी और बोडाकी ट्रांसपोर्ट हब शामिल है। प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार अगले 5 साल में ये तीन नए मेट्रो रूट संचालित हो जाएंगे, जिससे इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में लंबे समय से मेट्रो की मांग भी हो रही है। मेट्रो के विस्तार का सबसे बड़ा असर यहां के लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी, नौकरी के अवसर और कारोबार भी पड़ेगा।

सबसे अहम है ये प्रोजेक्ट

सबसे अहम प्रोजेक्ट है एक्वा लाइन का विस्तार, जो सेक्टर-142 से बॉटनिकल गार्डन तक करीब 11.5 किमी लंबा होगा और इसमें 8 नए स्टेशन बनाए जाने की योजना है। अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए डिटेल सर्वे का काम चल रहा है, जो करीब तीन महीने में पूरा होने की संभावना है। उसके बाद निर्माण के लिए टेंडर जारी किए जाएंगे।

सेक्टर 51 से ग्रेटर नोएडा वेस्ट रूट

दूसरी तरफ, ग्रेटर नोएडा वेस्ट के लिए भी मेट्रो कनेक्टिविटी पर काम जारी है, हालांकि इसमें चरणबद्ध तरीके से स्टेशन बनाए जाएंगे। यह इलाका तेजी से बढ़ती आबादी का केंद्र बन चुका है, जहां लाखों लोग रहते हैं और लंबे समय से बेहतर पब्लिक ट्रांसपोर्ट की मांग कर रहे हैं। नोएडा सेक्टर 51 से ग्रेटर नोएडा वेस्ट रूट से लिए संशोधित डीपीआर तैयार की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही इसे केंद्र सरकार के पास भेजा।

मणिपुर की लड़की की झांसी में संदिग्ध मौत, कब्रिस्तान में शव दफनाने पहुंचा बॉयफ्रेंड

पति ने पहुंचकर जमकर काटा बवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ झांसी

उत्तर प्रदेश के झांसी में एक स्पा सेंटर में काम करने वाली युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद कब्रिस्तान में जमकर हंगामा हो गया। मृतका का बॉयफ्रेंड शव को दफनाने के लिए कब्रिस्तान पहुंचा था, लेकिन वहां पहचान पत्र न होने के कारण कर्मचारियों ने दफनाने से इनकार कर दिया। इसी दौरान युवती का पति मौके पर पहुंच गया और हत्या का आरोप लगाते हुए विवाद खड़ा हो गया। मृतका की पहचान सिम्मी उर्फ टेरेसा (30) के रूप में हुई है, जो मूल रूप से मणिपुर की रहने वाली थी। उसकी शादी करीब 10 साल पहले जॉन नाम के व्यक्ति से हुई थी। शादी के बाद दोनों दिल्ली में रहते थे, लेकिन नवंबर 2025 में टेरेसा झांसी आ गई थी। यहां वह सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के नंदनपुरा इलाके में स्थित एक मसाज पार्लर में काम करने लगी थी।

10 दिनों से बीमार थी सिम्मी

बताया जा रहा है कि पार्लर में काम के दौरान सिम्मी की दोस्ती एक महिला सहकर्मी से हुई और वह उसी के घर रहने लगी। इसी दौरान सहकर्मी के भाई से उसकी नजदीकियां बढ़ीं और दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगे। सहकर्मी के मुताबिक, सिम्मी पिछले करीब 10 दिनों से बीमार थी और उसका इलाज कराया जा रहा था। बुधवार शाम उसकी अचानक मौत हो गई, जिसकी सूचना परिजनों को दी गई। मौत के बाद उसका कथित प्रेमी शव को लेकर जीवनशाह स्थित कब्रिस्तान पहुंचा, जहां बिना पहचान पत्र के शव लाने पर कर्मचारियों ने दफनाने से मना कर दिया। इसके बाद शव को कानपुर चुंगी क्षेत्र के एक अन्य कब्रिस्तान ले जाया गया, लेकिन वहां भी अनुमति नहीं मिली। इसी बीच मृतका का पति जॉन अपने परिचितों के साथ मौके पर पहुंच गया और मौत पर संदेह जताते हुए हंगामा शुरू कर दिया।

पति ने लगाए गंभीर आरोप

पति का आरोप है कि उसकी पत्नी की हत्या की गई है और बिना उचित प्रक्रिया के शव को दफनाने की कोशिश की जा रही थी। उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची नवाबाद थाना पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जॉन के दोस्त अमन सिंह के अनुसार, उन्हें रास्ते में कई बार फोन कर शव को जल्दी दफनाने की बात कही गई, लेकिन उन्होंने इसका विरोध किया। उनका कहना है कि जॉन ईसाई धर्म से हैं, इसलिए अंतिम संस्कार चर्च की परंपराओं के अनुसार होना चाहिए था। वहीं कब्रिस्तान समिति के सदस्य मोहम्मद इमरान खान ने बताया कि बिना पहचान पत्र शव लाए जाने की सूचना मिलने पर दफनाने से इनकार किया गया था।

परिवार में बहसबाजी और खूनी खेल, भतीजे ने चाची को फावड़े से काटकर ले ली जान

हिंदमाता नेटवर्क @ देवरिया

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में पारिवारिक विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया, जहां एक भतीजे ने अपनी ही चाची की हत्या कर दी। घटना महुआडीह थाना क्षेत्र के रामपुर बनहर गांव की है, जहां बुधवार देर रात दो परिवारों के बीच कहासुनी इतनी बढ़ गई कि मामला हिंसा में बदल गया। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान 42 साल की रवीता देवी के रूप में हुई है, जो उमेश विश्वकर्मा की पत्नी थीं। उमेश फिलहाल विदेश में काम करते हैं। बताया जा रहा है कि दोनों परिवार आपस में रिश्तेदार हैं और किसी पुराने विवाद को लेकर उनके बीच बहस चल रही थी। इसी दौरान गुस्से में आकर आरोपी युवक ने फावड़े से रवीता देवी पर हमला कर दिया। उसने उनके सिर और गर्दन पर कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही गिर पड़ीं। घटना के दौरान दो बच्चे बीच-बचाव करने पहुंचे, लेकिन वे भी घायल हो गए। घटना के बाद परिजन और स्थानीय लोग रवीता देवी को तुरंत महर्षि देवराहा बाबा मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई और इलाके में तनाव का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

हिंदमाता एंकरः जांच में खुलासा हुआ कि इन सभी पदार्थों को मिलाकर नकली पनीर तैयार किया जा रहा था, जिसे बाजार में असली बताकर सप्लाई करने की तैयारी थी

मेरठ में 28 क्विंटल नकली पनीर बरामद, सगे भाई चला रहे थे फैक्ट्रियां, दिल्ली-उत्तराखंड तक होती थी सप्लाई

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

लखनऊ से आई खाद्य विभाग की विशेष टीम और मेरठ पुलिस ने गुरुवार को जानी थाना क्षेत्र के नगला कुंभा गांव में नकली पनीर बनाने वाली दो फैक्ट्रियों पर छापेमारी की। सगे भाई हामिद और जाबिर अपने गांव में अवैध रूप से मिलावटी पनीर तैयार कर दिल्ली, उत्तराखंड और एनसीआर के जिलों में सप्लाई कर रहे थे। शिकायत के आधार पर आयुक्त डॉ। रोशन जैकब के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई में हामिद की फैक्ट्री से 16 क्विंटल और जाबिर की फैक्ट्री से 12 क्विंटल नकली पनीर बरामद हुआ। टीम ने पनीर के साथ मौके से भारी मात्रा में पामोलिन तेल, मैदा और संदिग्ध केमिकल बरामद कर पूरा स्टॉक नष्ट करा दिया। छापेमारी के दौरान दोनों आरोपी भाई मौके से फरार हो गए।

खतरनाक केमिकल से बनता था पनीर

छापेमारी के दौरान मौके पर मौजूद मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी वीके राठी ने बताया कि फैक्ट्रियों से 5300 लीटर दूध के अलावा 510 लीटर रिफाइंड पामोलिन तेल, 35 किलो मैदा और नीले रंग का संदिग्ध केमिकल मिला है। इन सामग्रियों का इस्तेमाल करके नकली पनीर और डेयरी प्रोडक्ट बनाए जा रहे थे। टीम ने बरामद सामान के नमूने जांच के लिए लैब भेज दिए हैं और पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी भी कराई गई है।

12 हजार किलो नकली पनीर बरामद

छापेमारी के दौरान टीम को मौके से करीब 12 हजार किलो नकली पनीर बरामद हुआ। इसके अलावा 5300 लीटर दूध, 500 लीटर गर्म दूध, 510 लीटर रिफाइंड पामोलिन तेल, 35 किलो मैदा, 15 लीटर पारदर्शी तरल पदार्थ, एक सफेद संदिग्ध तरल और एक नीले रंग का केमिकल युक्त तरल भी मिला। जांच में खुलासा हुआ कि इन सभी पदार्थों को मिलाकर नकली पनीर तैयार किया जा रहा था, जिसे बाजार में असली बताकर सप्लाई करने की तैयारी थी। अधिकारियों के अनुसार, इस तरह से तैयार किया गया पनीर लोगों की सेहत के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता था। इसमें इस्तेमाल होने वाले केमिकल और मिलावटी तत्व गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए मौके पर बरामद पनीर और सामग्री को नष्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। हालांकि, छापेमारी की भनक लगते ही आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश में जुट गई है और जल्द ही गिरफ्तारी की बात कही जा रही है।

आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पुलिस ने फरार आरोपी भाइयों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। अधिकारियों के मुताबिक, यह पनीर गिरोह बड़े पैमाने पर एनसीआर के बाजारों में मिलावटी माल खपा रहा था। फिलहाल, फैक्ट्रियों को सील कर दिया गया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। खाद्य विभाग ने साफ किया है कि लैब रिपोर्ट आने के बाद सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

शादी में बिना पूछे खाया रसगुल्ला, गुस्साए कारीगर ने मासूम को धधकते तंदूर में झोंका

हिंदमाता नेटवर्क @ बस्ती

उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में इंसानियत को शर्मशार करने वाली रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक शादी समारोह में महज एक रसगुल्ला खाने पर हलवाई के कारीगर ने 11 साल के बच्चे को धधकते तंदूर में फेंक दिया। मासूम अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहा है। दरअसल, छावनी थाना क्षेत्र में 11 वर्षीय मासूम चमन अपनी नानी के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने गया था। वहां स्टॉल पर रखे रसगुल्ले को बिना अनुमति खाने पर खाना बनाने वाले कारीगर ने उसे जलते हुए तंदूर की भट्ठी में झोंक दिया। यह घटना रसगुल्ला खाने की छोटी सी बात पर कारीगर के अचानक आए गुस्से के कारण हुई। बुरी तरह झुलसी हालत में परिजनों ने बच्चे को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने इस गंभीर मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है और फरार आरोपी कारीगर की तलाश शुरू कर दी है।

ईरान जंग की सबसे बड़ी खबर, 49 दिन बाद पूरी तरह खोला गया होर्मुज स्ट्रेट

ईरानी विदेश मंत्री का ऐलान

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

ईरान जंग से जुड़ी अबतक की सबसे बड़ी खबर आई है। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह से खोलने का ऐलान कर दिया है। ईरान ने कहा है कि इजरायल-लेबनान सीजफायर के बाद होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह से खोल दिया गया है। इजरायल-अमेरिका ने ईरान पर 28 फरवरी 2026 को हमला किया था। इसके बाद से ही होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही बाधित हो गई थी। ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने कहा कि लेबनान में संघर्ष-विराम के मद्देनजर होर्मुज स्ट्रेट से सभी कमर्शियल जहाजों के गुजरने का मार्ग पूरी तरह से खुला घोषित किया गया है। अराघची ने यह भी कहा कि होर्मुज को संघर्षविराम की शेष अवधि के लिए ही खोला गया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक्स पर लिखा, लेबनान में संघर्ष-विराम के अनुरूप होर्मुज स्ट्रेट से सभी वाणिज्यिक जहाजों के गुज़रने का मार्ग, संघर्ष-विराम की शेष अवधि के लिए, पूरी तरह से खुला घोषित किया गया है; यह मार्ग उसी समन्वित मार्ग पर स्थित है जिसकी घोषणा ईरान के बंदरगाह और समुद्री संगठन द्वारा पहले ही की जा चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कहा है कि ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को हर तरह के जहाजों के लिए पूरी तरह से खोलने का ऐलान कर दिया है। ट्रंप ने इसकी घोषणा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर की है।

ट्रंप ने लिखा, होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह से खुला है और व्यापार तथा पूर्ण आवागमन के लिए तैयार है; लेकिन निर्णायक नाकाबंदी केवल ईरान के संबंध में ही पूरी तरह से लागू और प्रभावी रहेगी। और तब तक रहेगी जब तक कि ईरान के साथ हमारी डील 100% पूरी नहीं हो जाती। यह प्रक्रिया बहुत तेज़ी से आगे बढ़नी चाहिए, क्योंकि इसके अधिकांश बिंदुओं पर पहले ही बातचीत हो चुकी है। ईरान पर अमेरिका और इजरायल ने पहली बार 28 फरवरी 2026 को ईरान के कई ठिकानों पर हमला किया था। इसी दिन से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई थी। कुछ ही दिन बाद होर्मुज को ईरान ने पूरी तरह से बंद कर दिया था। इस तरह से अगर 28 फरवरी 2026 से लेकर 17 अप्रैल 2026 तक देखा जाए तो 49 दिन के बाद होर्मुज को ईरान ने पूरी तरह से खोला है। बता दें कि ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच सीजफायर की घोषणा 8 अप्रैल को हुई थी। इसके बाद इनके बीच लड़ाई बंद है, लेकिन होर्मुज पूरी तरह से नहीं खुला था। भारत-पाकिस्तान समेत दुनिया के कई देश होर्मुज को खुलवाने के लिए कूटनीतिक गतिविधियों में जुटे थे।

भारत के लिए बेहद अहम है होर्मुज मार्ग

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बंद होने से भारत में भी रसोई गैस की किल्लत पैदा हो गई थी। भारत का LPG कतर समेत गल्फ के दूसरे देशों से इसी रास्ते से आता था। इस मार्ग के बंद होने से भारत एलपीजी के लिए दूसरे विक्रेताओं के पास जाना पड़ा। इसके अलावा कुछ जहाजों को ईरान की सहमति के बाद नेवी की निगरानी में होर्मुज से भारत लाना पड़ा। भारत के लिए इसका महत्व और भी ज्यादा है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है और अपनी कुल तेल जरूरत का करीब 85% विदेश से आयात करता है। इन आयातों में से 60% से ज्यादा तेल फारस की खाड़ी के देशों जैसे सऊदी अरब, इराक, UAE, ईरान आदि से आता है, जो होर्मुज से होकर गुजरता है। इस मार्ग के बंद रहने से भारत को महंगे तेल, बढ़ते आयात बिल, मुद्रास्फीति का सामना करना पड़ता है। होर्मुज का खुलना अब भारत की ऊर्जा सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए राहत की खबर है।

होर्मुज से होकर जाता है भारत-चीन समेत दर्जनों एशियाई देशों का ईंधन

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण जल मार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। यह संकरा जलमार्ग वैश्विक तेल व्यापार का चोक प्वाइंट है। यहां से रोजाना लगभग 20 मिलियन बैरल कच्चा तेल गुजरता है, जो दुनिया के कुल तेल व्यापार का करीब 20-21% हिस्सा है। इसके अलावा यहां से विश्व का बड़ा हिस्सा प्राकृतिक गैस (LNG) भी निर्यात होता है। दुनिया के लिए होर्मुज का महत्व इसलिए है क्योंकि इसका बंद होना तेल की आपूर्ति बाधित कर देता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था, मुद्रास्फीति और ऊर्जा सुरक्षा प्रभावित होती है। शुक्रवार को होर्मुज खुलने के साथ ही दुनिया के तेल और गैस बाजार ने राहत की सांस ली और तेल गैस की कीमतों में भारी गिरावट देखी गई। ईरान-अमेरिका तनाव में जब यह मार्ग प्रभावित हुआ तो पूरी दुनिया में तेल संकट की आशंका बढ़ गई थी।

भारत, पाकिस्तान या चीन ईरान जंग से सबसे ज्यादा नुकसान किसे हुआ?

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड (IMF) ने अपनी नई रिपोर्ट में कहा है कि ईरान में चल रहे युद्ध ने दुनिया की अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी कर दी है। साल की शुरुआत में जो तेजी दिख रही थी, वह अब रुक गई है। IMF ने 2026 के लिए वैश्विक विकास दर का अनुमान 3.4% से घटाकर 3.1% कर दिया है। अगर हालात ज्यादा खराब होते हैं, तो यह दर 2% तक गिर सकती है और दुनिया भर में महंगाई 6% तक पहुंच सकती है। IMF के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गौरिंचास ने कहा कि मिडिल ईस्ट का युद्ध पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका है। इसके कारण तेल और दूसरी चीजों की कीमतें बढ़ रही हैं, महंगाई बढ़ रही है और लोगों की खर्च करने की क्षमता भी कम हो रही है। इस युद्ध का सबसे ज्यादा असर सप्लाई पर पड़ा है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में रुकावट और इलाके में नुकसान के कारण तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है। इससे तेल की कीमतें कई साल के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई हैं और लगभग हर देश में महंगाई बढ़ गई है।

अमेरिका में मंदी का खतरा

अमेरिका में पेट्रोल के दाम तेजी से बढ़े हैं। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि इससे वहां मंदी आने का खतरा बढ़ गया है। IMF के मुताबिक, अमेरिका की अर्थव्यवस्था 2026 में 2.3% की दर से बढ़ेगी, जो पहले के अनुमान से 0.1% कम है। 2027 के लिए 2.1% ग्रोथ का अनुमान थोड़ा बेहतर माना जा रहा है।

G7 में ब्रिटेन को सबसे ज्यादा नुकसान

G7 देशों में ब्रिटेन को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। उसकी 2026 की विकास दर 0.5% घटाकर 0.8% कर दी गई है, जबकि 2027 के लिए यह 1.3% रहने का अनुमान है। सऊदी अरब को भी बड़ा झटका लगा है। उसकी 2026 की विकास दर में 1.4% की कटौती की गई है और अब यह 3.1% रहने का अनुमान है। हालांकि 2027 में सुधार की उम्मीद है और यह 4.5% तक पहुंच सकती है।

चीन-कनाडा की विकास दर घटी

चीन और कनाडा की विकास दर में 0.1% की कमी आने की बात कही गई है। 2026 के लिए चीन की आर्थिक वृद्धि के अनुमान में 2026 के लिए 0.1% की कमी की गई है, जबकि 2027 के अनुमान में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वहीं कनाडा के लिए भी 2026 का अनुमान 0.1% घटाया गया है और 2027 में कोई बदलाव नहीं है।

भारत-पाकिस्तान की स्थिति बेहतर

भारत की स्थिति बेहतर दिख रही है। भारत के 2026 और 2027 के अनुमान में 0.1% की बढ़ोतरी की गई है। 2025 में भारत की ग्रोथ 7.6% रहने का अनुमान है, जबकि 2026 और 2027 में यह 6.5% रह सकती है। वहीं पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा सुधार देखा गया है। 2026 के अनुमान में 0.4% और 2027 में 0.6% की बढ़ोतरी की गई है। पाकिस्तान की ग्रोथ 2025 में 3.89%, 2026 में 3.6% और 2027 में 3.5% रहने की संभावना है।

ब्राजील-रूस के लिए अच्छी खबर

ब्राजील और रूस के विकास अनुमान में 0.3% की बढ़ोतरी हुई है। IMF ने चेतावनी दी है कि अगर यह युद्ध लंबा चलता है या और फैलता है, तो दुनिया की अर्थव्यवस्था को और ज्यादा नुकसान हो सकता है। इसके अलावा बढ़ता कर्ज, देशों के बीच तनाव और बाजार की अनिश्चितता भी जोखिम बढ़ा रहे हैं। अगर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण कामकाज में तेजी आती है या देशों के बीच व्यापार संबंध सुधरते हैं, तो आर्थिक स्थिति बेहतर भी हो सकती है।

बिजनेस वर्ल्ड

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने शुरू किया देशभर में 'समर चेक-अप कैंप' ग्राहकों को मिलेगी मुफ्त वाहन जांच और खास फायदों की सौगात

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

अपने ग्राहकों को गाड़ी चलाने और उसके रखरखाव (ओनरशिप) का बेहतर अनुभव देने की अपनी निरंतर कोशिश के तहत, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने आज देशभर में 'समर चेक-अप कैंप' शुरू करने की घोषणा की है। सेवा की यह पहल 9 अप्रैल से 28 अप्रैल 2026 तक टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के सभी अधिकृत वर्कशॉप पर उपलब्ध रहेगी। गर्मी के मौसम की शुरुआत को देखते हुए, इस पहल का उद्देश्य भीषण गर्मी के दौरान वाहनों का बेहतर प्रदर्शन (परफॉर्मेंस), उनकी मजबूती और यात्रियों का आराम सुनिश्चित करना है। इस कैंप में ग्राहक अपने वाहन की मुफ्त 'हेल्थ चेक-अप' करा सकते हैं। इसमें 30-पॉइंट जांच शामिल है, जिसके तहत एयर-कंडीशनर की कार्यक्षमता, बैटरी की स्थिति, टायर और अलाइनमेंट, इंजन ऑयल और कूलेंट का स्तर, इलेक्ट्रिकल सिस्टम, सीएनजी सिस्टम की जांच के साथ-साथ इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए विशेष डायग्नोस्टिक्स की सुविधा दी जाएगी। इस कैंप के दौरान कंपनी कई खास ऑफर्स और डिस्काउंट भी दे रही है। ग्राहकों को एक्सटेंडेड वारंटी पर 10% की सीधी छूट, स्पेयर पार्ट्स, लुब्रिकेंट्स और वैल्यू-एडेड सर्विसेज पर 10% तक की छूट, तथा टाटा मोटर्स जेन्युइन एक्सेसरीज पर 15% की फ्लैट छूट मिलेगी। इसके अलावा, एक्सटेंडेड वारंटी और एएमसी पैकेज खरीदने के लिए आसान ईएमआई के विकल्प भी उपलब्ध हैं। ऐसी सक्रिय पहलों के जरिए टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ग्राहकों को प्राथमिकता देने के अपने नजरिए को और मजबूत कर रही है। कंपनी का लक्ष्य भरोसेमंद, आरामदायक और सुविधाजनक सेवा अनुभव प्रदान करना है। ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे इस समर चेक-अप कैंप का पूरा लाभ उठाने के लिए अपने नजदीकी अधिकृत टाटा मोटर्स वर्कशॉप पर जरूर जाएं।

अधिक जानकारी के लिए ग्राहक 1800 209 8282 पर संपर्क कर सकते हैं या customercare@tatamotors.com पर ईमेल लिख सकते हैं।

विजय सेल्स पर शाओमी टीवी एस मिनी एलईडी सीरीज की प्री-बुकिंग शुरू

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

भारत की अग्रणी ओम्नी-चैनल इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन विजय सेल्स ने आज नई लॉन्च हुई शाओमी टीवी एस मिनी एलईडी सीरीज के लिए प्री-ऑर्डर की शुरुआत की घोषणा की। यह प्री-ऑर्डर कंपनी की वेबसाइट विजयसेल्स डॉटकॉम और देशभर में इसके रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध हैं। भारतीय उपभोक्ताओं तक नवीनतम तकनीक पहुंचाने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए, विजय सेल्स इस सीरीज़ को पेश करने के लिए शाओमी का एक्सक्लूसिव रिटेल पार्टनर बना है। ग्राहक अब केवल 2,000 रुपये में शाओमी टीवी एस मिनी एलईडी सीरीज को 21 अप्रैल 2026 तक वेबसाइट और सभी विजय सेल्स स्टोर्स पर प्री-बुक कर सकते हैं। यह लॉन्च विजय सेल्स और शाओमी के बीच मजबूत सहयोग का प्रतीक है, जो ग्राहकों को अत्याधुनिक तकनीक और बेहतरीन वैल्यू प्रदान करने के साझा विज़न पर आधारित है। इस नई मिनी एलईडी रेंज तक शुरुआती पहुंच उपलब्ध कराकर, विजय सेल्स ने एक बार फिर नवीनतम कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए अपनी पसंदीदा डेस्टिनेशन की पहचान को सुदृढ़ किया है। इस एक्सक्लूसिव लॉन्च के तहत, प्री-बुक किए गए सभी यूनिट्स पर 2 वर्षों की मानक वारंटी के बजाय 4 वर्षों की व्यापक वारंटी दी जा रही है, जिससे शुरुआती ग्राहकों को दीर्घकालिक सुरक्षा और भरोसा मिलेगा। 21 अप्रैल के बाद, कुल वारंटी कवरेज 3 वर्षों तक सीमित हो जाएगी। घोषणा पर टिप्पणी करते हुए, *निलेश गुप्ता, डायरेक्टर, विजय सेल्स* ने कहा, "विजय सेल्स में हमारा हमेशा से यह फोकस रहा है कि हम अपने ग्राहकों तक नवीनतम और सबसे इनोवेटिव तकनीक को सुलभ बनाएं। शाओमी के साथ हमारी निरंतर साझेदारी इस बात को दर्शाती है कि हम भारतीय बाजार में उच्च गुणवत्ता वाले और भविष्य के अनुरूप उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें खुशी है कि हम अपने ग्राहकों के लिए नई S मिनी एलईडी टीवी सीरीज़ पेश कर रहे हैं और अपने ओम्नी-चैनल नेटवर्क के माध्यम से उन्हें इसका शुरुआती एक्सेस प्रदान कर रहे हैं।" शाओमी टीवी एस मिनी एलईडी सीरीज में उन्नत डिस्प्ले तकनीक दी गई है, जो होम एंटरटेनमेंट अनुभव को एक नए स्तर पर ले जाती है। बेहतर ब्राइटनेस, गहरे कंट्रास्ट और सटीक कलर रिप्रोडक्शन के साथ, यह सीरीज़ अधिक इमर्सिव और परिष्कृत व्यूइंग अनुभव प्रदान करती है। यह सीरीज़ 138 सेमी (55"), 165 सेमी (65") और 189 सेमी (75") स्क्रीन साइज में उपलब्ध है, जो विभिन्न उपभोक्ता आवश्यकताओं को पूरा करती है।

इंडोनेशिया में 24 घंटे तक लापता रहने के बाद हेलिकॉप्टर क्रैश

8 लोगों की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ जकार्ता

इंडोनेशिया में एक हेलिकॉप्टर क्रैश की खबर है। 24 घंटे पहले हेलिकॉप्टर का संपर्क रडार से टूट गया था। हेलिकॉप्टर क्रैश में 8 लोगों की मौत हो गई है। घटना स्थल से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें हेलिकॉप्टर के परखचे उड़ गए हैं। यह हेलिकॉप्टर जंगल में क्रैश हुआ है। सरकार ने राहत एवं बचाव का काम शुरू कर दिया है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक हेलिकॉप्टर बोर्नियो द्वीप पर ताड़ के तेल के बागानों के बीच उड़ान भर रहा था। इसी दौरान हादसा हो गया। रडार से संपर्क टूटने के बाद हेलिकॉप्टर की खोज शुरू कर दी गई थी। सरकार की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक हेलिकॉप्टर की पहचान एयरबस एच130 के रूप में की गई है। यह हेलिकॉप्टर पीटी मैथ्यू एयर नुसंतारा के स्वामित्व में था। पुलिस ने यह नहीं बताया कि ये हेलिकॉप्टर आखिर कहां जा रहा था।

कैसे क्रैश हुआ हेलिकॉप्टर?

CNN इंडोनेशिया के मुताबिक हेलिकॉप्टर को उड़ान भरने में 45 मिनट का वक्त लगा था। जब वह उड़ने के लिए तैयार हुआ, तभी उसमें शिकायत थी, लेकिन इसके बावजूद उसे पायलटों ने हवा में उड़ाया। 5 मिनट बाद ही हेलिकॉप्टर का संपर्क रडार से टूट गया। इसके बाद हेलिकॉप्टर क्रैश कर गया। सेकाडाऊ पुलिस की आपराधिक जांच इकाई के निरीक्षक ज़ैनल अबिदीन के मुताबिक जिस इलाके में हेलिकॉप्टर क्रैश हुआ है, वो पहाड़ी इलाका है। यहां राहत एवं बचाव कार्य भी दुश्वार है। इसके बावजूद हमने 8 शवों की पहचान की है। 7 लोग इंडोनेशिया के रहने वाले हैं। मरने वाले एक शख्स की पहचान मलेशियाई नागरिक के रूप में हुई है।

दुनिया हैरान! PAK का तेल टैंकर अमेरिकी नाकेबंदी के बीच होर्मुज पार कर निकला

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

अमेरिका ने होर्मुज की खाड़ी पर नाकेबंदी लगाई हुई है यानी उसने इस समुद्री रास्ते को बंद कर दिया है। इस नाकेबंदी के बाद पहली बार एक जहाज इस रास्ते से सफलतापूर्वक बाहर निकला है। यह जहाज पाकिस्तान का है और इसका नाम है शलामार। यह खबर इसलिए बड़ी है क्योंकि पिछले कई हफ्तों से इस रास्ते से जहाजों का निकलना लगभग बंद हो गया है। शलामार पाकिस्तान के कराची बंदरगाह की तरफ जा रहा है जहां यह रविवार को पहुंचेगा और तेल उतारेगा। यह जहाज पिछले रविवार को ही खाड़ी के अंदर आया था। तब अमेरिका की नाकेबंदी पूरी तरह लागू नहीं हुई थी। जैसे ही सोमवार को नाकेबंदी हुई, जहाज मालिकों ने खतरा देखते हुए अपने जहाज रोक लिए। लेकिन शलामार ने गुरुवार को ईरान के लारक द्वीप के दक्षिण से होकर गुजरते हुए खाड़ी से बाहर निकलने में कामयाबी पाई। ऐसा लगता है कि इसे ईरान की तरफ से कुछ पाकिस्तानी जहाजों के लिए खास मंजूरी मिली थी।

ईरान के खुद के जहाजों का क्या?

मार्च तक ईरान के अपने जहाज इस रास्ते से रोज करीब 17 लाख बैरल तेल ले जाते थे। लेकिन अब अमेरिकी नाकेबंदी के बाद ईरान का यह तेल निर्यात भी लगभग रुक गया है।

नाकेबंदी का दायरा कितना बड़ा है?

अमेरिकी नौसेना ने एक नक्शा दिखाते हुए बताया कि यह नाकेबंदी ओमान के तट के पास रास अल हद से लेकर ईरान और पाकिस्तान की सीमा तक फैली हुई है। यानी यह एक बहुत बड़े समुद्री इलाके को कवर करती है।

नाकेबंदी के बाद बाकी जहाजों का क्या हुआ?

अमेरिकी नाकेबंदी के बाद से अब तक बहुत कम जहाज ही इस रास्ते से गुजरने की हिम्मत जुटा पाए हैं। अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने बताया कि सिर्फ तीन दिनों में 14 जहाजों ने रास्ते से वापस मुड़ना पड़ा यानी वो खाड़ी से बाहर निकलने की कोशिश में थे लेकिन डरकर वापस आ गए। अभी हर दिन गुजरने वाले जहाजों की संख्या एक अंक में यानी 9 से भी कम है जबकि पहले हर दिन 140 जहाज गुजरते थे।

अभी की स्थिति क्या है?

शुक्रवार को चार जहाज इस रास्ते से आने की कोशिश में थे जो गैर-ईरानी जगहों पर जाने वाले थे। दो बड़े जहाज ईरान से निकलकर खाड़ी के बाहर आए। लेकिन कुल मिलाकर इस रास्ते पर आवाजाही बेहद कम है। दोनों देश यानी अमेरिका और ईरान अभी नई बातचीत पर विचार कर रहे हैं इसलिए हालात और भी अनिश्चित हैं।

होर्मुज खुलते ही भरभराकर गिरीं तेल-गैस की कीमतें!

भारत पर क्या होगा असर?

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

ईरान ने बड़ी घोषणा करते हुए शुक्रवार को पूरे 49 दिन बाद वैश्विक ऊर्जा सप्लाई के लिए अहम समुद्री रास्ते स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोल दिया। यानी सीजफायर के बाकी दिनों के लिए अब जहाजों की आवाजाही के लिए पूरी तरह खुल चुका है। यह खबर ऊर्जा बाजार में बड़ी राहत लेकर आई है और तेल-गैस की कीमतें भरभराकर गिर पड़ी हैं। तेल की कीमतों में करीब 11% और गैस की कीमतों में 8.5 फीसदी की गिरावट आई है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची के होर्मुज खोलने के ऐलान के तुरंत बाद तेल कीमतों में करीब 11 फीसदी की गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि युद्धविराम की शेष अवधि के दौरान होर्मुज स्ट्रेट से सभी कमर्शियल जहाजों की आवाजाही अब खुली रहेगी। इसके बाद वैश्विक कच्चा तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 10.59 डॉलर यानी 10.7 फीसदी गिरकर 88.80 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। सेशन के दौरान यह गिरकर 87.71 डॉलर के निचले स्तर तक पहुंच गया। वहीं, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (WTI) क्रूड वायदा 10.80 डॉलर यानी 11.4 फीसदी टूटकर 83.89 डॉलर प्रति बैरल रह गया। कारोबार के दौरान यह 83 डॉलर तक फिसल गया। दोनों प्रमुख तेल कॉन्ट्रैक्ट 11 मार्च के बाद अपने सबसे निचले स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। यूरोप के बेंचमार्क गैस कॉन्ट्रैक्ट में भी भारी गिरावट आई है। गैस करीब 8.5 फीसदी गिर गई है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान में युद्ध खत्म करने के लिए जल्द समझौता हो सकता है, हालांकि इसकी समयसीमा अभी स्पष्ट नहीं है। लेकिन इन खबरों से ऊर्जा बाजार में सकारात्मक संदेश गया है और कीमतें गिर रही हैं।

होर्मुज का खुलना भारत के लिए बड़ी राहत

दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस का परिवहन होर्मुज स्ट्रेट से होता है। भारत के लिए होर्मुज स्ट्रेट का खुलना बड़ी राहत की खबर है, क्योंकि देश की कुल कच्चे तेल आयात का 40-50 प्रतिशत (लगभग 2.5-2.7 मिलियन बैरल प्रतिदिन) खाड़ी देशों- इराक, सऊदी अरब, यूएई, कुवैत से होर्मुज के जरिए आता है। युद्ध के दौरान होर्मुज में रुकावट की वजह से मार्च 2026 में भारत का कुल कच्चा तेल आयात करीब 15 प्रतिशत घट गया था। इसे देखते हुए भारत को एक बार फिर रूस की तरफ रुख करना पड़ा था। इस वजह से रूस से आयात में 90 प्रतिशत की उछाल आई और यह 1.9-2 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया। वहीं खाड़ी देशों से तेल-गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई। भारत होर्मुज स्ट्रेट के जरिए अपने एलपीजी आयात का 90% मंगाता था लेकिन यह गिरकर 40 प्रतिशत रह गया था। एलएनजी आपूर्ति भी बाधित रही। इससे देश में कुकिंग गैस की भारी किल्लत देखने को मिली है। होर्मुज खुलने के तुरंत बाद तेल की कीमतों में गिरावट भारत के लिए राहत की खबर है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि प्रति 10 डॉलर कीमत में गिरावट से भारत का वार्षिक तेल आयात बिल 1.5-2 अरब डॉलर तक कम हो सकता है। अप्रैल में भारत ने पहले चरण में महंगा तेल (125 डॉलर/बैरल के आसपास) खरीदा था, अब कीमतें स्थिर होने से पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की कीमतों पर दबाव कम होगा।

ईरान ने खोला होर्मुज रातों-रात पलट गई बाजी, भारत के लिए आईं एक साथ 3 बड़ी खुशखबरी!

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पिछले डेढ़ महीने से पूरी दुनिया की सांसें अटकी हुई थीं। 28 फरवरी से ईरान और इजराइल के बीच छिड़ी जंग, जिसमें अमेरिका भी कूद पड़ा था, उसने ग्लोबल सप्लाई चेन की कमर तोड़ दी थी। इस आर्थिक संकट की सबसे बड़ी वजह थी 'होर्मुज जलडमरूमध्य' का बंद होना। यह समंदर का वो अहम रास्ता है जहां से दुनिया का करीब 20 प्रतिशत तेल और गैस गुजरता है। लेकिन अब हालात अचानक बदल गए हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने होर्मुज को व्यापार के लिए पूरी तरह से खोलने का ऐलान कर दिया है।

1- क्रूड ऑयल हुआ धड़ाम

भारत अपनी जरूरत का करीब 85 फीसदी कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। सऊदी अरब, यूएई और कुवैत से आने वाला तेल इसी होर्मुज के रास्ते भारत पहुंचता है। जैसे ही इस समुद्री रास्ते के पूरी तरह खुलने की खबर आई, कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार रात क्रूड ऑयल 12 प्रतिशत टूटकर 83 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। वहीं, ब्रेंट क्रूड भी 11 फीसदी फिसलकर 87 डॉलर के करीब ट्रेड कर रहा है।

2- शेयर बाजार बनेगा 'रॉकेट'

होर्मुज का रास्ता खुलते ही सप्लाई चेन की तमाम चिंताएं दूर हो गई हैं और इसका सीधा असर शेयर बाजार के सेंटिमेंट पर पड़ा है। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बंद होने के बाद यह अहम खबर आई, लेकिन 'गिफ्ट निफ्टी' (Gift Nifty) में इसका असर तुरंत दिखा। गिफ्ट निफ्टी 400 अंकों से ज्यादा (करीब 2 फीसदी) की छलांग लगा चुका है। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि सोमवार को जब भारतीय बाजार खुलेंगे, तो निवेशकों को शानदार शुरुआत देखने को मिलेगी।

3- सोने-चांदी में भयंकर तेजी

आमतौर पर जब तनाव कम होता है तो सोने के दाम गिरते हैं। लेकिन मिडिल-ईस्ट के इस तनाव ने निवेशकों को इतना डरा दिया था कि वे कीमती धातुओं में भी निवेश से बच रहे थे। अब होर्मुज खुलने और युद्ध का खतरा टलने से अचानक निवेशकों का भरोसा वापस आ गया है। इस बदले हुए माहौल में ग्लोबल मार्केट के साथ-साथ भारतीय बाजार में भी सोने-चांदी की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया है।

होर्मुज़ खुलते ही कच्चे तेल में भारी गिरावट,10% तक टूटे दाम, पेट्रोल-डीजल हो सकता है सस्ता

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में शुक्रवार को बड़ी गिरावट देखने को मिली। मिडिल ईस्ट में तनाव कम होने और होर्मुज़ स्ट्रेट के दोबारा खुलने की खबर के बाद कच्चे तेल की कीमतों 10 फीसदी तक की भारी गिरावट दर्ज की गई। बाजार में पहले आशंका थी कि ईरान-सम्बंधित तनाव के चलते होर्मुज़ जलडमरूमध्य बंद हो सकता है, जिससे वैश्विक तेल सप्लाई पर बड़ा असर पड़ता। गौरतलब है कि दुनिया के कुल तेल सप्लाई का लगभग 20% हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। हालांकि, ताजा संकेतों में यह स्पष्ट हुआ कि मार्ग पूरी तरह खुला है और जहाजों की आवाजाही सामान्य बनी हुई है। इससे सप्लाई बाधित होने का खतरा कम हुआ और बाजार में घबराहट घटने के साथ ही कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई।ब्रेंट क्रूड की कीमतें गिरकर करीब 90 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गईं, जबकि WTI क्रूड भी फिसलकर 83-86 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में आ गया। बाजार के जानकारों के मुताबिक हालिया तेजी के बाद निवेशकों ने बड़े पैमाने पर प्रॉफिट बुकिंग की, जिससे गिरावट और तेज हो गई। इसके अलावा, सीजफायर और बातचीत की संभावनाओं ने भी बाजार की धारणा को सकारात्मक बनाया है। कच्चे तेल में गिरावट भारत जैसे आयात-निर्भर देशों के लिए राहत भरी खबर है। इससे आने वाले समय में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर दबाव कम हो सकता है।महंगाई दर में नरमी आ सकती है और शेयर बाजार को भी सपोर्ट मिल सकता है। बाजार के जानकारों का मानना है कि कच्चे तेल की कीमतों की दिशा अब पूरी तरह से भूराजनीतिक घटनाक्रम पर निर्भर करेगी।

हिंदमाता एंकर डॉक्टर्स बताते हैं कि 25 साल से कम उम्र की कई लड़कियां क्लिनिक में हॉर्मोनल इम्बैलेंस, वजन बढ़ने और पीरियड्स संबंधी समस्याओं के बारे में कंसल्ट करने पहुंच रही हैं

20-30 साल की लड़कियों में बढ़ा इनफर्टिलिटी का खतरा! डॉक्टर्स ने बताया ऐसा क्यों हो रहा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत में आज के समय में कम उम्र की महिलाओं और लड़कियों में पीसीओएस (Polycystic Ovary Syndrome) के मामले पहले से अधिक सामने आ रहे हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक सिर्फ मेट्रो सिटीज ही नहीं, छोटे शहरों में भी अब यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। डॉक्टर्स बताते हैं कि 25 साल से कम उम्र की कई लड़कियां क्लिनिक में हॉर्मोनल इम्बैलेंस, वजन बढ़ने और पीरियड्स संबंधी समस्याओं के बारे में कंसल्ट करने पहुंच रही हैं। यदि समय रहते इन पर ध्यान नहीं दिया तो इनका आंकड़ा बढ़ भी सकता है। एक्सपर्ट्स इसे सिर्फ मेडिकल नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल क्राइसिस बता रहे हैं।

क्यों बढ़ रहीं ये समस्याएं?

दिल्ली के ऑर्किड हॉस्पिटल की गायनाकोलॉजिस्ट डॉ। रिचा सिंह का कहना है कि हर 5 में से 1 महिला पीसीओएस से पीड़ित है। काम का स्ट्रेस, देर रात तक स्क्रीन टाइम और असंतुलित डाइट ने शरीर के हॉर्मोनल सिस्टम को अस्त-व्यस्त कर दिया है जो इसका सबसे बड़ा कारण है। सीताराम भरतिया इंस्टिट्यूट ऑफ ऑफ साइंस एंड रिसर्च की सीनियर कंसल्टेंट और आईवीएफ एक्सपर्ट डॉ। प्रीति अरोड़ा धमिजा के मुताबिक, अब महिलाओं में हार्मोनल समस्याएं पहले की तुलना में बहुत जल्दी दिखने लगी हैं जो समस्याएं पहले 30-35 की उम्र में होती थीं, अब 20-30 की उम्र में भी दिखने लगी हैं। अब फर्टिलिटी और हार्मोन से जुड़ी समस्याएं भी पहले से कहीं ज्यादा और कम उम्र में ही दिख रही हैं। अब कई लड़कियों में 8-9 साल की उम्र में ही पीरियड्स शुरू हो रहे हैं। इससे ओवरी की क्षमता भी जल्दी प्रभावित हो सकती है।

लाइफस्टाइल, स्ट्रेस और नींद जिम्मेदार

डॉ। प्रीति का साफ कहना है, आज की लाइफस्टाइल इस समस्या की सबसे बड़ी वजह है। देर रात तक जागना, लगातार स्क्रीन पर रहना, जंक फूड खाना, अधिक स्ट्रेस, फिजिकल एक्टिविटी की कमी शरीर के मेटाबॉलिज्म को बिगाड़ देता है। इससे मोटापा और इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ता है जो कम उम्र में ही पीसीओएस के जोखिम को और अधिक बढ़ा देता है। उनका कहना है कि लगातार तनाव और खराब नींद सीधे हार्मोन सिस्टम को प्रभावित करते हैं। इससे शरीर का हॉर्मोनल बैलेंस बिगड़ता है, ओवुलेशन प्रभावित होता है और पीरियड्स अनियमित हो जाते हैं। लंबे समय तक ऐसा रहने पर फर्टिलिटी पर भी असर पड़ सकता है।

क्या है इसका इलाज?

सर गंगा राम हॉस्पिटल की डॉ। भवानी शेखर के अनुसार, कम उम्र में बढ़ता मोटापा, जंक फूड का सेवन, एक्सरसाइज की कमी और स्मोकिंग-अल्कोहल इस खतरे को कई गुना बढ़ा रहे हैं। अच्छी बात यह है कि इसे सही समय पर लाइफस्टाइल बदलकर कंट्रोल किया जा सकता है। बैलेंस डाइट, कम से कम 7-8 घंटे की नींद, स्ट्रेस मैनेजमेंट और रोजाना फिजिकल एक्टिविटी को अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाकर हार्मोन को बैलेंस किया जा सकता है।

दैनिक ठाणे, शनिवार 18 अप्रैल, 2026
हिंदमाता मिरर
पैनी नजर, पुख्ता खबर
GAME & GLAMOUR

क्या बॉलीवुड में कमबैक की तैयारी कर रहीं सेलिना?

अपनी नीली आंखों और कातिलाना अदाओं से करोड़ों दिलों पर राज करने वाली सेलिना जेटली पिछले 14 साल से अभिनय की दुनिया से दूर हैं। उन्हें आखिरी बार साल 2011 में आई फिल्म 'थैंक यू' में देखा गया था। इसके बाद वह 2012 में 'विल यू मैरी' में कैमियो रोल में नजर आई थीं।

■ भले ही सेलिना बड़े पर्दे से दूर थी लेकिन अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती थीं। साल 2010 में उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई व्यवसायी पीटर हाग से शादी की थी। शुरुआत में सब कुछ ठीक लगा, उनके तीन बेटे भी हुए। लेकिन बाद में सेलिना ने अपने पति के खिलाफ डोमेस्टिक वायलेंस एक्ट के तहत शिकायत दर्ज कराई थी। अब शादी के 15 साल बाद सेलिना का अपने पति से तलाक हो चुका है। वहीं उनके तीनों बेटे अपने पिता के साथ ऑस्ट्रेलिया में रहते है। सेलिना अक्सर अपने बेटों को याद कर भावुक पोस्ट शेयर करती रहती हैं। वहीं दूसरी तरफ सेलिना जेटली के भाई मेजर (रिटायर्ड) विक्रांत जेटली, पिछले कई महीनो से यूएई की जेल में बंद हैं। सेलिना ने अपने भाई को छुड़ाने की मुहिम भी सोशल मीडिया पर चलाई हुई है।

■ पिछले कुछ सालों में सेलिना ने अपनी निजी जिंदगी में काफी मुश्किलें झेली है। वहीं अब सेलिना एक बार फिर अपनी ग्लैमरस तस्वीरों से इंटरनेट पर तहलका मचाने लगी हैं। वह लगातार अपनी हॉट एंड ग्लैमरस तस्वीरें शेयर कर रही हैं। इसके बाद से अंदाजा लगाया जा रहा है कि शायद सेलिना बॉलीवुड में कमबैक के लिए तैयारी कर रही हैं। ताजा फोटोशूट को देखकर कयास लगाए जा रहे हैं कि सेलिना एक बार फिर पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। उनके फैंस उन्हें किसी बड़े प्रोजेक्ट या ओटीटी सीरीज में देखने की उम्मीद कर रहे हैं।

■ सेलिना ने 2001 में फेमिना मिस इंडिया का खिताब जीता था और मिस यूनिवर्स 2001 में चौथी रनर-अप भी रहीं। इसके बाद उन्होंने 2003 में फिरोज खान की फिल्म 'जानशीन' से उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा। सेलिना को उनकी बोल्डनेस और स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जाना जाता था, लेकिन 2011 के बाद वह धीरे-धीरे फिल्मों से दूर होती गईं।

एक्शन थ्रिलर में दिखेगा सनी देओल का नया अवतार

रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर की 'एक्सेल एंटरटेनमेंट' भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े प्रोडक्शन हाउस में से एक है। हाल ही में उन्होंने सनी देओल के साथ अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट की घोषणा की है, जिसे ए.आर. मुरुगादॉस भी प्रोड्यूस करेंगे। फिल्म में ज्योतिका भी हैं, जो इस प्रोजेक्ट में उनके साथ एक अहम किरदार निभा रही हैं।

■ इस खबर ने दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है, क्योंकि उन्हें सनी देओल को एक नए अवतार में देखने का मौका मिलेगा। दूसरी ओर, चेन्नई के फिल्ममेकर बालाजी गणेश, जो लंबे समय तक ए.आर. मुरुगादॉस के को-डायरेक्टर रहे हैं, इस सस्पेंस थ्रिलर के साथ बतौर डायरेक्टर अपनी शुरुआत कर रहे हैं। उनके पास कहानी, निर्देशन और बड़े पैमाने के प्रोडक्शन का अच्छा अनुभव है।

■ सनी देओल इस प्रोजेक्ट को लीड कर रहे हैं, और 'बॉर्डर 2' की कामयाबी के बाद इस खबर ने पहले ही काफी सुर्खियां बटोर ली हैं। एक्टर के करीबी एक सूत्र ने खुलासा किया है कि इस फिल्म में सनी 'एकदम नए जोन' में नजर आएंगे। रितेश, फरहान और मुरुगादॉस के साथ यह उनका पहला कोलाबोरेशन है, जो उनके करियर का एक रोमांचक नया अध्याय साबित होगा।

■ एक्टर के करीबी सूत्र के अनुसार, लगातार मास एंटरटेनर फिल्मों के साथ एक धमाकेदार दौर के बाद, सनी देओल अब रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर और ए.आर. मुरुगादॉस के साथ अपनी पहली फिल्म के लिए एक बिल्कुल नए किरदार और जोन में कदम रख रहे हैं। यह एक्सेल एंटरटेनमेंट का प्रोडक्शन है, जिसे रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर और ए.आर. मुरुगादॉस प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह अपनी तरह की अलग एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी, जिसका निर्देशन बालाजी गणेश करेंगे।

■ यह फिल्म एक्सेल एंटरटेनमेंट का प्रोडक्शन है, जिसे रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर और ए.आर. मुरुगादॉस ने प्रोड्यूस किया है, जबकि कासिम जगमगिया, विशाल रामचंद्रनी, आदित्य जोशी, सुनील जैन और यूसुफ शेख इसके को-प्रोड्यूसर हैं। सनी देओल की लीड रोल वाली यह एक्शन थ्रिलर फिल्म 27 फरवरी 2026 को फ्लोर पर आ चुकी है। फिलहाल फिल्म की शूटिंग चल रही है, जिसने फैंस के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी है।

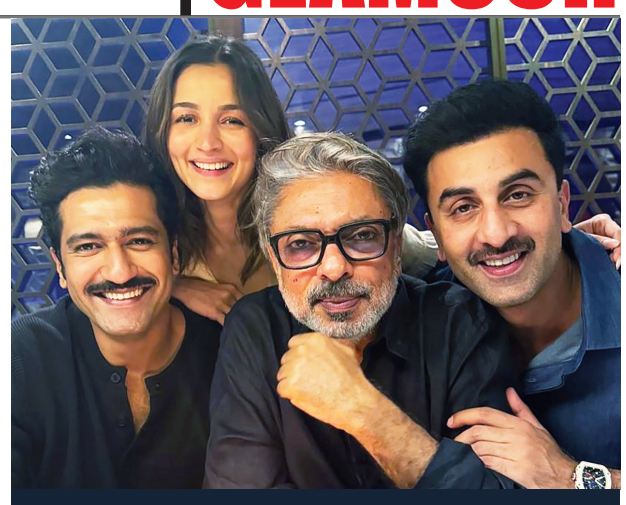

'लव एंड वॉर' 21 जनवरी 2027 को होगी रिलीज

संजय लीला भंसाली का नाम सिनेमाई भव्यता और गहरी भावनाओं का पर्याय है। उनकी अगली बड़ी फिल्म 'लव एंड वॉर' को लेकर पिछले काफी समय से बज बना हुआ है। इस फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। फैंस काफी समय से 'लव एंड वॉर' की रिलीज का इंतजार कर रहे है। वहीं अब भंसाली ने अपनी इस फिल्म की रिलीज डेट पर मुहर लगा दी है। मेकर्स ने आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि 'लव एंड वॉर' 21 जनवरी 2027 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। फिल्म को गणतंत्र दिवस के लंबे सप्ताहांत का लाभ मिलेगा। 2025 और फिर 2026 के लिए प्रस्तावित इस फिल्म को अब तक दो बार टाला जा चुका है। जानकारों की मानें तो फिल्म के वीएफएक्स और भव्य सेटों के काम की वजह से यह फैसला लिया गया है।

सेट पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम

भंसाली अपनी फिल्मों की दुनिया को पर्दे पर आने से पहले लीक होने से बचाने के लिए जाने जाते हैं। 'लव एंड वॉर' के सेट पर सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं। फिल्म के क्रू और मुख्य कलाकारों सहित 500 से अधिक लोगों से स्ट्रिक्ट नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट साइन करवाए गए हैं। यह फिल्म कई मायनों में खास है क्योंकि इसमें बॉलीवुड की सबसे प्रतिभाशाली तिकड़ी एक साथ आ रही है। रणबीर कपूर पूरे 20 साल बाद संजय लीला भंसाली के पास लौटे हैं। उन्होंने 2007 में 'सावरिया' से डेब्यू किया था। वहीं 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के लिए नेशनल अवार्ड जीतने के बाद आलिया एक बार फिर भंसाली के निर्देशन में काम कर रही हैं।

श्रेयस अय्यर चेज करने के मामले में विराट कोहली को दे रहे टक्कर

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर आईपीएल 2026 में शानदार फॉर्म में हैं। उनकी कप्तानी में पंजाब की टीम अभी तक अजेय रही है। शुरूआती 24 मुकाबले हो जाने के बाद पंजाब ही एकमात्र ऐसी टीम है, जिसने कोई मुकाबला नहीं गंवाया है। कप्तानी के साथ-साथ श्रेयस बैटिंग में भी कमाल कर रहे हैं। उन्होंने जारी सीजन में लगातार तीन पारियों में अर्धशतक लगाया है। उनके नेतृत्व में पंजाब ने चार मुकाबले जीते हैं और इस दौरान श्रेयस अय्यर ने कई मैचों में लक्ष्य का पीछा करते हुए दमदार पारी खेली है, जिसके चलते भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने उनकी तुलना चेज मास्टर विराट कोहली से की है।

कोहली से की तुलना

पंजाब किंग्स ने अभी तक सभी मुकाबले रन चेज करते हुए जीते हैं और इसमें श्रेयस अय्यर का बहुत बड़ा योगदान रहा है। श्रेयस अय्यर ने गुरुवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में 35 गेंद में 66 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। आकाश चोपड़ा ने कहा कि अय्यर नए चेज मास्टर हैं। हम विराट कोहली की बातें करते हैं, अगर हम उनके साथ किसी और का नाम जोड़ रहे हैं, तो ये अपने आप में उपलब्धि है। यह सच है कि उसके आंकड़े भी उसके जैसे ही हैं। पिछले दो सालों में चेज में उसका औसत 65 और स्ट्राइक रेट 180 है। विराट कोहली ने आईपीएल में चेज करते हुए 126 पारियों में 4000 से ज्यादा रन बनाए हैं। वहीं श्रेयस अय्यर ने पिछले कुछ सीजन में चेज करते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

उन्होंने आगे कहा कि वह मैच खत्म करने के बाद ही वापस जाता है। इस बार भी वो आउट हुआ, लेकिन मैच तो खत्म हो चुका था। चेन्नई के खिलाफ भी वो आउट हुआ था, लेकिन तब भी मैच खत्म हो चुका था। एक-दो बार जरूर आउट हुआ होगा, वरना एवरेज 80 हो जाता। श्रेयस सिर्फ दरवाजा खटखटा नहीं रहा है, बल्कि वह उसे तोड़ने जा रहा है। वह इस तरह की बल्लेबाजी कर रहा है।

श्रेयस अय्यर महत्वपूर्ण स्थितियों में अपने साथियों से एक पायदान ऊपर रहे हैं। उनके टीम के साथी नेहल वढेरा ने बुधवार को कहा कि मैं हाल ही में उनसे (अय्यर) बात कर रहा था, और उन्होंने कहा कि प्रेशर लेना उनका काम है। यह एक कप्तान के रूप में उनके बारे में बहुत कुछ बताता है। वह दबाव का आनंद लेते हैं।

पंजाब किंग्स की टीम मुंबई के 196 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रभसिमरन की 39 गेंद में 11 चौकों और दो छक्कों से नाबाद 80 रन की पारी और कप्तान श्रेयस अय्यर (66 रन, 35 गेंद, पांच चौके, चार छक्केस) के साथ उनकी तीसरे विकेट के लिए 139 रन की साझेदारी की बदौलत 16.3 ओवर में तीन विकेट पर 198 रन बनाकर आसान जीत दर्ज करने में सफल रही।

आईपीएल 2026 में अब तक सर्वाधिक छक्के जड़ने वाले टॉप-5 बैटर

आईपीएल 2026 के अब तक 24 मुकाबले खेले जा चुके हैं और इस टूर्नामेंट का रोमांच अब धीरे-धीरे बढ़ रहा है। जारी सीजन में अब तक दो शतक लग चुके हैं और छक्कों और रनों की बारिश भी देखने को लगातार मिल रही है। इस सीजन औसत से अधिक रन बनते देखे गए हैं यानी ज्यादातर मैच हाई-स्कोरिंग रहे हैं। आईपीएल 2026 में अब तक कई खिलाड़ी ने अपनी पहचान बनाई है, जबकि कई खिलाड़ियों ने खुद की साख को दोबारा स्थापित किया है। इस सीजन अब तक सर्वाधिक छक्के लगाने वाले टॉप-5 बल्लेबाज कौन-कौन हैं, आइए आज हम आपको इसके बारे में जानकारी देते हैं।

आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार का जलवा

आईपीएल 2026 में अब तक खेले गए 24 मुकाबलों की अपडेट के अनुसार सर्वाधिक छक्के जड़ने का रिकॉर्ड आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार के नाम है। उन्होंने अब तक कुल 5 मुकाबले खेले हैं, जिनमें शानदार ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए छक्कों की झड़ी लगा दी है। पाटीदार ने अब तक इस टूर्नामेंट 5 पारियों में 21 छक्के जड़े हैं, जो किसी भी बल्लेबाज द्वारा लगाए गए सर्वाधिक हैं। रजत पाटीदार अब तक खेले गए सभी मुकाबलों में अच्छी लय में दिखे हैं और टीम के लिए अहम और मैच जिताऊ रन बनाए हैं। इस सीजन उन्होंने 5 मैचों की 5 पारियों में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 222 रन बनाए हैं और ऑरेंज कैप की लिस्ट में भी बने हुए हैं।

वैभव सूर्यवंशी और श्रेयस अय्यर टॉप-3 में

आईपीएल 2026 में अब तक खेले गए मुकाबलों के अनुसार सर्वाधिक छक्के जड़ने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर वैभव सूर्यवंशी का नाम है। 15 वर्षीय इस वंडर बॉय ने आईपीएल 2026 में जिस तरह का तांडव मचाया है उसे देख कई दिग्गज हैरान रह गए हैं। उन्होंने अब तक इस आईपीएल सीजन में 5 मैच खेले हैं, जिसकी सभी 5 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 200 रन बनाए हैं और इस दौरान 18 छक्के जड़े हैं जो टूर्नामेंट में इस सीजन किसी भी बल्लेबाज द्वारा जड़े गए दूसरे सर्वाधिक छक्के हैं। सर्वाधिक छक्के जड़ने वाले बल्लेबाजों की सूची में अब पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर तीसरे स्थान पर आ गए हैं। उन्होंने अब तक खेले गए सभी 5 मुकाबलों की चार पारियों में बल्लेबाजी करते हुए कुल 203 रन बनाए हैं और इस दौरान 14 छक्के जड़े हैं।

ये बल्लेबाज भी टॉप-5 में शामिल

आईपीएल 2026 में सर्वाधिक छक्के जड़ने वाले बल्लेबाजों की सूची में चौथे स्थान पर टिम डेविड और अभिषेक शर्मा संयुक्त रूप से हैं। डेविड ने अब तक सभी पांच मैचों में बल्लेबाजी की है जिसमें 13 छक्के लगाए हैं, जबकि अभिषेक शर्मा ने इतनी ही पारियों में 13 ही छक्के लगाए हैं। हालांकि, अभिषेक शर्मा ने डेविड की तुलना में कम रन बनाए हैं। इस सूची में ईशान किशन और रयान रिकल्टन संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर हैं। इन दोनों बल्लेबाजों ने 5 मैच की 5 पारियों में 12-12 छक्के जड़े हैं।

आईपीएल 2026 में अब तक सर्वाधिक छक्के जड़ने वाले टॉप-5 बैटर

- रजत पाटीदार- 5 पारियों में 21 छक्के
- वैभव सूर्यवंशी- 5 पारियों में 18 छक्के
- श्रेयस अय्यर- 4 पारियों में 14 छक्के
- टिम डेविड और अभिषेक शर्मा- 5-5 पारियों में 13-13 छक्के
- ईशान किशन और रयान रिकल्टन- 5-5 पारियों में 12-12 छक्के

'स्वयंभू' का वॉर सॉन्ग 'आजा धीरारा' हुआ रिलीज

अपनी रिलीज से पहले जबरदस्त चर्चा बटोरते हुए, 'कार्तिकेय 2' फेम निखिल सिद्धार्थ की फिल्म 'स्वयंभू' 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बनी हुई है। फिल्म के टीजर ने अपने भव्य दृश्यों, ऐतिहासिक कहानी, दमदार एक्शन और बड़े स्केल से दर्शकों को काफी प्रभावित किया, जिसे 18 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिले हैं और तब से इसे लेकर उत्साह लगातार बढ़ता ही जा रहा है। इसी एक्साइटमेंट को और बढ़ाते हुए, मेकर्स ने अब फिल्म का बहुप्रतीक्षित पहला सिंगल 'आजा धीरारा' रिलीज कर दिया है। यह गाना एक हाई-एनर्जी 'वॉर क्राई' ट्रैक है, जो फिल्म के मिजाज को बखूबी दर्शाता है। रवि बसरूर द्वारा कंपोज किया गया यह संगीत एक शक्तिशाली और गहराई भरा अहसास कराता है। निखिल एक खूंखार योद्धा के अवतार में नजर आ रहे हैं।

पलक तिवारी का सिजलिंग अवतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी ने बहुत कम समय में अपनी एक अलग पहचान बना ली है। वह अपनी ग्लैमरस तस्वीरों से इंटरनेट पर भी तहलका मचाती रहती हैं। हाल ही में पलक ने ब्लैक स्लीवलेस क्रॉप टॉप में अपनी सुपर सिजलिंग तस्वीरें शेयर की है। पलक की टॉप पर गुलाबी रंग से 'Lukkhi' लिखा हुआ है। इसे उन्होंने बेसिक ब्लू डेनिम जींस के साथ पेयर किया है।

■ पलक का यह लुक कैजुअल होने के साथ-साथ बेहद सेक्सी और ट्रेंडी है, जो युवाओं को काफी पसंद आ रहा है। पलक ने न्यूड मेकअप और मेसी हेयर स्टाइल के साथ अपना लुक कम्प्लीट किया है। पलक के इस फोटोशूट की जान उनके फेशियल एक्सप्रेशंस हैं। कभी कैमरे की ओर गहराई से देखते हुए, तो कभी पर्दों के पीछे छिपते हुए, उनके हर पोज में एक अलग गहराई है। पलक तिवारी जल्द ही प्राइम वीडियो की वेब सीरीज 'लुक्खे' में नजर आने वाली है। यह सीरीज 8 मई को रिलीज हो रही है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। **hindmatamirror1@gmail.com** RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप